सूर्योदय 05.34AM सूर्यास्त 07.01PM
चंद्रोदय 04.14PM चंद्रास्त 03.57AM
बैसाख- शुक्ल पक्ष
सूर्य राशि : मेष
तिथिः द्वादशी 02:56PM
नक्षत्रः हस्त 12:09AM
योगः वज्र 02:58AM
करणः बालव 02:56PM

वर्ष : 6 अंक : 210 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

शुक्रवार, 09 मई 2025

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

ऑपरेशन सिंदूर जारी, भारत ने किया पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह

पाक सेना ने भारतीय सैन्य ठिकानों पर किया था हमला जिसे नाकाम कर दिया

नई दिल्ली,, एजेंसी। भारत ने गुरुवार सुबह पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर दिया। दरअसल, बुधवार देर रात पाकिस्तानी सेना ने 15 भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद भारतीय सेना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है।

रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार दोपहर 2:30 बजे इसकी जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बुधवार देर रात पाकिस्तान ने उत्तरी और पश्चिमी भारत के शहरों को निशाना बनाया। इसमें अवंतिपोरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नाल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज में ड्रोन्स और मिसाइलें दागीं। भारतीय सेना ने पहले ही सीमाओं पर रूस के मिले एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम तैनात कर रखे हैं, जैसे ही मिसाइलों से हमला किया गया। इस सिस्टम को एक्टिव कर दिया।

पंजाब में बुधवार रात अमृतसर में धमाके सुने गए। गुरुवार सुबह यहां 3 गांवों में रॉकेट मिले हैं। डिफेंस एक्सपर्ट ने संभावना जताई है कि पाकिस्तान की तरफ से ये रॉकेट्स फायर किए गए और इंडियन डिफेंस सिस्टम ने इन्हें मार गिराया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान के हमलों के बाद गुरुवार सुबह भारतीय सेना ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर हार्पी ड्रोन से वहां के एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को निशाना बनाया। भारत की कार्रवाई तेजी के साथ की गई है जैसी पाकिस्तान ने की थी।

सूत्रों ने बताया कि लाहौर, सियालकोट, करांची में एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है। भारत ने लाहौर स्थित एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया। इस बीच पाकिस्तान एलओसी पर फायरिंग कर रहा है। इसमें जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टर मोर्टार और गोलीबारी की जा रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को ईरान के साथ बातचीत में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। जयशंकर ने कहा कि हमारी सेनाओं ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने साफ कहा कि हम पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ाना नहीं चाहते हैं। अगर पाकिस्तान हमला करता है तो यह तय है कि हम उन्हें करारा जवाब देंगे। इस बैठक से पहले पीएम मोदी और अजित डोभाल ने भी मीटिंग की। सर्वदलीय बैठक भी हुई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है।

भारत की कार्रवाई के बाद पाक सेना ने बड़े आतंकियों को हेडक्वाटर्सा में किया शिफ्ट!

नई दिल्ली,, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को तबाह कर दिया है। हमले के बाद पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों के साथ आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तानी सेना ने आतंक के तीन बड़े आकाओं समेत कुछ बड़े आतंकवादियों को अपने चार हेडक्वाटर्स में शिफ्ट कर दिया है। भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के लिए आतंकवादियों के नए ठिकाने तैयार करना आसान नहीं होगा।

भारत द्वारा की गई एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान में मौजूद आतंक के चार बड़े चेहरे छिपने की जगह तलाश रहे हैं। उनके साथ-साथ पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी को भी डर है कि जिस तरह के हालात हैं ऐसे में कहीं कोई अज्ञात बंदूकधारी उन्हें अपना निशाना ना बना ले। भारत द्वारा की गई कार्रवाई के पहले ही अनेक प्रशिक्षण कैंपों में मौजूद आतंकवादियों को वहां से बाहर भेज दिया गया था। कार्रवाई के बाद बचे आतंकवादियों को निर्देश दिए गए हैं कि फिलहाल अगले आदेश तक वे आबादी वाले इलाकों में या अपने घरों पर रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक आतंक के तीन बड़े चेहरों मसूद अजहर, हाफिज सईद, सैयद सलाहुद्दीन समेत अनेक बड़े आतंकवादी कमांडरों को पाकिस्तानी सेना के चार अलग-अलग हेडक्वाटर्स में शिफ्ट किया गया है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक आतंक के इन चेहरों को पाकिस्तान सेना के चौथी कोर लाहौर, पांचवी कोर के करांची, दसवीं कोर के रावलपिंडी और 11वीं कोर के पेशावर हेडक्वार्टर में शिफ्ट किया गया है, उनकी सुरक्षा के लिए पाकिस्तानी कमांडो लगाए गए हैं, साथ ही उनसे आम आदमी के मिलने पर भी रोक है।

पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी के लिए अब आतंकवादियों के नए ठिकाने तैयार करना भी आसान नहीं होगा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों के कैंप बनाए जा सकते थे, लेकिन तहरीके तालिबान पाकिस्तान और तालिबान से तनातनी के चलते इन इलाकों में नए कैंप नहीं बनाए गए। बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी की मजबूत पकड़ होने के कारण आतंकवादियें को वहां भी नहीं भेजा जा सकता। माना जा रहा है कि अब पंजाब ही बचा है जहां आतंकवादियों को भेजा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच देश के 28 एयरपोर्ट्स 9 मई तक बंद

नई दिल्ली,, एजेंसी। पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद बने तनाव के बीच केंद्र ने 8 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स को 9 मई तक बंद कर दिया है। ये एयरपोर्ट जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और यूपी के हैं। बड़े एयरपोर्ट्स में श्रीनगर, जम्मू, लेह, चंडीगढ़, जोधपुर, राजकोट, धर्मशाला, अमृतसर, भुज और जामनगर शामिल हैं। ये पाकिस्तान बॉर्डर से लगे हुए हैं। मध्यप्रदेश के ग्वालियर और यूपी के हिंडन एयरपोर्ट के ऑपरेशन भी बंद हैं। एअर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट, अकासा एयर और कुछ विदेशी एयरलाइंस ने गुरुवार को करीब 430 फ्लाइट्स को कैंसिल किया। ये देश की दैनिक उड़ानों का 3 फीसदी है। वहीं, पाकिस्तान में भी करीब 147 फ्लाइट्स कैंसिल हुईं, जो दैनिक उड़ानों का 17 फीसदी है। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में हाई अलर्ट है। दोनों राज्यों के बॉर्डर इलाकों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पुलिस, प्रशासनिक और हेल्थ विभाग के अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी है। बता दें पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों में तनाव चरम पर है।

चारधाम यात्रा पर निकला हेलीकॉप्टर हुआ हादसे का शिकार, 6 यात्रियों की मौत

उत्तरकाशी, एजेंसी। चारधाम यात्रा पर निकला एक हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। इसमें कुल सात लोग सवार थे जिसमें से 6 लोगों की मौत हो गई। राहत एवं बचाव दल अपना काम कर रहा है। वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। एयरोट्रांस सर्विसेस प्रा.लि.के इस हेलीकॉप्टर यात्रियों को लेकर गंगोत्री धाम की यात्रा पर जा रहा था तभी गंगोत्री हाइवे पर गंगनानी के पास जंगलों में जा गिरा। इस हेलीकॉप्टर में 7 लोग सवार थे। रेस्क्यू टीम मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है। एसडीआरएफ टीम भटवाड़ी द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर देखा गया तो पाया कि कि हेलीकॉप्टर लगभग 200 से 250 मीटर गहरी खाई में गिरा हुआ था। टीम द्वारा घटनास्थल पर बेस बनाकर खाई में उतरकर रेस्क्यू को शुरू किया किया गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि उत्तरकाशी के गंगनानी के समीप हेलीकॉप्टर क्रैश में कुछ लोगों के हताहत होने का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। ईश्वर हादसे में दिवंगत हुए लोगों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

सर्वदलीय बैठक में सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन की दी जानकारी, रक्षा मंत्री बोले

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी, खरगे- राहुल बोले- संकट की इस घड़ी में हम सरकार के साथ

नई दिल्ली , एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने हालात को लेकर गुरुवार को सर्वदलीय बैठक हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। यानी 7 मई को पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर हुए एयर स्ट्राइक के बाद भी ऑपरेशन रोका नहीं गया है। करीब डेढ़ घंटे चली बैठक से बाहर आने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी रक्षा मंत्री के बयान को दोहराया। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडगे शामिल हुए।

सूत्रों के मुताबिक बैठक में बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। ऑपरेशन जारी है, इसलिए सटीक संख्या बताना मुश्किल है। पाकिस्तान ने उकसाया तो कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी ने कहा कि संकट में हम देश और सरकार के साथ हैं। सरकार की कोई आलोचना नहीं करनी है। हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए हमारे सशस्त्र बलों और सरकार की सराहना की है। हमें आतंकवादी संगठन रेजिस्टेंस फ्रंट के खिलाफ एक वैश्विक अभियान चलाना चाहिए।

पाकिस्तान की हरकतों पर पैनी नजर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों को लेकर स्थानीय बलों के साथ लगातार संपर्क में हैं। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमलों के बाद पाकिस्तान की ओर से युद्धविराम उल्लंघन पर कड़ी नजर रखी जा रही है। रक्षा अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि सेना और सुरक्षा बल पाकिस्तान की किसी भी संभावित गलत हरकत के लिए हाई अलर्ट पर हैं।

भारत किसी को छेड़ता नहीं, अगर कोई छेड़े तो उसे छोड़ता नहीं: केंद्रीय मंत्री शिवराज

नई दिल्ली,, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत किसी को नहीं छेड़ता है, अगर कोई हमें छेड़े तो उसे हम छोड़ते नहीं हैं। चौहान ने कहा कि यह अद्भुत देश है। एक साथ कई मोर्चों पर काम चल रहा है। भारत अब दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने नई दिल्ली स्थित पूसा में आयोजित कृषि आधारित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत के आतंकवाद विरोधी अभियान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ आईपीएल भी चल रहा है, तो दूसरी तरफ आतंकवादियों के सफाए का महाअभियान। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारा यही संकल्प है कि आतंकवादियों को जड़ से मिटाकर ही सांस लेंगे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि विकास कोई साधारण कार्य नहीं है, यह वास्तव में असाधारण है। मैं इस क्षेत्र में परियोजनाओं और विकास के बारे में अभी विस्तार से नहीं बताऊंगा, लेकिन मैं इतना कहूंगा कि हमारा देश, भारत, पांच हजार सालों से ज्यादा पुराने इतिहास वाला एक प्राचीन और महान राष्ट्र है।

मंगलवार देर रात को भारतीय सेना ने पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया है। पाकिस्तान के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन के प्रमुख जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बताया कि इन हवाई हमलों में कम से कम 26 लोगों की मौत हुई और 46 घायल हुए हैं। ये हमले पीओके और पंजाब प्रांत के उन इलाकों में हुए जहां भारत के मुताबिक आतंकियों के ठिकाने थे।

इस स्थिति को देखते हुए पाकिस्तान में रेड अलर्ट जारी किया है। सभी सरकारी अस्पतालों को तैयार रहने को कहा है, देश की हवाई सीमाएं 24 से 36 घंटे के लिए बंद कर दी गई है, इस्लामाबाद और पंजाब के सभी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं और सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया है।

दिल्ली में 10 मई को लगने जा रही लोक अदालत

नई दिल्ली , एजेंसी। अगर आप भी अपने पेडिंग चालान निपटाने के लिए लोक अदालत का इंतजार कर रहे हैं तो आपके लिए बड़ा मौका आने वाला है। दरअसल, 10 मई दिन शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आप लंबित चालान या नोटिस का निपटारा करा सकते हैं। दिल्ली के सभी न्यायालय परिसरों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक लोक अदालत लगेगी। इसके साथ ही नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में भी शनिवार को ही लोक अदालत आयोजन किया जा रहा है। इसमें आप बिना लंबी अदालती कार्यवाही के 31 जनवरी, 2025 तक दिल्ली ट्रैफिक पुलिस पोर्टल पर लंबित अपने पुराने लंबित ट्रैफिक चालान का निपटान करा सकते हैं। लोक अदालत में सभी प्रकार के वाहनों का ऑन स्पॉट चालान और नोटिस का हल हो सकेगा। अदालतों में सालों से लंबित पड़े मामलों को जल्दी और आपसी सहमति से निपटाने की दिशा में एक और पहल करते हुए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 10 मई को गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर वादकारी अपने मुकदमों को बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के समझौते के जरिए सुलझा सकते हैं। वे खुद या अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से अदालत में पेश होकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव रमेश चंद्र ने बताया कि इस लोक अदालत का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों को आपसी समझदारी और सौहार्दपूर्ण माहौल में निपटाना है।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव, अचानक दिल्ली पहुंचे सऊदी अरब के मंत्री

विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की

नई दिल्ली , एजेंसी। सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर पूर्व घोषित यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे और भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में गुरुवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। सऊदी अरब के जलवायु दूत भारतीय मंत्री के बीच बैठक के बारे में एकमात्र जानकारी जयशंकर ने पोस्ट के माध्यम से दी। उन्होंने कहा कि गुरुवार सुबह सऊदी अरब के विदेश मामलों के राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर के साथ अच्छी बैठक हुई। जयशंकर ने भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ स्थानों पर आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हमलों का जिक्र करते हुए कहा, ह्यह्यहमने आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया।

सऊदी मंत्री की जयशंकर के साथ बैठक ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के नई दिल्ली आने के कुछ घंटों बाद हुई, जो जयशंकर के साथ द्विपक्षीय संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए पहले से तय यात्रा पर थे।

अराघची ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके नई दिल्ली में हलचल मचा दी थी। परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच व्यापक संघर्ष को टालने के प्रयास में मध्यस्थ के रूप में खुद को स्थापित करने के ईरान के प्रयास के बीच, दशकों की शत्रुता से प्रेरित संघर्ष को सुलझाने के लिए किसी तीसरे देश की निष्पक्षता, लाभ और क्षमता के बारे में पाकिस्तान में अटकलें लगाई जा रही थीं।

सिर्फ 15 मिनट मुसलमानों को सौंप दो सत्ता, पाकिस्तान का मिटा देंगे नामोनिशान

एआईएमआईएम नेता ने कहा- अब पाकिस्तान पूछे मसूद अजहर के रिश्तेदारों का धर्म

नई दिल्ली,, एजेंसी। पहलगाम में पर्यटकों की हत्या कराना पाकिस्तान और उसके पाले गए आतंकवादियों को अब भारी पड़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक कर नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल से हमला कर तबाह कर दिया है। इस बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता ने कहा है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने की बात कही है। एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई ने पाकिस्तान पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि भारत के मुसलमानों को सिर्फ 15 मिनट के लिए सत्ता सौंप दी जाए। हम बता देंगे कि पाकिस्तान को कैसे नेस्तनाबूद कर उसका नामोनिशान मिटा देंगे। भारत के मुसलमानों ने इस टू नेशन थ्योरी को रिजेक्ट कर दिया और इसके बाद देश को बनाने में इसकी तरक्की में जो किरदार निभाया है वह अविस्मरणीय है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शोएब जमई ने कहा कि मंगलवार रात भारत की कार्रवाई जो इतिहास में दर्ज हो गई। बहुत बड़ा मील का पत्थर है। बहुत दिनों से पाकिस्तान में जो आतंकवादी ढांचा है, कैंप है, उसका नेस्तानाबूद होना जरूरी था। जो भी आंखें, जो भी ताकत हमारी सीमा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगी उन ताकतों को नेस्तानाबूद करना, उन आंखों को नोचना जरूरी है। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी का जिक्र करते हुए कहा कि जब बात भारत के आन-बान शान पर आती है तो भारत का हर मुसलमान अपना बलिदान देकर सीमा की हिफाजत करने के लिए तैयार है। जमई ने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने भारत के पीएम को ही नहीं, यहां के सभी लोगों को चैलेंज किया था। अब पाकिस्तान पूछे मसूद अजहर के रिश्तेदारों का धर्म। धर्म पूछकर पहलगाम में लोगों को मारा, क्योंकि उनकी साजिश थी कि देश में हिंदू-मुस्लिम में नफरत पैदा की जाए लेकिन यहां के लोग इस साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे।

वहीं एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी भी पहलगाम हमले के बाद से पाकिस्तान पर गुस्से से लाल हैं। पाकिस्तान मुदार्बाद, भारत जिंदाबाद के नारे लगाए हुए उनका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। ओवैसी ने ऑपरेशन सिंदूर का स्वागत करते हुए एक्स पर लिखा- मैं हमारी रक्षा सेनाओं द्वारा पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर किए गए लक्षित हमलों का स्वागत करता हूं। पाकिस्तानी डीप स्टेट को ऐसी सख्त सीख दी जानी चाहिए कि फिर कभी दूसरी पहलगाम की घटना न हो। पाकिस्तान के आतंक ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर देना चाहिए। जय हिन्द!

अमृतसर में धमाकों की आवाज के बाद पटाखों पर बैन, पूरी रात रहा ब्लैकआउट

पंजाब पुलिस ने भी सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी की रद्द

चंडीगढ़,, एजेंसी। पंजाब के अमृतसर में बुधवार देर रात तेज धमाकों की आवाज के बाद प्रशासन ने पटाखों पर बैन लगा दिया है। ये प्रतिबंध अगले आदेश तक जारी रहेगा। इस संबंध में जिला प्रशासन ने एक पत्र भी जारी किया है, साथ ही पंजाब पुलिस ने अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी है।

अमृतसर प्रशासन के जारी पत्र के मुताबिक लोग शादी के मौके या धार्मिक कार्यक्रम के दौरान पटाखे और आतिशबाजी करते हैं ऐसे पटाखे लोगों में दहशत पैदा करते हैं, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति को खतरा पैदा होता है। इसको ध्यान में रखते हुए जिले में पटाखों के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया दिया गया है। ये बैन अगले आदेश तक जारी रहेगा।

प्रशासन ने बताया कि भारत सरकार और पंजाब सरकार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक पंजाब के कई जिलों में किसी भी संकट की स्थिति से निपटने के लिए नागरिक सुरक्षा के तहत मॉक ड्रिल की जा रही है। वहीं, किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पंजाब के पुलिस ने अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियों को रद्द कर दिया है। बता दें कि बुधवार देर रात अमृतसर में धमाकों की आवाजें सुनाई दीं, जिसके बाद एहतियात के तौर पर प्रशासन ने ब्लैकआउट कर दिया जो पूरी रात लागू रहा। धमाके की आवाज को लेकर अमृतसर के पुलिस कमिश्नर ने साफ कहा कि धमाकों की आवाज सुनी, लेकिन हमने मौके पर जाकर जांच की तो कुछ नहीं मिला। सावधानी बरतते हुए ब्लैकआउट कर दिया।

युवा पीढ़ी और शिक्षण के पेशे से जुड़े लोगों से वृक्षारोपण आंदोलन का हिस्सा बने : मनजिंदर सिंह सिरसा मंत्री दिल्ली सरकार

नई दिल्लीः दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी कॉलेज फॉर विमेन के माता साहिब कौर ऑडिटोरियम में श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज और श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज ऑफ कॉमर्स के सहयोग से दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा के लिए एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सिख समुदाय के कल्याण के लिए उनके द्वारा किए गए विभिन्न पंथिक कार्यों को ध्यान में रखते हुए, दिल्ली विश्वविद्यालय के उपरोक्त कॉलेजों ने इस विशेष समारोह में उन्हें सम्मानित करने की पहल की। कार्यक्रम का उद्घाटन माता सुंदरी कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. हरप्रीत कौर ने किया और विद्यार्थियों को मनजिंदर सिंह सिरसा के व्यक्तित्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, ह्लसरदार सिरसा ने 1984 के सिख पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाया और सफल रहे ।ह्वइसके साथ ही उन्होंने कोरोना काल में मरीजों के कल्याण के लिए ऑक्सीजन लंगर और 400 मरीजों के लिए बेड तैयार किए। वह एक ऐसे नेता हैं जो पंजाबी, पंजाबियत और सिख मुद्दों को सुलझाने में हमेशा सबसे आगे रहते हैं।

श्रोताओं को संबोधित करते हुए हरमीत सिंह कालका ने कहा, ह्लसरदार सिरसा और मेरा 15 वर्षों से राजनीतिक संबंध रहा है ।ह्वइस दौरान मैंने देखा कि उन्होंने श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के मीरी-पीरी के सिद्धांत से मार्गदर्शन लेते हुए राजनीति और धर्म को समानांतर रखा ।उन्होंने लगातार 14 महीनों तक किसान आंदोलन में किसानों की सेवा की और उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी उनकी सेवाएं अविस्मरणीय हैं।

गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन एम.पी.एस. चड्ढा ने सरदार सिरसा के सम्मान में बोलते हुए कहा, ह्लभगवान ने उन पर उतनी ही दया की है जितनी उन्होंने पंथ की सेवा का दायित्व उठाया था ।ह्व हमें उम्मीद है कि वे हमारे पुराने साथी हैं और सिख समुदाय की सेवा खुशी-खुशी करते रहेंगे। हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि राजनीति में उनके उत्थान से सिखों का सिर गर्व से ऊंचा हो गया है।

गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज ऑफ कॉमर्स के प्रिंसिपल डॉ. जी.बी. सिंह ने मनजिंदर सिंह सिरसा के प्रारंभिक जीवन से लेकर कैबिनेट मंत्री बनने तक के सफर के बारे में जानकारी दी। दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर उन्हें बधाई। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। सरदार कुलबीर सिंह ने कहा कि मनजिंदर सिंह सिरसा एक प्रमुख समाजसेवी होने के साथ-साथ धर्मनिरपेक्ष नेता भी हैं। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने दिल्ली गुरुद्वारा साहिब की सेवाओं को पूरी दुनिया तक पहुंचाया है।

गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स के कोषाध्यक्ष सरदार गुरिंदर पाल सिंह ने कहा कि सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा की कार्यशैली में जरूरतमंदों का विशेष ध्यान रखा जाता है, जिसमें जाति, धर्म, समुदाय या नस्ल के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाता है।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने आए हुए सभी व्यक्तित्वों और विद्यार्थियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि माता सुंदरी कॉलेज के मंच से सभी को संबोधित करना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि देश के प्रधानमंत्री भी इस हमले से काफी चिंतित हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की सोच के साथ खड़े रहने का वादा किया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सिखों और पंजाब के मुद्दों को लेकर बहुत गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि देश का नागरिक और सिख होना उनके लिए गर्व की बात है। वह सिख धर्म के प्रसार के लिए प्रयास करते रहेंगे।

अपने भाषण में सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली के विकास, पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए शुरू की गई नीतियों पर विस्तृत से विचार साझा किए और कहा

- दिल्ली सरकार के मंत्री एवं लोकप्रिय सिख नेता सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा का सम्मान समारोह माता सुंदरी कॉलेज फॉर विमेन के माता साहिब कौर ऑडिटोरियम में हुआ संपन्न।

कि सरकार आने वाले दिनों में दिल्ली में सत्तर लाख नए पेड़ लगाएगी। उन्होंने युवा पीढ़ी और शिक्षण के पेशे से जुड़े लोगों से वृक्षारोपण आंदोलन का हिस्सा बनने और सहयोग करने की अपील की।

कॉलेज के प्रवक्ता ने ब्यूरो चीफ विजय गौड़ को बताया कि सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा को तीनों कॉलेजों के गणमान्य व्यक्तियों और प्राचार्यों द्वारा स्वर्ण मंदिर का मॉडल, हुक्मनामा माता सुंदरी जी, सम्मान चिह्न, फूलों की माला और गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एच.एस. नाग, सुखवीर सिंह कालरा, प्रिथीपाल सिंह साहनी, सतनाम सिंह, डॉ. बलजीत सिंह, प्रिंसिपल श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, तीनों कॉलेजों के अध्यापक व गैर-शिक्षण कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

45 लाख रुपये का ड्रग्स नाइजीरियाई नागरिक से बरामद

नई दिल्ली , एजेंसी । दक्षिण पश्चिम जिले नारकोटिक्स दस्ता ने एक नाइजीरियाई ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है । आरोपी की पहचान नाइजीरियाई निवासी पीटर अनाकेपो (50) के रूप में हुई है । वह वेस्ट सागरपुर स्थित मोहन ब्लॉक में रह रहा था । उसके कब्जे से कुल 103.8 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद हुआ है । जिसकी कीमत 45 लाख रुपये आंकी गई है । जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि पांच मई को वेस्ट सागरपुर स्थित मोहन ब्लॉक पर जाल बिछाकर छापा मारा । इस दौरान उसके घर के हॉल में एक भूरे रंग के सोफे के कुशन से वाइल्ड स्टोन लेबल वाला एक काले और लाल रंग का कार्डबोर्ड बॉक्स बरामद हुआ । जिसमें आरोपी ने ड्रग्स रखा हुआ था । पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत सागरपुर थाने में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया । आरोपी पीटर अनाकेपो लगभग सात साल पहले नेपाल के रास्ते भारत आया था और शुरू में अपने वीजा की समाप्ति के बाद भी मुंबई में रहा । वह मुंबई में कपड़ों के आयात-निर्यात व्यवसाय से जुड़ा था । 2019-2020 के आसपास वह दिल्ली आ गया और शहर भर में विभिन्न स्थानों पर रहकर ड्रग्स की तस्करी शुरू कर दी । इस दौरान उसने अन्य नाइजीरियाई नागरिकों से खेप प्राप्त की और उन्हें अत्यधिक कीमतों पर बेचा ।

यमुना एक्सप्रेसवे पर स्पीड कैमरों को चकमा दे भी दिया तो बच नहीं पाएंगे

नई दिल्ली , एजेंसी । यमुना एक्सप्रेसवे पर स्पीड कैमरों को चकमा देकर गति सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों चालकों की अब खैर नहीं । एक्सप्रेसवे प्रबंधन ने ऐसे चालाकों के लि इंतजाम कर लिया है । एक्सप्रेसवे पर अब तीनों टोल प्लाजा के बीच वाहनों की एवरेज स्पीड और ग्रेटर नोएडा व आगरा की तरफ अंतिम छोर पर एक्शन स्पीड पकड़ते हुए वाहन का डाटा एकत्रित करने के लिए साफ्टवेयर तैयार हो चुका है । साफ्टवेयर में स्टोर गति सीमा का उल्लंघन करने वाले चालकों का डाटा एक्सप्रेसवे प्रबंधन नोएडा, मथुरा व आगरा ट्रैफिक पुलिस को सौंपेगा । ट्रैफिक पुलिस वाहन चालकों का ई-चालान जारी करेगी । ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 165 किलोमीटर लंबे यमुना एक्सप्रेसवे पर निर्धारित अधिकतम गति सीमा 100 किमी प्रति घंटा का उल्लंघन करने वालों पर लगाम लगाने के लिए 10 स्थानों पर 30 स्पीड कैमरे लगाए गए थे । कुछ लोगों ने इन स्पीड कैमरों को चकमा देना शुरू कर दिया, जिसके बाद एक्सप्रेसवे प्रबंधन ने 20 स्थानों पर हाई रेजूलेशन के 40 कैमरे लगाए, लेकिन इन कैमरों से बचने का भी रास्ता निकाल लिया गया ।

पाकिस्तान ने निर्दोष लोगों को निशाना बनाया

भारत सरकार ने बयान में आगे कहा कि पाकिस्तान की गोलीबारी में सोलह निर्दोष लोगों की जान चली गई है, जिनमें तीन महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं । यहां भी भारत को पाकिस्तान की ओर से मोर्टार और आर्टिलरी की गोलीबारी को रोकने के लिए जवाब देना पड़ा । भारतीय सशस्त्र बलों ने तनाव न बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है, बशर्ते पाकिस्तानी सेना इसका सम्मान करे ।

सीएम रेखा गुप्ता ने भारतीय सेना पर जताया गर्व

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की दिल खोलकर सराहना की, जहां सेना ने पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों को धूल में मिला दिया। बेबाक अंदाज में उन्होंने इसे देश की अटूट ताकत और एकजुटता का चमकता प्रतीक बताते हुए पाकिस्तान को दो टूक चेतावनी दी कि भारत आतंक की किसी भी साजिश को कुचल देगा। पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी, के जवाब में भारतीय सेना ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के तहत 7 मई की रात पाकिस्तान और पीओके में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के 9 ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए। इस कार्रवाई की दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा भारत की सेनाएं हर स्थिति से निपटने को तैयार हैं। अगर पाकिस्तान ने आतंक फैलाने की कोशिश जारी रखी, तो इससे भी कड़ा जवाब दिया जाएगा। सीएम ने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को साफ

संदेश दे दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है। उन्होंने कहा देश का हर नागरिक आज सरहद पर जाने को तैयार है हमारी सेनाएं किसी भी चुनौती से निपटने में सक्षम हैं। देशभर में इस ऑपरेशन के दौरान 90 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की खबरों ने जनता में उत्साह पैदा किया है और सीएम का यह बयान इस गर्व के माहौल को और मजबूत करता है। सीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश की ताकत का प्रतीक है। पाकिस्तान को अब समझ आ गया है कि भारत आतंक को बर्दाश्त नहीं करेगा। अगर उन्होंने अपनी हरकतें नहीं रोकीं, तो हम और बड़ा कदम उठाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देशभर में गर्व का माहौल है। रक्षा मंत्रालय ने साफ किया कि यह कार्रवाई केंद्रित और गैर-उत्तेजक थी, जिसमें किसी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया। वहीं पाकिस्तान ने इन हमलों को 'कायराना' करार देते हुए जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। लेकिन सीएम रेखा गुप्ता के बयान ने साफ कर दिया कि भारत किसी भी स्थिति के लिए तैयार है।

मौसम का यू-टर्न ब्रेक के बाद दिल्ली में फिर लौटी बारिश

नई दिल्ली , एजेंसी ।राजधानी में बीते शुक्रवार को हुई तेज आंधी व मूसलाधार बारिश होने के बाद से मौसम का मिजाज गर्म हो गया था। लेकिन, कुछ दिन ब्रेक के बाद मौसम ने यू-टर्न लिया है। आसमान में बादल छाए रहेंगे। इस दौरान गरज के साथ हल्की बारिश होगी और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलेंगी, जो शाम व रात तक 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37 और 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि मौसम का ऐसा मिजाज अभी खत्म नहीं होने वाला। खुशनुमा मौसम का यह दौर अभी सप्ताह के अंत तक बना रहेगा। वहीं, मौसम विभाग ने आठ और नौ मई के लिए दो दिन तेज हवाओं के साथ बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही, 10 मई को हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। बुधवार को दिन भर बादलों के बीच सूरज की लुकाछिपी के बाद मौसम एक दम से बदल गया। शाम 4:30 बजे से उत्तर पश्चिम, उत्तर पूर्व, दक्षिण पश्चिम और दक्षिण पूर्व जिला में तेज बारिश का दौर जारी रहा। मौसम के करवट लेने के साथ ही लोगों को गर्मी से राहत मिली। बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 2.8 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 36.5 डिग्री दर्ज किया गया। कुछ इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विभाग के विशेषज्ञों के मुताबिक, पश्चिमी मध्य प्रदेश और उसके आसपास के इलाकों में समुद्र तल से 1.5 से 7.6 किलोमीटर ऊपर पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। इस कारण से तीन से चार दिन हल्की बारिश होने की संभावना है। यही नहीं, 9 मई से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बनेगा। रिज में सबसे अधिक तापमान रहा। यहां अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लोधी रोड व आया नगर में 35.2 और पालम में 35.0 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। साथ ही, न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 24 डिग्री दर्ज किया गया। रिज में न्यूनतम तापमान अन्य केंद्र के मुताबिक सबसे कम रहा। यहां न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

ऑन डिमांड लग्जरी कार चुराने वाला गिरफ्तार चोरी की गाड़ियां बरामद

नई दिल्ली , एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में मालवीय नगर थाना पुलिस ने ऑन डिमांड गाड़ियां चुराने वाले शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की तीन कारें बरामद की हैं। चुराई गई गाड़ियों को आरोपी जयपुर, बेंगलुरु और पंजाब भेज देता था। पुलिस आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि तीन मई को मालवीय नगर से एक व्यक्ति के घर के बाहर से कार चोरी हो गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की। इस दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास संदिग्ध गाड़ी की पहचान की। तकनीक की भी मदद ली गई, जिस पर पुलिस ने एक आरोपी सनी की पहचान की। पुलिस ने छापामारी कर आरोपी सनी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी सनी मूलरूप से गांव रतनपुरा, जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और हाल में ओमेक्स सिटी फेज-दो, पलवल, हरियाणा में रह रहा था। आरोपी ने तीन गाड़ियां चुराने की बात कुबूल की, जिसे पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बरामद कर लिया। वहीं, पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वह और उसके साथी मांग के अनुसार, कारें चुराकर उन्हें जयपुर, बेंगलुरु और पंजाब भेज देते थे। चोरी की गाड़ियों को अन्य आपराधिक वारदात में भी इस्तेमाल करते थे। पुलिस उसके साथियों की तलाश कर रही है।

गीता कॉलोनी में 2 दोस्तों के हत्यारे नाबालिग पर बीच बाजार में फायरिंग

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा जिले के गीता कॉलोनी में रात उस वक्त सनसनी फैल गई जब बीच बाजार एक 17 साल के नाबालिग पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी गईं। यह हमला बदले की भावना से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। किशोर के सिर और पेट में दो गोलियां लगीं, जिसमें से एक अब भी उसके सिर में फंसी है। गंभीर रूप से घायल किशोर को लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने फुर्ती से कार्रवाई करते हुए इस वारदात को अंजाम देने वाले दोनों आरोपियों को चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी प्रशांत गौतम के मुताबिक, घटना 6 मई की रात करीब 9:15 बजे की है। 17 साल का नाबालिग स्कूटी से अपनी मौसी से मिलने रानी गार्डन गया था। वापसी के दौरान दो हमलावरों ने उस पर देसी तमंचे से गोलीबारी कर दी। गोली चलने की आवाज से बाजार में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन हमलावर मौके से फरार हो गए। किशोर को उसके दोस्त ने तुरंत ऑटो से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस को घटना की सूचना रात 11 बजे मिली। क्राइम टीम के साथ मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की और कुछ ही घंटों में दोनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में 19 साल का अमान और एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। दोनों ने कबूला कि उन्होंने यह हमला अपने दोस्तों की हत्या का बदला लेने के लिए किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद कर लिया। उनके

खिलाफ हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस सनसनीखेज मामले की जड़ें सितंबर 2024 में हुए एक डबल मर्डर से जुड़ी हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि घायल किशोर ने संपत्ति विवाद में शाहिद और इरशाद नामक दो सगे भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद वह बाल सुधार गृह भेजा गया था, लेकिन कुछ ही समय में जमानत पर बाहर आ गया। तभी से मृतकों के दोस्त बदला लेने की फिराक में थे और आखिरकार उन्होंने किशोर पर हमला कर दिया। इस हमले के बाद गीता कॉलोनी और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। लोगों में बदले की इस खूनी जंग को लेकर भारी चिंता है। पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। फिलहाल, किशोर की जान बचाने की जद्दोजहद जारी है और पुलिस मामले की हर एंगल से गहन जांच में जुटी है।

पाकिस्तान का एफ-16 भारत ने मार गिराया, भारत के फाइटर विमानों ने जम्मू से उड़ान भरी

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान का एफ-16 विमान मार गिराया है। वहीं देर रात भारत के फाइटर विमानों ने जम्मू से उड़ान भरी। पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में किए गए ड्रोन अटैक के कारण जम्मू-कश्मीर में ब्लैक आउट कर दिया गया है। कुपवाड़ा में भी सायरन बजने के बाद ब्लैक आउट किए जाने की खबर सामने आई है। हालांकि भारतीय सुरक्षा बलों की ओर से सामने आई जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के ड्रोन अटैक को नाकाम कर दिया गया है।

दरअसल जम्मू में पाकिस्तान ने कई जगह पर ड्रोन से अटैक करने की कोशिश की है। कुछ स्थानीय लोगों ने पाकिस्तान के इस ड्रोन अटैक के वीडियो बनाए हैं। आसमान में लाल रोशनियां तैरती हुई दिखाई दे रही हैं। जानकारी के मुताबिक पूरी तरह से मुस्तैद भारतीय सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने इस हमले को नाकाम कर दिया है।

जम्मू से लेकर पंजाब के अमृतसर हाई अलर्ट पर है। जम्मू में पाकिस्तान ने ड्रोन से अटैक किया है। इसको देखते हुए जम्मू और कुपवाड़ा में पूरी तरह से ब्लैक आउट है। अमृतसर में भी ब्लैक आउट है।

पाकिस्तान के ड्रोन अटैक के बाद भारत के फाइटर विमानों ने जम्मू से उड़ान भरी है। इधर पंजाब, राजस्थान के भी सीमाई इलाकों से भीषण तनातनी की खबर सामने आई है। राजस्थान के जैसलमेर, पंजाब के फिरोजपुर, अमृतसर में ब्लैक आउट की खबर सामने आई है। जानकारी यह भी आ रही है कि पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर ही नहीं, राजस्थान और पंजाब बॉर्डर पर भी हमला किया है। राजस्थान के जैसलमेर से भी पाकिस्तान के हमले की खबर है।

अमृतसर से जम्मू, पठानकोट से भुज... 15 शहरों पर पाक के हमले नाकाम, ढाल बना रहा भारत का सुदर्शन-400, पाकिस्तान की नापाक कोशिश का भारत ने दिया तगड़ा जवाब

कराची से लाहौर तक सब धुआं-धुआं...

नई दिल्ली/इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान द्वारा भारत के 15 शहरों पर किए गए हवाई हमलों की कोशिश को भारतीय वायुसेना और एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर के दूसरे दिन भारत ने पाकिस्तान पर बड़ा एक्शन लिया है। गुरुवार सुबह भारत की स्ट्राइक में पाकिस्तान के तीन बड़े शहरों लाहौर, कराची और रावलपिंडी में लगे एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम तबाह हो गए। हमले के लिए भारत ने इजराइली हार्पी ड्रोन का इस्तेमाल किया। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने गुरुवार दोपहर को कहा कि पाकिस्तान के 9 शहरों में भारत ने ड्रोन हमले किए। पाकिस्तानी सेना कम से कम 50 ड्रोन गिराने में कामयाब रही। शरीफ ने माना कि एक ड्रोन नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहा। लाहौर में पाकिस्तानी सेना के 4 जवान घायल हुए और मियानों में 2 लोगों की मौत हो गई। इस बीच अमेरिका ने लाहौर में रह रहे अपने नागरिकों और वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों को सुरक्षित जगहों पर चले जाने को कहा है।

भारत सरकार ने ऑफिशियल बयान जारी करके बताया, 7 और 8 मई की दरमियानी रात को पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना सहित कुल 15 शहरों में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। भारत ने पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई करते हुए एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर दिया। भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था। इसके बाद से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। पाकिस्तान ने भारत के 15 शहरों को निशान बनाकर हमले करने की कोशिश की, जिसके जवाब में भारतीय वायुसेना के स्-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने हर हमले को नाकाम कर दिया है। भारत की जवाबी कार्रवाई में रावलपिंडी, लाहौर और कराची जैसे प्रमुख शहरों को भारी नुकसान हुआ है।

कराची में ड्रोन अटैक

कराची में रहने वाले एक शख्स ने बताया कि सुबह 10 बजे के करीब कोई ड्रोन आया और सीधे छत से टकराया। इसके बाद पूरी छत टूट गई और गड्ढा हो गया। स्थानीय के मुताबिक इसके बाद कराची में ब्लैकआउट कर दिया गया क्योंकि बिजली के तारों को भी भारी नुकसान हुआ है। इसके बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरा मच गई। कराची से जो तस्वीरें सामने आई हैं उनमें देखा जा सकता है कि एक घर की छत पूरी तरह से बर्बाद हो गई और घर के अंदर रखे सामान को भी नुकसान पहुंचा है। इसी तरह की तस्वीरें लाहौर से भी आई हैं जहां एक के बाद एक कई एंबुलेंस सडक पर जाती दिख रही हैं। इसके अलावा पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाडियों को भी देखा जा सकता है। लाहौर

- भारत ने तबाह किया पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम, सेना के ड्रोन हमले ने बरपाया कहर
- लाहौर, कराची, रावलपिंडी समेत 9 शहरों पर ड्रोन अटैक, भारत ने 3 एयर डिफेंस सिस्टम तबाह किए

में इमरजेंसी सायरन की आवाजें भी सुनाई दे रही हैं। शहर की कई इमारतों को ड्रोन हमले से भारी नुकसान पहुंचा है। लाहौर में भारत की जवाबी कार्रवाई के बाद हर तरफ भगदड़ जैसा माहौल देखा जा सकता है।

पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह

भारत की जवाबी कार्रवाई में रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम को भी नुकसान पहुंचा है। यहां रात को पाकिस्तान सुपर लीग का मैच खेला जाना था, जिसमें पेशावर और कराची की टीमें आमने-सामने होने वाली हैं। रावलपिंडी में होने वाले पीएसएल के बाकी मैच कराची में शिफ्ट कर दिए गए हैं। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की एक इमरजेंसी बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया है। पाकिस्तान के गुजरांवाला ने भी भयानक तस्वीरें सामने आई हैं। यहां तडके एक के बाद एक धमाकों की आवाजें सुनाई दी हैं। इसके बाद सडकों पर चलने वाले वाहन अचानक तेजी से दौडने नजर आए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने एक वाहन चोर को किया गिरफ्तार, चोरी की गाड़ी बरामद

मदरलैंड संवाददाता, नूंह। नूंह जिले की फिरोजपुर झिरका पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साबिर खान पुत्र ईसाख और नसीम खान पुत्र अब्दुल सत्तार के रूप में हुई है, जो दोनों सलम्बा थाना सदर नूंह के रहने वाले हैं। दोनों के खिलाफ थाना सिटी फिरोजपुर झिरका में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार के अनुसार जांच में सामने आया है कि आरोपी साबिर खान पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है। जिस पर थाना सदर गुरुग्राम, सदर नूंह, एचएसएचडीसी सोनीपत बरवाला हिसार में चोरी धोखाधड़ी आदि धाराओं में केस दर्ज हैं। इन आरोपियों से एक चोरी की मारुति ईको कार बरामद की गई है, जो थाना न्यू कॉलोनी गुरुग्राम के क्षेत्र से चोरी हुई थी। इस संबंध में थाना न्यू कॉलोनी गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ जारी है और अन्य मामलों में भी उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

14 को होगी जिला सैनिक बंधु की बैठक

मदरलैंड संवाददाता, हाथरस, । जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, हाथरस ने अवगत कराया है कि जनपद हाथरस के भूतपूर्व सैनिक व उनके आश्रितों की समस्याओं के निराकरण हेतु जिला सैनिक बन्धु बैठक का आयोजन जिलाधिकारी राहुल पांडेय की अध्यक्षता में 14 मई अपराह्न 12:30 बजे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सभागार कलेक्ट्रेट में किया जायेगा। उक्त बैठक से पूर्व जनपद के सैनिकों व उनके आश्रितों से अनुरोध है कि अपनी समस्याओं का पूर्ण विवरण सहित प्रार्थना पत्र दिनांक 13 मई 2025 तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, कलेक्ट्रेट, में जमा कराने के साथ ही, बैठक में समय से उपस्थित होने का कष्ट करें।

राणा सांगा पर टिप्पणी मामले में सुनवाई अब 13 को

मदरलैंड संवाददाता, हाथरस। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद द्वारा राज्यसभा में क्षत्रिय वीर शिरोमणि महाराणा सांगा पर दिए गए बयान के बाद कोर्ट में दायर याचिका पर अब अगली सुनवाई 13 मई को होगी। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट में दायर याचिका पर आज सुनवाई नहीं हो सकी। न्यायिक अधिकारी के अवकाश पर होने के कारण अब यह सुनवाई 13 मई को होगी। न्यायालय ने पहले सीओ सिटी को इस मामले की जांच कर रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए थे। उक्त मामले में याचिकाकर्ता मतेंद्र सिंह गहलोत की ओर से पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुढ़ीर कर रहे हैं।

वीर योद्धा महाराणा प्रताप की जन्म जयंती पर शोभायात्रा आज

मदरलैंड संवाददाता, हाथरस। वीर योद्धा क्षत्रिय शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के बैनरतले आज 9 मई को शहर में भव्य एवं विशाल क्षत्रिय वीर शिरोमणि महापुरुष शोभायात्रा भारी धूमधाम के साथ निकाली जाएगी और शोभायात्रा में जहां क्षत्रिय बंधु भारी संख्या में सहभागिता करेंगे।वहीं पूरे शहर में भगवा छाएगा।शोभायात्रा शहर में दोपहर 3 बजे से भारी भव्यता दिव्यता एवं धूमधाम के साथ निकाली जाएगी और शोभायात्रा से पूर्व क्षत्रिय बंधुओं का स्वागत एवं सम्मान तुलसी देवी स्मृति भवन गौशाला रोड पर दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा और यहीं से विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ होगा।उक्त जानकारी मेला अध्यक्ष एवं ब्लाक प्रमुख ठा. धर्मेंद्र पाल सिंह पीलू भैया, संयोजक ठाकुर पवन गहलोत ने देते हुए क्षत्रिय बंधुओ से भारी संख्या में शोभायात्रा में पहुंचने का अनुरोध किया है।

महाराणा प्रताप चौक का आज लोकार्पण करेंगीं सदर विधायक

मदरलैंड संवाददाता, हाथरस। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी के जन्म दिवस पर शहर के नगला भुस तिराहा आगरा रोड पर सदर विधायक श्रीमती अंजुला सिंह माहौर के अथक प्रयासों से बनवाए गए महाराणा प्रताप चौक का आज 9 मई को सुबह 10 बजे लोकार्पण सदर विधायक श्रीमती अंजुला सिंह माहौर द्वारा किया जाएगा।उक्त संबंध में जानकारी देते हुए भारतीय जनता पार्टी के शहर अध्यक्ष मूलचंद वार्ष्णेय ने कहा है कि सदर विधायक श्रीमती अंजुला सिंह माहौर द्वारा नव निर्माण महाराणा प्रताप चौक का लोकार्पण होना तय हुआ है। उन्होंने नगर के सभी बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी, नगर पदाधिकारी, सभी मोर्चा, प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, सभी सभासदों एवं सभी कार्यकताओं से अनुरोध है किया है कि आज सुबह 10 बजे भुस का नगला तिराहा पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

बंधक बनाकर लूटे पैसे ,मामला दर्ज

मदरलैंड संवाददाता, कनीना। प्रवीण कुमार वार्ड नंबर 11 अटेली मंडी तीन लोगों पर उसे बंधक बनाकर पैसे लूटने का मामला दर्ज करवाया है। उन्होंने पुलिस में बताया कि वह एलआईसी का काम करता है। 30 अप्रैल को सियाराम का फोन आया कि उसके दोस्त दिनेश की एलआइसी करवानी है। जिसके चलते प्रवीण कुमार एक मई को दिनेश से मिलने उसके पते पर बेवल पहुंचा। दिनेश उसे एसबीआई बैंक के पास खड़ा मिला और वह प्रवीण कुमार को एक गली में लेकर गया, वहां एक पुराने घर के अंदर ले गया। अंदर जाते ही उनका मोबाइल एवं बैग छीन लिया। वहां पर पहले ही युद्धवीर नामक व्यक्ति खड़ा हुआ था और उसके साथ एक अन्य व्यक्ति भी था जिन्होंने मिलकर बंधक बना लिया और प्रवीण से पैसे छीन लिये। एक-एक करके सभी जानकारों से पैसे मंगवा लिये, कुल 700060 हजार रुपये कैश छीन और 1 लाख 31 हजार 700 यूपीआई आनलाइन डरा धमकाकर करवा लिए। करीब 3 घंटे बंधक बनाए रखा। बाद में धमकी दी कि पुलिस को सूचना देने पर जान से मार दिया जाएगा। दबाव वीडियो बना ली और हस्ताक्षर करवा लिए। उनका आरोप है कि दिनेश से गांव के बाहर तक पीछा करता रहा और धमकी देकर गया। अभी भी फोन करके धमकी दे रहे हैं कि अंजाम बुरा होगा। प्रवीण कुमार पहले तो डरा रहा किंतु अब उन्होंने पुलिस में मामला दर्ज करवा दिया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

वाहन में गैस रिफिल करते लगी आग टैंपो सहित ईको स्वाहा

» मदरलैंड संवाददाता

हाथरस।कुकिंग गैस कालाबाजारी का धंधा और कुकिंग गैस का चार पहिया वाहनों में प्रयोग रूक नहीं है है जिससे अक्सर हादसे होते रहते है। ऐसा ही हादसा सासनी के गांव गदाखेडा में गुरूवार को हो गया। जिसमें एक ईको कार एवं एक टैंपो तथा कुछ घरेलू सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची दमकल ने बडी मुश्किल से आग पर काबू पाया।

मिली जानकारी के अनुसार गांव गदाखेडा में जिला बुलंदशहर के गांव शिकारपुर निवासी मस्तराम का पुत्र सोनू करीब आठ वर्ष से रहकर ऑटो आदि चलाकर परिवार का भरण पोषण करता है। बुधवार की देर शाम उसे सूचना मिली उसके पिताजी की मौत हो गई है। वह रात में ही अपने गांव चला गया। बतात हैं कि गुरूवार की सुबह सोनू की गाडी का चालक एक गाड़ी लेकर आया और उसमें घर पर ही सीएनजी गैस की जगह घरेलू गैस सिलेंडर से रिफलिंग करने लगा। इसी बीच किसी प्रकार सिलेंडर से गैस लीक हुई और आग पकड ली। जिससे सिलेंडर में आग लग गई। आग लगते ही चालक दूर भाग गया और आग ने ईको एवं पास खडे एक ऑटो को अपने आगोश में ले लिया और विकराल रूप धारण कर धू-धू कर जलने लगी। इसी बीच ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई तो ग्रामीणों ने दमकल विभाग को सूचना दी और आग पर काबू पाने का प्रयास किया मगर आग रौद्र रूप धारण कर चुकी थी। इतने में ही दमकलकर्मी आए और उन्होंने अथक प्रयास कर आग पर काबू पाया। आग लगने के कारण गांव में अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। आग में एक ऑटो और ईको गाड़ी और घर का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत यह रही पास मे ही पांच गैस के सिलेंडर और रखे हुए थे अगर उनमें से कोई सिलेंडर आग पकड़ लेता और फट जाता तो भारी तबाही हो सकती थी। समाचार लिखे जाने कि किसी कार्रवाई की सूचना नहीं मिली थी।

एडीएचआर की महिला इकाई की नई जिला कमेटी का सर्वसम्मति से हुआ चुनाव

सोनल जिलाध्यक्ष, पूजा सचिव व शालिनी कोषाध्यक्ष चुनीं

» मदरलैंड संवाददाता

हाथरस।एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स की महिला ईकाई का चुनाव वर्तमान जिलाध्यक्ष वर्षा वार्ष्णेय की अध्यक्षता व राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन वार्ष्णेय, राष्ट्रीय प्रवक्ता देवेन्द्र गोयल, जिलाध्यक्ष उपवेश कौशिक, जिला महासचिव शैलेन्द्र सांवलिया की देखरेख में सम्पन्न हुआ।वर्तमान जिलाध्यक्ष वर्षा वार्ष्णेय ने अपने कार्यकाल का व्यौरा प्रस्तुत किया और सभी ने कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की।।

वरिष्ठ पदाधिकारी कविता गोयल ने आगामी सत्र 2025-27 के जिलाध्यक्ष के लिए सोनल अग्रवाल,सचिव पूजा वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष शालिनी अग्रवाल(राया वाले) के नाम का प्रस्ताव रखा। सभी ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की और वर्तमान जिलाध्यक्ष वर्षा वार्ष्णेय ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को दुपट्टा पहनाकर बधाई दी।

इस मौके पर राष्ट्रीय व जिले के पदाधिकारियों ने कहा कि महिलाओं के अधिकार और कार्य विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भूमिका और योगदान को दशार्ते है। नवनिर्वाचित कमेटी आगामी वर्षो मे महिला सशक्तिकरण, उत्थान एवं जागरूकता के लिए उत्कृष्ट कार्य करेगी।

पुलिस कप्तान ने पुलिस लाइन व भर्ती प्रक्रिया का किया निरीक्षण

» मदरलैंड संवाददाता

हाथरस। पुलिस अधीक्षक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन स्थित महिला परामर्श केंद्र,थाना साइबर क्राइम,आगंतुक कक्ष,थाना एएचटीयू,निमार्णाधीन क्रेंच आदि का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन स्थित महिला परामर्श केंद्र,थानासाइबरक्राइम,थानाएएचटीयू, आगंतुक कक्ष, निमार्णाधीन क्रेंच आदि का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा के आधार पर चयन प्रक्रिया के अगले चरण में अभ्यार्थियो के चिकित्सा परीक्षण व चरित्र सत्यापन प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत रिजर्व पुलिस लाईन स्थित परीक्षण केंद्र का भ्रमण व निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा मेडिकल व चरित्र सत्यापन प्रक्रिया के निरीक्षण के दौरान गठित टीम के अधिकारी व कर्मचारीगण को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी गाइड्लाइन से अवगत कराते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

जायन्ट्स गूंज ने दिव्यांग,मूक,बधिरों को दी राहत समिग्री

» मदरलैंड संवाददाता

हाथरस। दिव्यांग रावत सेवा समिति के उन मूक बधिर बच्चों के लिए सेवा की श्रृंखला में जायंट्स ग्रुप ऑफ हाथरस गूंज द्वारा 50 किलो चावल,20 किलो आटा,10 किलो चीनी, 5 किलो सोयाबीन की बरियां आदि खाद्य सामग्री रावत सेवा समिति को प्रदान की गई। ताकि उनका शारीरिक और मानसिक विकास सही पोषण के साथ हो सके।।

संवेदना ने जब हाथ बढ़ाया,
मौन ने भी आभार जताया,
शब्द नहीं थे,फिर भी कह दिया,
राशन नहीं यह तो सम्मान दिया।

इसके साथ -साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ मिलकर पौधे लगाए, जिससे बच्चों को वृक्षारोपण के महत्व के बारे में जानकारी सांकेतिक भाषा के द्वारा दी गई और समझाया पेड़ पौधे पर्यावरण के लिए ही नहीं पृथ्वी पर जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।यह कार्यक्रम आईपीपी दीप्ति वार्ष्णेय के मार्गदर्शन में हुआ। जिसमें सचिव सीमा शर्मा,उपाध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय,रागिनी वार्ष्णेय, प्रियांशी वार्ष्णेय आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।

ऑपरेशन सिंदूर कर भारतीय सेना ने किया महिलाओं का सम्मान, ऑपरेशन जारी रखने का किया आहवान

» मदरलैंड संवाददाता

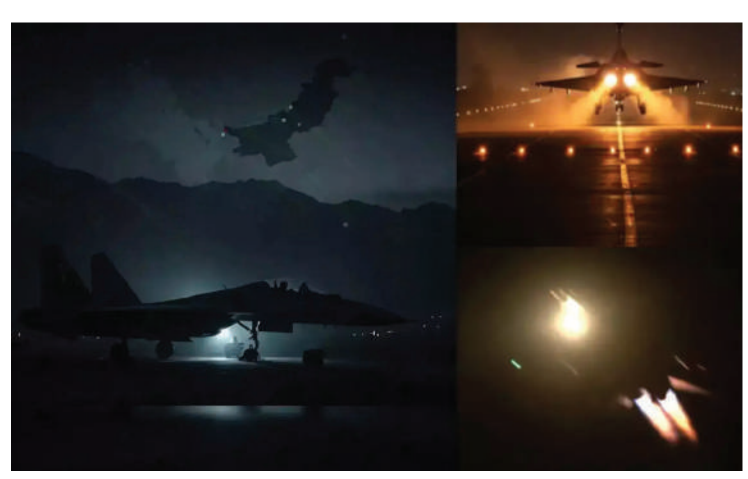

नूंह। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए नरसंहार का बदला ऑपरेशन सिंदूर से लेने पर महिलाओं ने भारतीय सेना की जमकर प्रशंसा की है। उनकी माने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले जिसमें 26 पर्यटकों को आतंकियों ने मार दिया था और उनकी विधवाओं के मिटे सिंदूर के नाम पर ही ऑपरेशन सिंदूर करके भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में दहशतगर्दों के नौ ठिकानों पर सटीक एयर स्ट्राइक से मुंहतोड़ जवाब देकर करीब 90 आतंकियों को मौत के घाट उतारने से महिलाओं के सिंदूर की शक्ति को बढना है और इससे महिलाएं भी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रही है। इसके अलावा सरकार द्वारा ऐयर स्ट्राइक के बाद दो महिला आर्मी अफसरों विंग कमाण्डर व्योमिका सिंह एवं कर्नल सोफिया कुरैशी द्वारा पत्रकारवार्ता करते हुए दिखाकर भी महिलाओं का सम्मान बढ़ाते हुए यह मैसेज दिया है कि महिलाएं किसी से कम नही हैं और महिलाओं का मिटे सिंदूर का बदला ऑपरेशन सिंदूर से लिया जा रहा है और यह मिशन आगे जारी होना चाहिए। विहिप महिला नेत्री नेहा सिंह, गृहणी पिंकी सक्सेना फरीदाबाद, सुनीता देवी सोहना, रेखा माथुर, पूर्व नूंह नपा उपाध्यक्ष कृष्णा कश्यप ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए नरसंहार का बदला ऑपरेशन सिंदूर से लेने पर महिलाओं का सम्मान बढाया है और सरकार को अभी यह ऑपरेशन सिंदूर खत्म नही करना चाहिए क्योकि पाकिस्तान ने लगातार फायरिंग से कई भारतीय नागरिकों एवं सेनिकों को शहीद कर दिया हैं इसके लिए ऑपरेशन को और बढ़ाना चाहिए।

गाडियों के शीशों पर ब्लैक फिल्म या जाली लगाई तो होगी कार्यवाई - पुलिस अधीक्षक नूंह

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने वाहन चालकों को संदेश देते हुए कहा है कि गाड़ीयों के काले शीशे करवाना या उस पर किसी तरह की जाली लगाना यातायात के नियमों का उल्लंघन है और साथ ही गैरकानूनी भी है। ट्रैफिक नियमों के अनुसार कार के शीशों पर जीरो विजिवलटी वाली ब्लैक फिल्म लगाने पर 10 हजार रुपए के चालान करने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति अपनी गाड़ी के शीशों में काली फिल्म नहीं लगा सकता। काला शीशा लगे वाहन के अंदर कौन है इसका पता न तो पुलिस को चल पाता है और न ही जनता को, काले शीशा लगे वाहनों का उपयोग अक्सर आपराधिक गतिविधियों के लिए होता आया है तथा इस प्रकार की गाडियों से हत्या, अपहरण जैसी अन्य वारदातों को भी अंजाम दिया जा सकता है। आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोग अपनी पहचान छिपाने के लिए ऐसे वाहनों का उपयोग करते हैं। इसलिये ब्लैक फिल्म या जाली वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। जिला नूंह में ट्रैफिक पुलिस के साथ-साथ संबंधित थाना पुलिस भी ऐसे वाहनों पर कार्रवाई करेगा।

ब्लैकआउट में लोगो ने लगाए देश भक्ति के नारे: लाइटें की बंद

» मदरलैंड संवाददाता

हाथरस। बुधवार की रात्रि को 5 मिनट का ब्लैकआउट रहा। ब्लैक आउट रात्रि 8 बजे से 8:05 बजे तक चला। ब्लैक आउट के चलते पुलिस ने जनपद की पूरी विद्युत सप्लाई को बंद करा दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर देश के 244 जिलों में नागरिक सुरक्षा की तैयारियों को मजबूत करने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी राहुल पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिंन्हा के निर्देश पर बुधवार की रात्रि को ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। रात्रि 8 बजे से 8:05 बजे तक चले ब्लैक आउट में लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानो की समस्त लाइट्स बंद रखी। अधिकारियों ने लोगों से राष्ट्रहित में ब्लैकआउट में सहयोग करने की अपील की। इस दौरान लोगों ने हिंदुस्तान जिंदाबाद और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए।

प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र पर हुआ बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

» मदरलैंड संवाददाता

हाथरस। विकास खण्ड मुरसान के गांव डेंगरा स्थित प्राथमिक विद्यालय व आंगनवाड़ी केंद्र पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुरसान की टीम द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।।

चिकित्सकों द्वारा बच्चों की लंबाई और वजन की माप की गई। साथ ही बच्चों के आंख, नाक, गला, कान आदि की बीमारियों की जांच की गई और जरूरतमंद बच्चों को दवा भी दी गई। डॉ. सौरभ उपाध्याय ने गर्मी के कारण होने वाली बीमारियों से बच्चों को बचाव के सुझाव दिए।इस अवसर पर प्रधानाध्यापक विनेश कुमार, पिंकी शर्मा, सौरवेंद्र, फरहीन, रीमा भारती, सुनीता कुमारी, आंगनवाड़ी भगवान श्री, मुन्नी देवी आदि उपस्थित थे।

खाद्य टीम की छापेमारी: कोल्ड ड्रिंक, दूध, दाल के भरे सैम्पल

सड़े, गले, कटे फलों को कराया नष्ट

» मदरलैंड संवाददाता

हाथरस। शासन के आदेश व जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा सहायक आयुक्त खाद्य 2 रणधीर सिंह के निर्देशन और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में जनपद में बढ़ती गर्मी के मौसम में विभिन्न पेयजल व कोल्ड ड्रिंक की जांच हेतु लगातार निरीक्षण व नमूना संग्रह की कार्यवाही कर रहा है इसी क्रम में आज खाद्य टीम द्वारा शहर के जलेसर रोड स्थित श्रीजी कोल्ड ड्रिंक के यहां निरीक्षण कार्यवाही की गई। मौके पर बिक्री हेतु रखे थम्सअप, स्प्राइट एवं किनले सोड़ा का नमूना मिलावट के संदेह के आधार पर जांच हेतु लिया गया। मुरसान रोड के पास ओढपुरा पर दीपक की फल की दुकान का निरीक्षण किया गया। मौके पर सड़े गले, कटे फटे फल मात्रा लगभग 10 किलो मौसमी, 10 किलो आम, 5 किलो अन्नानास एवं 5 किलो पपीता को विक्रेता को चेतावनी देते हुए उसकी सहमति से नष्ट कर दिया गया।मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता ने बताया कि अग्रिम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कार्यवाही की जाएगी ' कार्यवाही लगातार जारी रहेगी ' खाद्य सुरक्षा अधिकारी यदुवीर सिंह , डॉ. विकास कुमार व ओमकार कुशवाहा द्वारा नमूना संग्रह की कार्यवाही की गई '

संक्षिप्त समाचार

किस्त न मिलने से अधर में लटके 187 आवास

मदरलैंड संवाददाता, भगवानपुर। नगर पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीबों को मिलने वाले 187 आवासों की किस्त नही मिलने के कारण इनका कार्य अधर मे लटका हुआ है। बकाया धनराशि की मांग को लेकर लाभार्थी नगर पंचायत के चक्कर काटने को विवश है। लाभार्थियों की मांग पर नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी ने शासन को पत्र भेजकर अधर मे लटके आवासों को पुरा करने के लिए लगभग डेढ करोड़ रुपये की धन राशि देने की मांग की है। भगवानपुर नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि पूर्व मे प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नगर पंचायत के नौ वार्डों में जीवन ज्ञापन करने वाले गरीब परिवारों को 647 मकान दिए गए थे। इनमें से 460 गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का पैसा दिया जा चुका है, जिन्होंने अपने मकानों का निर्माण कार्य पुरा कर दिया है। 187 गरीब लाभार्थियों को मकानों की किस्तें नही मिली है, जिससे गरीब लोगों के मकान का कार्य अधर मे लटका हुआ है। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि अधुरे पड़े मकानों की किस्तों को लेकर लाभार्थियों की ओर से लगातार मांग की जा रही है। लाभार्थियों की मांग पर उनके द्वारा शासन को पत्र भेजकर अधुरे पड़े मकानों की लगभग डेढ करोड़ रुपये की धन राशि भेजने की मांग की गई है।

शोध छात्रा से यौन उत्पीड़न का आरोपित प्रोफेसर बर्खास्त

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। आईआईटी, रुड़की से पीएचडी कर रही छात्रा से यौन उत्पीड़न के मामले में आखिरकार संस्थान ने वरिष्ठ प्रोफेसर पर कार्रवाई कर दी है। आईआईटी, रुड़की ने छात्रा से यौन उत्पीड़न के आरोपित प्रोफेसर को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। बता दें कि आईआईटी, रुड़की की एक शोध छात्रा ने जनवरी में अपने सीनियर प्रोफेसर जिलुर रहमान के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे, जिसके लिए आईआईटी की ओर से एक आंतरिक जांच पैनल का गठन किया गया था। पैनल द्वारा दोषी पाए जाने के बाद अब संस्थान द्वारा प्रोफेसर जिलुर रहमान को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। आईआईटी से जारी बयान के अनुसार प्रोफेसर के अधीन वर्तमान में 15 से ज्यादा शोधार्थी पीएचडी कर रहे थे। जिलुर रहमान आईआईटी के वरिष्ठ प्रोफेसर में से एक थे। पूर्व में अग्रणी संस्थान में प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रमुख भी रहे थे। आईआईटी रुड़की ने मंगलवार शाम जारी बयान में कहा कि संस्थान के एक संकाय सदस्य को उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही पूरी होने के बाद सेवा से बर्खास्त किया गया है। आईआईटी रुड़की पेशेवर नैतिकता और संस्थागत अखंडता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान के इतिहास में ऐसी घटना पहली बार हुई है।

बीएसएम. पीजी, कॉलेज में मनाया गया रेडक्रॉस स्थापना दिवस

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। बीएसएम पीजी कॉलेज, रुड़की में यूथ इकाई द्वारा सर हेनरी ड्यूनेंट के जन्म दिवस के उपलक्ष में रेडक्रॉस स्थापना दिवस मनाया गया। यूथ रेडक्रॉस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अर्चना त्यागी ने स्वयंसेवकों को सर हेनरी के आदर्शों एवं सिद्धांतों के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य मेजर प्रो. गौतम वीर ने सर हेनरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान यूथ रेडक्रॉस सदस्य डॉ. सीमा गुप्ता एवं डॉ. राजेश चन्द्र पालीवाल भी उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों द्वारा रेडक्रॉस गीत गाया गया तथा रेडक्रॉस के आदर्शों पर पोस्टर लगाये गये। डॉ. त्यागी ने रेडक्रॉस के इतिहास एवं सिद्धांतों की सामान्य जानकारी स्वयंसेवकों को दी। साथ ही महाविद्यालय में 2024-25 के अंतर्गत हुई नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगता, स्वच्छता अभियान एवं अन्य गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य मेजर प्रो. गौतम वीर ने की। उन्होंने कहा कि सभी रेडक्रॉस स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं को रेडक्रॉस के आदर्शों को जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन यूथ रेडक्रॉस इकाई की संयोजक डॉ. अर्चना डी. त्यागी, सह संचालक डॉ. राजेश चन्द्र पालीवाल एवं डॉ. सीमा गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. शिखा जैन, डॉ. रीमा सिन्हा, डॉ. सुनीता कुमारी, डॉ. इंदु अरोड़ा, डॉ. अलका तोमर, डॉ. सुरजीत सिंह, डॉ. संदीप पोसवाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 60 छात्र-छात्राओं व स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। बीएसएम शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष मनोहर लाल शर्मा ने कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए अपनी शुभकामनायें दी। संस्थान के निदेशक रजनीश शर्मा ने स्वयंसेवकों ने रेडक्रॉस के सिद्धांतों की राह पर चलने की प्रेरणा दी।

पति विदेश में, पत्नी प्रेमी संग हो रही थी फुर्र, मां ने पकड़कर धुना

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। बेटी को उसके प्रेमी के देख एक महिला आपा खो बैठी। महिला ने ने अपनी बेटी के प्रेमी की जमकर धुनाई कर डाली। वहीं बेटी प्रेमी के साथ जाने की जिद्द पर अड़ी रही। मां की तमाम मान-मनौव्वल के बाद बेटी उसके साथ जाने को राजी नहीं हुई। पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार ब्रहस्पतिवार को सोत मोहल्ला निवासी एक युवती अपने प्रेमी के साथ घर से भागकर रोड़वेज के सामने स्थित तहसील में पहुंच गई। यहां युवती और उसका प्रेमी एक अधिवक्ता के चैंबर में पहुंच गए। इसी दौरान युवती की मां भी वहां पहुंच गई। बेटी को उसके प्रेमी देख महिला का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। महिला ने चप्पल निकालकर बेटी के प्रेमी की पीटना शुरू कर दिया। इससे मौके पर भीड़ जमा हो गई। युवक को पीटते हुए महिला बाहर सड़क तक ले आई। उधर युवती प्रेमी को बचाने के प्रयास में बनी रही। महिला ने बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी करीब चार साल पहले देवबंद में की थी। उसका दामाद विदेश में नौकरी करता है। महिला के अनुसार उसकी बेटी फिलहाल मायके में रह रही है। बुधवार रात कलियर निवासी युवक घर पर पहुंच गया। उन्होंने युवक को रोका तो आरोपित ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपित उसकी बेटी को भी आज सुबह घर से ले आया। मामले की शिकायत लेकर पहले वह कोतवाली पहुंची। जहां से अब तहरीर लिखवाने कचहरी आई थी। इसी दौरान युवक और युवती भी कचहरी आ गए। उधर युवती और युवक के अनुसार उन दोनों ने करीब सात माह पहले कोर्ट मैरिज कर ली है और अब वह अपने प्रेमी के साथ ही रहेगी। हंगामे के बीच तहसील पर चेकिंग कर रहे सीपीयू के जवान दोनों पक्षों को सीओ कार्यालय ले आए। जहां से दोनों पक्षों को कोतवाली भेज दिया गया। इस संबंध में सीओ नरेंद्र पंत का कहना है कि दोनों पक्षों का पारिवारिक मामला है। दोनों पक्षों को कोतवाली भिजवाया गया है। मामले में तहरीर आती है तो नियमानुसार कारवाई की जाएगी।

रक्तदान को लेकर जुटे युवा, 34 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। इनर व्हील क्लब और शहीद भगत सिंह ब्रिगेड वेलफेयर सोसायटी, रुड़की द्वारा ब्रहस्पतिवार को सिविल अस्पताल, रुड़की में संयुक्त रूप से रक्त दान शिविर लगाया गया। इसमें 34 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि एसपी देहात शेखर चंद सुयाल ने शिविर का शुभारंभ किया। उन्होने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए सभी को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इनरव्हील क्लब की चेयरमैन सुजाता आहूजा ने क्लब के कार्यों पर प्रकाश डाला।

राजकीय महाविद्यालय में मना वार्षिकोत्सव, पुरस्कार वितरित किए

» मदरलैंड संवाददाता

देहरादून। गुलाब सिंह राजकीय महाविद्यालय, चकराता में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. आशुतोष शरण ने सभी अतिथियों स्वागत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने क्षेत्रीय विकास में महाविद्यालय की भूमिका, छात्रों को दी जा रही सुविधाओं तथा आगामी योजनाओं की जानकारी भी साझा की। समारोह में विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण विधायक प्रीतम सिंह एवं प्राचार्य प्रो. आशुतोष शरण द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अपने संबोधन में विधायक प्रीतम सिंह ने संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए गुलाब सिंह द्वारा जौनसार क्षेत्र को जनजातीय क्षेत्र घोषित किए जाने की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। बताया कि किस प्रकार बाबा साहेब द्वारा संविधान में दी गई आरक्षण नीति के चलते क्षेत्रीय शिक्षा, स्वावलंबन एवं सामाजिक जागरूकता को नई दिशा मिली। उन्होंने स्व. गुलाब सिंह के योगदान को भी नमन करते हुए उनके दूरदर्शी प्रयासों को स्मरण किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवेश कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि छात्रों को मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति व शैक्षणिक भ्रमण से योजनाओं का लाभ मिल रहा है। विधायक डॉ. शैलजा रावत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय की छात्र संख्या व विकास के आंकड़े प्रस्तुत किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों को प्रेरणा प्रदान की, बल्कि पूरे चकराता क्षेत्र के लिए शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक प्रगति का उत्सव भी बन गया।

समाजसेवी पूजा गुप्ता ने किया प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। डिवाइन स्कूल द्वारा मंगलवार को वार्षिकोत्सव मनाया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी पूर्व मेयर प्रत्याशी पूजा गुप्ता ने स्कूल के होनहार व प्रतिभावान छात्रों को प्रशस्ति-पत्र वितरित करते हुए सम्मानित किया। समाजसेवी पूजा गुप्ता ने कहा कि टीचर्स की मेहनत तथा बच्चों की लगन के परिणाम स्वरूप आज स्कूली बच्चों का जो बेहतर परिक्षा परिणाम आया है वह सराहनीय है। उन्होंने बच्चों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज जितनी खुशी इन बच्चों, टीचर्स और अभिभावकों को हो रही है उतनी ही प्रसन्नता का अनुभव उन्हें भी हो रहा है। उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वह इसी तरह पढ़े और आगे बढ़ें। स्कूल के प्रबंधक सुधीर शर्मा ने बताया कि स्कूल में जहां बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जा रही है। वहीं उन्हें अच्छे संस्कारों के साथ-साथ खेलकूद, कंप्यूटर, नृत्य संगीत आदि में भी बच्चों की प्रतिभा को निखारा जा रहा है। इस अवसर पर

प्रधानाचार्य संगीता गौतम, अमित राजपूत, सतीश मेहता, चंचल वाधवा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पूजा गुप्ता द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान बच्चों द्वारा विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसने सभी का मन मोह लिया।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने किया छात्रावास भवन का शिलान्यास

महिलाओं को वितरित की महालक्ष्मी, किशोरी किट

» मदरलैंड संवाददाता

भगवानपुर। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने निर्मया फण्ड योजना के अंतर्गत ब्रहस्पतिवार को भगवानपुर मे कार्यशील महिलाओं हेतू छात्रावास भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही महिलाओं को सभी योजनाओं का लाभ उठाए जाने के लिए भी प्रेरित किया। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने बताया कि यह भवन 279.5 लाख रुपये की कीमत से 750 वर्ग मीटर क्षेत्र फल भूमि पर निर्मित किया जाएगा, जिसमें रहकर महिलाएं तैयारी कर सकेगीं। कहा कि भविष्य में यह महिलाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम के दौरान मंत्री रेखा आर्य ने महालक्ष्मी किट और किशोरी किट का भी वितरण किया। साथ ही परिसर में पौधा रोपण कर महिलाओं को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक और प्रेरित किया। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि छात्रावास स्थानीय कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित और सुलभ आवास मुहैया कराएगा, जिसका भविष्य में महिलाओं को भी लाभ पहुंचेगा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों को मौत के घाट उतारने वाले आतंकियो भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत उन्ही की भाषा में करारा जवाब दिया है। महिलाओं की मांग का सिंदूर उजाडने वाले आतंकियो की मौत पर आज पूरा भारत जश्न मना रहा है। कहा कि यह परिवारों को सरकार की ओर से सांत्वना दी गई है जिन्होने पहलगाम हमले में अपनों को खोया था। वह इसके लिए मोदी सरकार और भारतीय सेना की सराहना करती है। इस अवसर पर विधायक ममता राकेश, श्यामवीर सैनी आदि भी उपस्थित रहे।

राज्य सभा सांसद ने किया मेधावी छात्रा वर्णिका को सम्मानित

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। उत्तराखंड बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा में राज्य स्तर पर सातवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रौशन करने वाली कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज, गणेशपुर की मेधावी छात्रा वर्णिका आर्य के सम्मान में ब्रहस्पतिवार को विद्यालय प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने मेधावी छात्रा वर्णिका को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि छात्राओं की इस प्रकार की उपलब्धियां न केवल समाज में सकारात्मक बदलाव लाती हैं, बल्कि यह बेटियों के प्रति सोच को भी सशक्त करती हैं। वर्णिका जैसी छात्राएं राष्ट्र की नई दिशा तय करेंगी। मेयर अनीता अग्रवाल ने वर्णिका की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सफलता केवल एक छात्रा की नहीं, बल्कि समस्त क्षेत्र की है। विद्यालय की शिक्षण परंपरा व गुणवत्ता ने इसे संभव बनाया है। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सामाजिक सहयोग की आवश्यकता है। कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुंदरलाल प्रजापति ने अपने वक्तव्य में विद्यालय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु वातावरण प्रदान करना है। वर्णिका आर्य उसकी उत्तम उदाहरण हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या सरिता देवी ने बताया कि वर्णिका आर्य प्रारंभ से ही अध्ययनशील, अनुशासित और प्रेरणादायी छात्रा रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्णिका की इस सफलता में परिवार, शिक्षकों और विद्यालय के सामूहिक प्रयास शामिल हैं। विद्यालय भविष्य में भी ऐसी प्रतिभाओं को आगे लाने हेतु प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भाजपा नेता ललित मोहन अग्रवाल, सतेंद्र तोमर, भाजपा जिला महामंत्री अरविंद गौतम, राजकुमार उपाध्याय, पंकज नंदा, रेलवे बोर्ड सदस्य पूजा नंदा, सतीश कौशिक, प्रमोद चैधरी, धर्मवीर शर्मा, कदम सिंह, पूर्व तहसीलदार ऋषिपाल सिंह चैहान, पूर्व नायब तहसीलदार अरविंद कंबोज, पूर्व चेयरमैन दिनेश कौशिक, विवेक चैधरी, सत्येंद्र नाथ गोयल, राजेश सैनी, ज्ञानचंद पवार, अविनाश शर्मा, महेंद्र पाल, योगेंद्र चैधरी, चैधरी बालेश, कटार सिंह, अनुराग त्यागी, नाथीराम, विजय लक्ष्मी, शालिनी गुप्ता, प्रतिभा सिंह पूर्व प्रधानाचार्य, संतोष अरोड़ा, सुदेश आहूजा, पुष्पा रानी, चंद्रप्रभा गुलरिया, मगन सिंह, विमलेश आर्य, शेफाली शर्मा, पूनम वर्मा, बबीता शिवाज, पूजा, प्रीति, मीनाक्षी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका शालिनी गुप्ता ने किया। विद्यालय संस्थापक सदस्य सतेंद्र तोमर ने अतिथियों का धन्यवाद जताया।

बीएसएम कॉलेज में किया नशा न करने के प्रति जागरूक

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। बीएसएम पीजी कॉलेज, रुड़की में एंटी ड्रग सेल समिति द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत युवाओं में बढ़ती नशाखोरी समस्या और समाधान विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. संजय धीमान, अर्थशास्त्र विभाग ने बताया कि युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है। नशा करने के पीछे कई कारण है, तनाव, अवसाद, अकेलापन और असफलता के कारण लोग नशे की ओर आकर्षित होते हैं। दूसरी ओर रिश्तो से जुड़ी समस्याओं और बेरोजगारी के कारण भी युवा तनाव में आने से नशे का सहारा लेते हैं। कभी-कभी दोस्तों के प्रभाव में आकर भी नशा करने लगते हैं। नशे की समस्या राष्ट्र की प्रगति और विकास को भी बाधित करती है। इसका समाधान केवल कानून बनाकर या सजा देकर संभव नहीं है। इसके लिए समाज को एकजुट होकर काम करना होगा। प्राचार्य एवं एनसीसी अधिकारी मेजर प्रोफेसर गौतम वीर ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे देश को कमजोर करता है। परिवारों को चाहिए कि वह बच्चों के साथ संवाद करें और उनकी समस्याओं को समझें। बच्चों को सकारात्मक माहौल दें, ताकि वे किसी भी तनाव या दबाव में न आए। नशा मुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा, जब हर नागरिक न केवल स्वयं नशे से दूर रहे बल्कि दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों से अवगत कराए। एंटी ड्रग सेल की नोडल अधिकारी डॉ. अलका तोमर ने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के अपने जीवन को खराब करती है और उसके आसपास के लोगों के जीवन को भी काफी हद तक प्रभावित करती है। राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. राजेश पालीवाल ने कहा कि नशे की लत विद्यार्थियों को बर्बाद करती जा रही है। इसके कारण उनके अंदर की नैतिकता भी लुप्त हो रही है। एंटी ड्रग सेल समिति सदस्य डॉ. सुरजीत सिंह ने भी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कहा कि हम सभी को नशा मुक्त समाज की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। कार्यशाला में कुछ छात्र-छात्राओं ने भी नशा मुक्ति पर अपने विचार रखें। कहा कि वे नशे के हानिकारक प्रभाव की वीडियो बनाकर लोगों में नशे के प्रति जागरूकता फैलाएंगे और नशा मुक्त होने के लिए उन्हें प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. शिखा जैन, डॉ. रीमा सिन्हा, डॉ. इंदु अरोड़ा, डॉ सीमा गुप्ता, डॉ. अर्चना त्यागी, डॉ. संदीप पोसवाल, डॉ. सचिन कुमार, डॉ. सौरभ चैधरी, अभय कुमार, मनीष कुमार आदि उपस्थित रहे। सेमिनार को सफल बनाने में शीतल, अबरार, शादाब, मो. रफी, शहगुल, अंशु, दिशा, मंतशा, राही, सचिन, दीपांशु, साहिल, कमरेज, अंकुश पटेल आदि छात्र छात्राओं का सहयोग रहा। कार्यक्रम में गुलरेज ताजीम, सुम्बुल चैधरी, पूजा, जन्नत, भावना, साक्षी, दिशा, नेहा, आरती, शक्ति सिंह, तनु धीमान आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर से झूमा शहर देहात, हर किसी ने जताई खुशी

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। पहलगाम हमले के तेरह दिन बाद भारत की ओर से पाकिस्तान में आतंकियो के ठिकानों पर की गई जबरदस्त कार्रवाई से पूरा देश झूम उठा है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर शहर देहात में जश्न का माहौल बना रहा। हर किसी के चेहरे पर भारतीय सेना द्वारा की कार्रवाई को लेकर खुशी दिखी। लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए भारतीय सेना की भी प्रशंसा की। बीएसआई में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सचिव चंद्रभूषण शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम हमले पर बदले को लेकर जो वादा किया था उसे पूरा कर दिखाया है। पहलगांव में पर्यटकों को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों और उनके आका पाकिस्तान को भारत ने मिसाई अटैक कर उसकी ही भाषा में जवाब दे दिया है। संस्थान के कोषाध्यक्ष सौरभ भूषण शर्मा ने कहा कि हर पहलगांव में आतंकवादी घटना के भारत सरकार ने थोड़ा समय जरूर लगाया, लेकिन बदला ऐसा लिया कि अब भारत देश के इतिहास में आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर गौरव भूषण शर्मा ने कहा कि आज का दिन भारत देश के लिए गौरव का दिन है। प्रत्येक भारतीय पाकिस्तान में आतंकियो के ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई से खुशी में बना है। संस्थान के डीन दिवाकर जैन ने कहा कि आतंकवादियों के ठिकानों पर जिस तरह की कार्यवाही भारतीय सेना द्वारा की गई है उसे हर भारतीय नागरिक में उत्साह का माहौल है। हम सब एक जुट होकर अपनी सरकार के साथ खड़े हैं। संस्थान के प्राचार्य शहजेब आलम ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले से हर भारतीय नागरिक दुख में था और अब भारतीय सेना की कार्रवाई से हर भारतीय नागरिक खुश है। कंधे से कंधा मिलाकर सभी सेना और सरकार के साथ खड़े है। कहा कि संपूर्ण समाज को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़नी है। इस अवसर पर ममता डोगरा, दीक्षा शर्मा, विशाल सैनी, डॉ. अनु, शाहीन, जहांगीर, रविंदर, प्रवीण कुमार, शबनम, सुनील चैधरी, सुधीर सैनी, जितेंद्र, रुचि, आशना, आयुषी आदि उपस्थित रहे।

टीचर्स एसोसिएशन ने किया ऑनलाइन चैक-इन का बहिष्कार

» मदरलैंड संवाददाता

रुडकी। स्विफ्ट चैट पर शिक्षक उपस्थिति के लिए प्रतिदिन ऑनलाइन चैक-इन और लोकेशन साझा करने का उत्तराखंड स्टेट प्राईमरी टीचर्स एसोसिएशन, हरिद्वार ने बहिष्कार का ऐलान कर दिया हैं। संगठन के जिला महामंत्री जितेन्द्र कुमार चैधरी ने इस बाबत जिला शिक्षाधिकारी को पत्र भी प्रेषित किया है। इससे पूर्व भी जिला संगठन ने अपने पत्र को डीईओ बेसिक के माध्यम से निदेशक, देहरादून को स्विफ्ट चैट पर शिक्षक उपस्थिति के लिए प्रतिदिन ऑनलाइन चैक-इन और लोकेशन साझा करने के विरूद्ध में ज्ञापन प्रेषित किया था। जिला महामंत्री जितेन्द्र कुमार चैधरी ने प्रेषित पत्र में कहा हैं कि स्विफ्ट चैट एप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति लोकेशन के साथ चेक-इन का नया फीचर जोडते हुए विद्यालय के शिक्षकों की सत्यनिष्ठा पर संदेह कर पूरे शिक्षक समाज को हतोत्साहित किया हैं। इस व्यवस्था से शिक्षकों में भारी रोष है। संगठन ने मांग की हैं कि जब तक प्रत्येक शिक्षक को स्मार्ट फोन, सिम, मासिक डाटा रिचार्ज की सुविधा विभाग द्वारा उपलब्ध नही कराई जाती है तब तक उत्तरांचल स्टेट प्राईमरी टीचर्स एसोसिएशन, हरिद्वार का कोई भी सदस्य शिक्षक सेल्फ चेक इन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज नही करेगा। उत्तरांचल स्टेट प्राईमरी टीचर्स एसोसिएसन के सदस्य शिक्षकों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि ऑनलाइन उपस्थिति न लगाने पर अगर जनपद के किसी भी शिक्षक पर विभाग द्वारा कोई कार्यवाही की गयी तो जिला संगठन धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा। चैक इन उपस्थिति से शिक्षकों पर भरोसे का संकट मंडराने की वजह से यह प्रकरण धीरे-धीरे विकराल रूप धारण करता जा रहा हैं। शिक्षक नेताओं का मत हैं कि शासकीय व्यवस्था में अनुशासन और पारदर्शिता निःसंदेह आवश्यक हैं, किंतु जब यह व्यवस्थाएं अपनी मूल भावना को छोड़कर केवल संदेह और नियंत्रण के औजार बन जाएं तो यह चिंता का विषय बन जाता है। तकनीकी व्यवस्था थोपना शिक्षकों के उस योगदान की उपेक्षा करता है जो वे कक्षा से बाहर विद्यालयों की व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामुदायिक सहयोग, और आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों में देते हैं। शिक्षक एक प्रेरणा-पुरुष होता है न कि लोकेशन ट्रैस करने वाला प्राणी।

शारीरिक, मानसिक कल्याण स्वास्थय बेहद जरूरी: गुप्ता

» मदरलैंड संवाददाता

खानपुर। नेशनल कन्या इंटर कालेज खानपुर के प्रबन्धक डॉ. घनश्याम गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य एवं कल्याण व्यक्तिगत, सामुदायिक, राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तरों पर सार्वभौमिक लक्ष्य हैं। विद्यालय स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को सम्बोधित करते हुए डॉ. गुप्ता ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वास्थ्य को केवल रोग की अनुपस्थिति न समझ कर सम्पूर्ण शारीरिक, मानसिक कल्याण की अवस्था के रूप से जुड़ा हुआ हैं। कालेज प्रधानाचार्य बलराम गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य सभी के लिए एक महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं। बच्चों एवं किशोरों के स्वास्थ्य तथा कल्याण में निवेश विशेष रूप से फायदेमंद हैं। कार्यक्रम एम्बेसडर मीनाक्षी ने बताया कि विद्यालय स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की एक संयुक्त पहल के रूप में यह कार्यक्रम विद्यालय जाने वाले बच्चों एवं किशोरों को सूचना, मनोवैज्ञानिक सहारा एवं सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए बना है। कार्यक्रम के प्रथम मोडयूल के अंतर्गत बालिकाओं को बताया गया कि किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक परिवर्तन के बारे में समझ कैसे विकसित की जाय। ग्रोविंग अप हेल्दी शीर्षक पर भावना, आंचल, परी, अंशुराज, पारूल, ईशा, रितिका, हिमांशी, तन्नू, समीक्षा, करीना, खुशबू, दीपा ने पोस्टर बनाए। ईशा व रितिका ने अपने-अपने विचार रखें। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक-अध्यापिकाऐं एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

सैनी कांवड़ सेवा समिति 14 जुलाई से लगाएगी सेवा शिविर, भंडारा

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। सैनी कांवड़ सेवा समिति ने ब्रहस्पतिवार को बैठक कर प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों के लिए भव्य सेवा शिविर और भंडारे के आयोजन का निर्णय लिया। सैनी पूरम शेरपुर स्थित समिति कार्यालय पर आयोजित बैठक में आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। निर्णय लिया गया कि भंडारे का आयोजन इस वर्ष भी ढंडेरी गांव के निकट हरिद्वार-दिल्ली बाईपास मार्ग पर किया जाएगा। 14 जुलाई से इसका शुभारंभ होगा। साथ ही शिवरात्रि से एक दिन पूर्व तक शिविर और भंडारा चलेगा। सेवा शिविर में कांवड़ यात्रियों को ह्लप्राथमिक स्वास्थ्य जांच एवं उपचार, सुबह, दोपहर, शाम, रात्रि निरंतर भोजन, फल-प्रसाद, पेयजल, स्नान, विश्राम, शौचालय एवं छाया की समुचित व्यवस्था निशुल्क प्रदान की जायेगी। बैठक का संचालन शिक्षक डॉ. नवीन सैनी ने किया। बैठक में मनोज सैनी द्वारा गत वर्ष की आय-व्यय का विवरण समिति की ओर से प्रस्तुत किया गया। इस दौरान कई सदस्यों ने अपने सुझाव और भावनाएं व्यक्त की। इसमें डॉ. नाथीराम सैनी ने सेवा को निरंतरता और निष्ठा से करने पर बल दिया। आलोक राज सैनी ने आयोजन में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने का सुझाव दिया। संजय सैनी ने कहा कि यह सेवा समिति की एकता और त्याग का प्रतीक है। श्यामवीर सैनी ने समिति को सामाजिक सौहार्द का उदाहरण बताया। उर्वी सैनी ने महिला सहभागिता पर बल देते हुए ह्यउकी टीमह्न की सक्रियता की सराहना की। रोमा सैनी ने पर्यावरण अनुकूल व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में देशबन्धु सैनी, शिक्षक सतीश सैनी, शिक्षक राजेन्द्र सैनी, प्रवीण सैनी,अशोक सैनी, संजय सैनी (क्वाड्रा), कुलदीप सैनी, चेयरमैन संजीव, सुभाष सैनी (छुटमलपुर) एवं उनकी

टीम, सौ सिंह सैनी, कुलदीप सैनी, सुभाष सैनी, वेद प्रकाश सैनी, सुनील सैनी, अशोक सैनी सतीश सैनी, प्रवीण सैनी, धर्मवीर सैनी आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

हांसी में 11 मई को होने वाली विकास रैली स्थगित , मुख्य मंत्री नहीं आएगें : विनोद भयाणा

मदरलैंड संवाददाता, हांसी। भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को ध्यान में रखते हुए, हरियाणा सरकार ने 11 मई 2025 को हांसी में आयोजित होने वाली विकास रैली को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विधायक विनोद भयाना ने बताया कि रैली को लेकर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के उपरांत निर्णय लिया गया कि वर्तमान संवेदनशील माहौल में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रैली को आगे बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि जैसे ही भारत-पाकिस्तान के बीच स्थिति सामान्य होगी, रैली के लिए नई तिथि निर्धारित की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह शीघ्र ही हांसी का दौरा करेंगे और क्षेत्र के विकास से संबंधित सभी योजनाओं को विस्तार से लोगों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

कैची चौक सैनी पूरा हत्या मामले में पांचवा आरोपी गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, हांसी। पुलिस अधीक्षक हांसी अमित यशवर्धन के दिशा-निर्देशानुसार जिला भर में अपराधों पर लगाम लगाते हुए स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने हत्या मामलें में आरोपी धर्मवीर उर्फ धोलू बच्ची पुत्र प्रहलाद निवासी ढाणी चदरपुल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 20.01.2025 की सांय कुलदीप उर्फ दीपला पुत्र रोहताश निवासी ढाणी चदरपुल को कुछ व्यक्तियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोपी ने हत्या के मुख्य आरोपियों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई थी। स्पेशल स्टाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस अभियोग में चार आरोपीयों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया।

डीपीएस चौहान पूर्व शिक्षा अधिकारी का मनाया गया जन्मदिन

मदरलैंड संवाददाता, कनीना। प्रमुख शिक्षाविद, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी, दक्षिणी हरियाणा में शिक्षा क्रांति के पुरोधा और महाराणा प्रताप कालेज के निदेशक डी.पी.एस. चौहान का जन्मदिन गांव धनौन्दा में मनाया। नम्बरदार राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में प्रजा भलाई संगठन के कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि डीपीएस. चौहान का इलाके में शिक्षा प्रचार और प्रसार में अहम योगदान है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी रहते हुए दक्षिणी हरियाणा में अनेक शिक्षण संस्थानों को स्थापित करने में मदद की। अब भी निरंतर शिक्षा प्रचार प्रसार में सहयोग दे रहे हैं। राजेन्द्र सिंह नम्बरदार ने कहा कि डीपीएस चौहान बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं। शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़ कर भाग लेते हैं। उनकी प्रेरणा से अनेक युवा उन्नति के शिखर पर पहुंचे हैं।

स्कूल में दिव्यांग बच्चों के लिए बांटे विशेष उपकरण

मदरलैंड संवाददाता, कनीना। राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना के प्राचार्य सुनील खुडानिया ने जिला परियोजना संयोजक नारनौल से प्राप्त दिव्यांग बच्चों के विशेष उपकरण वितरित किए। अमृत सिंह विशेष शिक्षक समावेशी शिक्षा कार्यक्रम हरियाणा ने बताया कि नारनौल जिला परियोजना संयोजक कार्यालय से चार दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष उपकरण प्राप्त हुए थे। जिसमें दो व्हीलचेयर, एक दृष्टि बाधित किट, एक ब्रेल किट थी विद्यालय प्राचार्य ने उन बच्चों और अभिभावकों को विशेष उपकरण आज विद्यालय में वितरित किए। विशेष उपकरण मिलने के उपरांत अभिभावक और बच्चे काफी खुश नजर आए। दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में जोडने के यह प्रयास सराहनीय साबित होगा। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों के अभिभावक सुधीर रामबास, शीशराम कोच खरकड़ावास, रवि प्रवक्ता अमृत सिंह विशेष शिक्षक आदि मौजूद रहे।

साहित्य कलश ने पहलगाम की दुखद घटना को समर्पित कवि सम्मेलन का आयोजन किया

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़/ पटियाला। साहित्य कलश परिवार की मासिक गोष्ठी ग्रीन वैल हाई स्कूल के प्रांगण में आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माउंट लिट्रा जी स्कूल के प्रधानाचार्य रिचा त्रिपाठी जी और कुबेर हॉस्पिटल के डॉक्टर अजय सिंगला जी और विशेष अतिथि के तौर पर आदरणीय दिनेश सूद जी, त्रिलोक ढिल्लो, अनीशा अंगरा अंगिरा, दर्शन सिंह आष्ट जी ने शिरकत की। साथ में परिवार के संस्थापक सागर संजय सूद ने भी मंच सांझा किया। मंच का संचालन मनु वैश्य ने किया। शमा रोशन के साथ सरस्वती वंदना गाकर मां सरस्वती को नमन किया गया। गोष्ठी का आरंभ वरिंदर कौर की रचना के साथ हुआ। उनके बाद अनुप्रीत भट्टी, मनु वैश्य , सागर सूद, मनप्रीत कौर, विश्वजीत, पुनीत गोयल, बजिंदर ठाकुर, वीणा सूद, गुरप्रीत सिंह ढिल्लों, हरप्रीत सिंह, अमृतपाल कौर, कृष्ण लाल धीमान, शरणजीत कौर, अंजू बाला तवस्सुम, सुनीता कुमारी, मोनिका ठाकुर, खुशप्रीत कौर, करमजोत , डॉ गुरमीत सिंह, विजय कुमार, बलविंदर सिंह भट्टी, श्रवण कुमार, डॉ जयदीप सिंह, जोगा सिंह, परमजीत कौर, कुमारी संजना ,कुलविंदर कुमार, हरिदत हबीब, परविंदर शोख जैसे दिग्गजों ने अपनी अपनी रचना द्वारा श्रोताओं को प्रभावित किया। इनमें से कुछ साहित्यकारों ने हाल ही में भारत में हुई दुखदायक घटना पहलगाम पर अपनी रचना सुनाई इसके अतिरिक्त 11 मई को आने वाले मातृत्व दिवस के उपलक्ष में मां के सम्मान में रचनाएं सुनाई गई। मंच से सर्वप्रथम डॉ अजय सिंगला जी जो कि डॉक्टर होने के साथ-साथ आध्यात्मिकता में बहुत विश्वास रखते हैं उसी के उपलक्ष में उन्होंने अपनी रचना सुनाई , फिर आदरणीय त्रिलोक ढिल्लों जी ने समाज के आज के हालातों को बयां करती अपनी गजल सुनाई, अनीशा अंगरा जी की गजल के बाद दर्शन सिंह आष्ट जी ने भी एक सुंदर गीत सुनाया। प्रिंसिपल रिचा त्रिपाठी जी ने सागर जी का तहे दिल से धन्यवाद किया और अपने द्वारा लिखी गई एक सुंदर कविता सुनाई। उनके बाद दिनेश सूद जी ने अपने मन के विचारों को सबके सामने प्रस्तुत किया। अंत में सागर सूद संजय ने सभी अतिथियों का और आने वाले सभी साहित्यकारों का तहे दिल से धन्यवाद किया और अपनी एक गजल प्रस्तुत की। साहित्य कलश परिवार साहित्यकारों को ऊपर उठाने के साथ-साथ समाज के कार्यों में भी पूरा साथ देता है जरूरतमंद बच्चों को साहित्य कलश परिवार की तरफ से कॉपियां और स्टेशनरी बांटी गई। रिवायत के अनुसार परिवार के सदस्यों का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।

डॉ. नीजा सिंह लगातार दूसरी बार आईएफएलए के लिए चुनी गई

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। चंडीगढ़ स्थित टीएस सेंट्रल स्टेट लाइब्रेरी की लाइब्रेरियन डॉ. नीजा सिंह को लगातार दूसरे कार्यकाल (2025-2029) के लिए इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी इंस्टीट्यूशंस एंड एसोसिएशन (आईएफएलए)- मेट्रोपॉलिटन लाइब्रेरीज सेक्शन की स्थायी समिति सदस्य के रूप में चुना गया है। 1927 में स्थापित आईएफएलए का मुख्यालय नीदरलैंड में है और यह दुनिया में पुस्तकालयों के हित में आवाज उठाने वाली सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संस्था है। अपने पिछले कार्यकाल (2021-2025) के दौरान, डॉ. नीजा ने नॉर्वे, अर्जेंटीना और स्पेन में अनुभाग के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है और एक मजबूत योगदानकर्ता रही हैं, उन्होंने शोधपत्र प्रस्तुत किए हैं, कार्यशालाएँ आयोजित की हैं, सम्मेलन की योजना बनाने में काम किया है, मेटलिब लर्निंग सर्किल-एक प्रतिभा विकास कार्यक्रम की सलाहकार हैं, और अंतर-अनुभाग एजेंडा में भी शामिल रही हैं। उनके काम की फेडरेशन द्वारा सराहना की गई है। डॉ. सिंह ने कहा, ₹अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इस समिति में कार्य करना एक पुरस्कृत अनुभव रहा है, और मैं आगामी कार्यकाल में इस प्रगति को जारी रखने, सहयोग जारी रखने, विचारों को साझा करने, नवाचार को बढ़ावा देने और भारत में सार्वजनिक पुस्तकालयों के विकास में योगदान देने वाली समावेशी पुस्तकालय सेवाओं के लिए तत्पर हूं।₹

डॉ. नीजा सिंह चंडीगढ़ की एक विश्व स्तर पर ख्यातिप्राप्त लाइब्रेरियन हैं, वे पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से स्वर्ण पदक विजेता हैं तथा चंडीगढ़ प्रशासन से उनकी सराहनीय सेवा के लिए राज्य पुरस्कार विजेता भी हैं, इसके अलावा उन्हें उनके अभिनव कार्यों के लिए अन्य मंचों से भी अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं।

बढ़ते युद्ध तनाव के बीच चंडीगढ़ में स्कूलों की छुट्टियों की अपील

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। नेशनल ह्यूमन राइट्स सोशल जस्टिस काउंसिल ऑफ इंडिया चंडीगढ़ के अध्यक्ष कमलजीत सिंह पंछी ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों में बढ़ती चिंता और भय पर गहरी चिंता व्यक्त की है। हाल ही में मीडिया रिपोर्टों में आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान द्वारा चंडीगढ़ की ओर एक मिसाइल दागी गई थी - जिसे कथित तौर पर सतर्क भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा निष्प्रभावी कर दिया गया था - जिसने विशेष रूप से छात्रों और अभिभावकों के बीच दहशत का माहौल बढ़ा दिया है।

इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, और बच्चों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में देखते हुए, पंछी ने चंडीगढ़ प्रशासन और शिक्षा विभाग से शहर भर के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में तत्काल छुट्टियां घोषित करने का आग्रह किया है। हम अधिकारियों से अफवाहों को दूर करने और आम जनता के बीच शांति बनाए रखने के लिए स्पष्ट और नियमित सार्वजनिक सलाह जारी करने का भी आग्रह करते हैं।

नेशनल ह्यूमन राइट्स सोशल जस्टिस काउंसिल ऑफ इंडिया चंडीगढ़ के सदस्य नागरिकों के साथ दृढ़ता से खड़े हैं और मीडिया चैनलों सहित सभी हितधारकों से संयम, सतर्कता और सूचना के जिम्मेदार प्रसार की अपील करते हैं।

एमसीएम ने आरटीआई प्रारूपण और लेखन कौशल पर कार्यशाला का आयोजन किया

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ में विकसित भारत अभियान समिति और वाणिज्य विभाग ने ह्यड्राफि्टंग एंड राइटिंग द राइट टू इनफॉर्मेशन (आरटीआई) एप्लीकेशनह्न पर एक सूचनात्मक सत्र आयोजित किया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आरटीआई अधिनियम का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना था, जिससे वह पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में सक्षम बन सकें।कार्यशाला के लिए प्रमुख वक्ता कॉलेज के वाणिज्य विभाग से सहायक प्रोफेसर, डॉ. गगनदीप कौर ने आरटीआई आवेदन तैयार करने की प्रक्रिया, तकनीक और सर्वोत्तम अभ्यासों पर व्यापक मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रतिभागियों की सहभागिता को बढ़ाने और उनके सीखने को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कार्यशाला के दौरान एक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया।विद्यार्थियों ने इस व्यावहारिक ज्ञानवर्धक सत्र की सराहना की, जिससे उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता और सशक्तिकरण का अनुभव हुआ।

कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में सूचना के अधिकार की अहम भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नागरिकों को अपने अधिकारों के प्रति सजग होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की पहल कॉलेज के समग्र छात्र विकास की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं, जो केवल अकादमिक उत्कृष्टता ही नहीं बल्कि नागरिक उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रोत्साहित करती हैं।

महेंद्रगढ़ जिले के गांव ढ़ाणा में आयोजित हुआ ‘फूलों की खेती’ विषय पर फील्ड-डे कार्यक्रम का आयोजन

» विजय कौशिक, मदरलैंड संवाददाता

● डा० पिंकी यादव, उप-निदेशक उद्यान, एवं व डा० नेहा यादव, वरिष्ठ विषय विशेषज्ञ, एकीकृत बागवानी विकास केन्द्र, सुन्दरह रही उपस्थित

नारनौल। जनपद के गाँव सुन्दरह में भोजावास रोड़ पर स्थित एकीकृत बागवानी विकास केन्द्र द्वारा गाँव ढ़ाणा में प्रगतिशील किसान ब्रहम्प्रकाश के फार्म पर आज ₹फूलों की खेती₹ विषय पर फील्ड-डे का आयोजन किया गया। इस सेमिनार के आयोजन के पीछे बागवानी विभाग हरियाणा का उद्देश्य किसानों को विभिन्न प्रकार के फूलों की खेती एवं इसमें कीट के प्रभाव को खत्म करने एवं नवीनतम बागवानी तकनीक से अवगत करवाना रहा। इस दौरान बागवानी विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, महेन्द्रगढ़ के वरिष्ठ विशेषज्ञों द्वारा किसानों को विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। इस सेमिनार में बागवानी विभाग द्वारा चलाई जा रही विग्न्नि प्रकार की किसान कल्याणकारी स्कीमों के बारे में भी किसानों को अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डा० पिंकी यादव, उप-निदेशक उद्यान, एकीकृत बागवानी विकास केन्द्र, सुन्दरह ने की। इस सेमिनार के उपलक्ष्य में डा० नेहा यादव, वरिष्ठ विषय विशेषज्ञ, एकीकृत बागवानी विकास केन्द्र, सुन्दरह, डा० नरेन्द्र सिंह, के.वी.के महेन्द्रगढ़, डा० राजपाल, के. वी. के महेन्द्रगढ़, डा० मुकेश शिवरान, विषय विशेषज्ञ, एकीकृत बागवानी विकास केन्द्र, सुन्दरह, एवं डा० राहुल कुमार, उद्यान विकास अधिकारी, ब्लॉक कनीना एवं अन्य विशेषज्ञ गाँव दाणा में उपस्थित रहे तथा किसानों को जानकारी प्रदान की। कार्यकम में उपस्थित किसानों को गाँव दाणा के पुष्प उत्पादक प्रगतिशील किसान ब्रहम्प्रकाश ने फूलों की खेती एवं इससे होने वाली आय के बारे में जानकारी दी। साथ ही डा० हेमन्त सैनी, विषय विशेषज्ञ, पुष्प उत्कृष्टता केन्द्र, मुनीमपुर, झज्जर ने इस अवसर पर किसानों को फूलों की खेती एवं तकनीक के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा साथ ही अवगत कराया की फूल की खेती के बारे में किसान अधिक जानकारी के लिए पुष्प उत्कृष्टता केन्द्र, मुनीमपुर, झज्जर में संपर्क कर सकते है तथा उक्त स्थान पर फूल की खेती का प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकते हैं।

डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 8-सी में अलंकरण समारोह आयोजित

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 8-सी, चंडीगढ़ ने 8 मई 2025 को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए नव निर्वाचित छात्र परिषद सदस्यों को औपचारिक रूप से स्थापित करने के लिए अपने अलंकरण समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में नेतृत्व, प्रतिबद्धता और सेवा की भावना का जश्न मनाया गया क्योंकि स्कूल ने अपने युवा नेताओं को नई ज़िम्मेदारियाँ सौंपीं। समारोह की शुरूआत गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद नवनियुक्त परिषद सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण की गई। छात्रों को बैज और सैश प्रदान किए गए, जो उनकी भूमिकाओं की आधिकारिक मान्यता का प्रतीक है। उनके आत्मविश्वास से भरे मार्च और गरिमामय व्यवहार ने उनकी जिम्मेदारियों को ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने की तत्परता को दशार्या। नवनियुक्त परिषद में हेड बॉय - शिवम शोरी शामिल हैं। हेड गर्ल - तृप्ति, अनुशासन प्रभारी - कीर्ति पात्रा, वाइस हेड बॉय - धनयुश, वाइस हेड गर्ल झ अश्विनी। इसके बाद संबंधित सदनों के हाउस कैप्टन, वाइस कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन और वाइस स्पोर्ट्स कैप्टन की नियुक्ति की गई। परिषद के सदस्यों ने अपनी योग्यता के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन करने और स्कूल के नियमों और मूल्यों का पालन करने की शपथ ली। प्रिंसिपल ने छात्रों को बधाई दी और उन्हें स्कूल की उत्कृष्टता की गौरवशाली विरासत को कायम रखते हुए उदाहरण पेश करने के लिए प्रेरित किया।

हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनसीसी के 25 छात्रों का चयन हुआ : प्राचार्य अनिल कुमार

» मदरलैंड संवाददाता

हांसी। स्थानीय आज हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनसीसी कैडेट्स जूनियर विंग प्रथम वर्ष के नामांकन के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की गई।

इस दौरान प्रिंसिपल अनिल कुमार, सीटीओ सुमन मलिक, थ्री हरियाणा बटालियन के सूबेदार टेक सिंह और हवलदार रवि प्रकाश सिंह ने बच्चों का शारीरिक और मानसिक परीक्षण किया। चयन प्रक्रिया में शारीरिक और मानसिक परीक्षण शामिल था, जिसमें 34 बच्चों ने भाग लिया और 25 का सफलतापूर्वक चयन हुआ। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।'

वेदराम ठाकुर मेमोरियल राज्य अवार्ड से प्रदेशभर की पांच विभूतियां सम्मानित

छविंद्र ठाकुर,रणवीर सिंह,लीला ठाकुर, नीता राणा व निशा ठाकुर को मिले अवार्ड

» रमेश कँवर, मदरलैंड संवाददाता

(कुल्लू) हिमाचल। सहकारिता के युग पुरुष रहे ठाकुर वेदराम मेमोरियल आवार्ड से इस बार प्रदेश की पांच विभूतियों को सम्मानित किया गया,जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य कर रही हैं। ठाकुर वेदराम मेमोरियल आवार्ड चयन समिति ने इन अवार्डों की घोषणा पहले ही कर दी थी। भुट्टिको के सभागार में भव्य आयोजन हुआ और सबसे पहले सहकारिता शिरोमणि पुरुष पूर्व मंत्री सत्य प्रकाश ठाकुर का जन्मदिन केक काटकर मनाया। इसके बाद ठाकुर वेदराम मेमोरियल अवार्ड समारोह का आयोजन हुआ। समिति के चेयरमैन रमेश ठाकुर ने सबका भव्य स्वागत किया। इस अवसर इस बार प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में ठाकुर वेदराम मेमोरियल आवार्ड से मनाली के बरिष्ठ पत्रकार,लेखक एवं साहित्यकार एडवोकेट छविंद्र ठाकुर को सम्मानित किया गया। छविंद्र ठाकुर हिंदी व अंग्रेजी के कई समाचार पत्रों में अपनी लेखनी का लोहा मनवा चुके हैं और वर्तमान में अधिवक्ता के साथ-साथ फ्री लांसर है वे कई भाषाओं व बोलियों के ज्ञाता है। जबकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में ठाकुर वेदराम मेमोरियल अवार्ड से शिमला के तेजतर्रार पत्रकार रणवीर ठाकुर को सम्मानित किया। रणवीर ठाकुर न्यूज-18 के राज्य विशेष संवाददाता है। नई उड़ान उभरती प्रतिभा ठाकुर वेदराम अवार्ड से जिला कुल्लू की खराहल घाटी की नीता राणा को सम्मानित किया गया। नीता राणा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खो-खो प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। नीता राणा अंर्तराष्ट्रीय खो खो खिलाड़ी हैं जो वर्ल्ड चैम्पियन भारतीय टीम की हिस्सा रह चुकी हैं। वहीं लोक संस्कृति के क्षेत्र में ठाकुर वेदराम मेमोरियल अवार्ड से प्रसिद्ध लोक गायिका लीला ठाकुर को अवार्ड दिया गया। लीला ठाकुर सराज घाटी से तालुक रखती हैं और पारंपरिक गीतों को अपनी मधुर आवाज देकर लोक संस्कृति को जिंदा रखने में अहम भूमिका निभा रही है। वहीं समाजिक उत्थान ठाकुर वेदराम मेमोरियल अवार्ड से सैंज घाटी की निशा ठाकुर को सम्मानित किया गया। निशा ठाकुर बीएसई नर्सिंग है और पिछले सात वर्षों से स्लम एरिया को बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा निस्वार्थ रूप से उठाया है। मजबूर व असहाय बच्चों को उनके घर द्वार पर शिक्षा प्रदान करवाई जा रही है। यह सम्मान समारोह भुट्टिको के सभागार में पूर्व मंत्री एवं सहकारिता के शिरोमणि पुरुष सत्य प्रकाश ठाकुर के जन्मदिन अवसर पर आयोजित हुआ। सम्मान समारोह से पहले पूर्व मंत्री सत्य प्रकाश ठाकुर का जन्मदिन भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पुरस्कार हर वर्ष प्रदेश भर की विभूतियों को प्रदान किए जाते हैं। ठाकुर वेद राम मैमोरियल सोशल, कल्चरल, वैलपेयर एंड एन्वायरनमैंट सोसाईटी भुट्टि कालोनी कुल्लू हिमाचल प्रदेश द्वारा

बर्ष 2010 से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाता है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी भव्य समारोह में प्रदेश भर की विभूतियों को सम्मानित किया गया। चयन समिति के सदस्य धनेश गौतम व शालिनी रॉय भारद्वाज ने बताया कि इस अवार्ड से अभी तक प्रदेशभर के 32 पत्रकारों, 15 समाजसेवी, 15 लोक संस्कृति व 15 उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर भुट्टिको के पूर्व एमडी ब्रह्मा स्वरूप ठाकुर,वाइस चेयरमैन रोहित ठाकुर,शिवानी ठाकुर,दिनेश ठाकुर,अनुज ठाकुर सहित तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक देश - एक चुनाव विषय को लेकर एसडी महिला महाविद्यालय के सभागार में सेमिनार में शहर की धार्मिक , सामाजिक , संरपचों , पंच , पार्षदों व राजनीति दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया

» मनमोहन शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

● राष्ट्र के निरंतर विकास के लिए एक बार ही चुनाव उपयुक्त व हाथ उठाकर इस प्रस्ताव पारित करके राष्ट्रपति महोदया के नाम ज्ञापन दिया जाएगा : विनोद भयाणा

हांसी। विधायक विनोद भयाना ने कहा कि राष्ट्र के निरंतर विकास के लिए देश में एक बार ही चुनाव होना चाहिए। भयाना वीरवार को स्थानीय एस डी महिला महाविद्यालय के स्वामी गणेशा नन्द सभागार में एक देश -एक चुनाव विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने से राष्ट्र का विकास बाधित होता है और लोगों को भी कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में देश में एक बार ही चुनाव होना चाहिए। एक बार में चुनाव होने से धन एवं समय की बचत होती है।

उन्होंने कहा कि देश में एक बार चुनाव होने से जो समय एवं धन की बचत होगी वह राष्ट्र के विकास में खर्च होगा। जिसके फल स्वरुप लोगों को और अधिक सुविधाएं उपलब्ध होगी और हमारा देश भारत भी तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर होगा।

सेमिनार में भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में एक राष्ट्र - एक चुनाव प्रस्ताव की सराहना करते हुए कहा कि यह देश को विकसित राष्ट्र बनाने में मिल का पत्थर साबित होगा। देश में एक बार चुनाव होने से विकास की गति को और तेजी मिलेगी।

इस सेमिनार में आर्य समाज स्कूल प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष व प्रमुख समाजसेवी वेद प्रकाश नांरग ने कहां कि विकसित भारत का सपना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है। उसे पूरा करने में एक देश एक चुनाव प्रणाली फिर शुरू की जाए। इस कार्य के लिए सभी लोग आगे आए। अशोक कनोजिया , प्रवीण बंसल मोनिका जागड़ा , जगदीश भाटिया के महाविद्यालय के प्राचार्य सुरेश गुप्ता ने अपनी बात को रखा और एक देश व चुनाव की वकालत की।

जगदीश भाटिया ने कहां कि दो जगहों से चुनाव लड़ने पर पावन्दी नही चाहिए व जितने प्रत्याशी से खर्चा लिए जाने का प्रावधान होना चाहिए। ऐसा करने से पैसा की बचत होगी।

प्राचार्य ने महाविद्यालय की नई बिल्डिंग के लिए निर्माण हेतु 1 करोड़ रुपए की जानकारी दी। मुख्य वक्ता विधायक विनोद भयाणा ने कहा कि 11 मई को हांसी विकास रैली में हरियाणा के मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी के सामने मांग पत्र रखा जाएगा और उन्होंने 12 बजे का न्यौता दिया।

सेमिनार में भाजपा युवा जिला अध्यक्ष सुखविंदर जाखड़ , भाजपा मंडल अध्यक्ष तनुज खुराना, भाजपा अटल मंडल अध्यक्ष श्याम खाण्डा , विधानसभा संयोजक सोनू जांगड़ा,नगर परिषद के पूर्व प्रधान प्रतिनिधि विनोद सैनी, ब्लॉक समिति अध्यक्ष प्रतिनिधि सुभाष यादव, महाविद्यालय के प्राचार्य सुरेश गुप्ता ,पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक ढालिया ,प्रवीण बंसल, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र मलिक, सरपंच अरविंद कटारिया, भाजपा नेत्री मोनिका जांगड़ा, तेजपाल रामायण, फुल कुमार रामायण, परवीन खटीक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

संपादकीय

भारत की मिसाइलों का सटीक निशाना, चीन के सुरक्षा तंत्र की खुली पोल

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सीमा में रहते हुए जो मिसाइल स्ट्राइक की है उसने पाकिस्तान में तैनात एचक्यू-9 मिसाइल की विफलता को उजागर कर दिया है। चीन और पाक द्वारा जो दावे किए जा रहे थे उसकी पोल खुल गई है। भारत ने हाल ही में सिंदूर ऑपरेशन के जरिए आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल अटैक कर पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों को करारा जबाब दिया है। यह हमला मंगलवार की देर रात करीब 1:45 बजे किया गया था। मात्र 7 मिनट के इस हमले में ब्राह्मोस सहित अत्याधुनिक मिसाइलों और हथगोलों का इस्तेमाल भारतीय सेना द्वारा किया गया। भारत ने इस हमले में सुनिश्चित किया था। पाकिस्तान का कोई भी नागरिक ठिकाना या बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त ना हो। भारत की सैन्य नैतिकता और सामरिक सूझ-बूझ का परिचय मिलता है। पाकिस्तान और चीन की तरफ से बार-बार दावा किया जाता रहा है। एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम दुनिया के बेहतरीन सुरक्षा कवचों में एक है। यह सिस्टम अभी तक कहीं उपयोग नहीं हुआ था। चीन का दावा था, उसका यह सिस्टम अमेरिका के पेट्रियट, इजराइल के आयरन डोम और रूस के एस-400 से बेहतर है। भारतीय सेना की मिसाइलों ने चीन की इस तथाकथित अभेद्य रक्षा प्रणाली को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, जिसके कारण चीन की पोल खुल गई है। पाकिस्तान भी हैरान और परेशान है, चीन से उसने सबसे ज्यादा रक्षा सामग्री एवं सैन्य उपकरण खरीदे हैं। भारत की सेना द्वारा जिस तरह की रक्षा प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है उसको देखते हुए पाकिस्तान अब यह नहीं समझ पा रहा है, कि वह भारत का मुकाबला किस तरह से करेगा। चीन द्वारा पाकिस्तान को सौंपा गया यह सिस्टम एक भी भारतीय मिसाइल को इंटरसेप्ट नहीं कर पाया। पाकिस्तान की सेना और वायुसेना पूरी तरह अलर्ट मोड पर थीं। इस असफलता ने चीन की रक्षा तकनीक और उपायों की वास्तविकता उजागर कर दी है। भारत ने बिना हवाई हमले और बमवर्षक विमानों का प्रयोग किये बिना ही यह दिखा दिया है। आधुनिक युद्ध केवल सैनिकों की संख्या से नहीं, बल्कि रणनीति, तकनीक और संयम से जीते जा सकते हैं। भारतीय सेना ने इस अभियान में न केवल तीनों सेनाओं की एकजुटता, भारतीय सेना का सैन्य कौशल दिखाया, वरन यह भी साबित कर दिया, कि भारत अब केवल जुबानी प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं रहा। आवश्यकता पड़ने पर भारत निर्णायक कार्रवाई करने वाला राष्ट्र बन चुका है। जो दुश्मन के घर जाकर सटीक निशाना साधकर अपने दुश्मनों से बदला ले सकता है। इस घटनाक्रम से सैन्य विश्वसनीयता और क्षमता को लेकर विश्व में भारत की स्थिति मजबूत हुई है। अमेरिका, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों को भारत द्वारा पहले से सूचित किया जा चुका था। यह भारत की वैश्विक कूटनीति की समझ और पारदर्शिता को प्रदर्शित करता है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान के भीतर हड़कंप मचा हुआ है। पाकिस्तान द्वारा पिछले दो सप्ताह से इतनी बडी तैयारी के बावजूद चीन और पाकिस्तान मिलकर भी हमले को क्यों नहीं रोक पाए। भारतीय सेना का यह हमला केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं है। भारत का यह संदेश भी है, भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ करने वालों को भारतीय सेना से हर स्तर पर जवाब मिलेगा।

दौलत की चाह

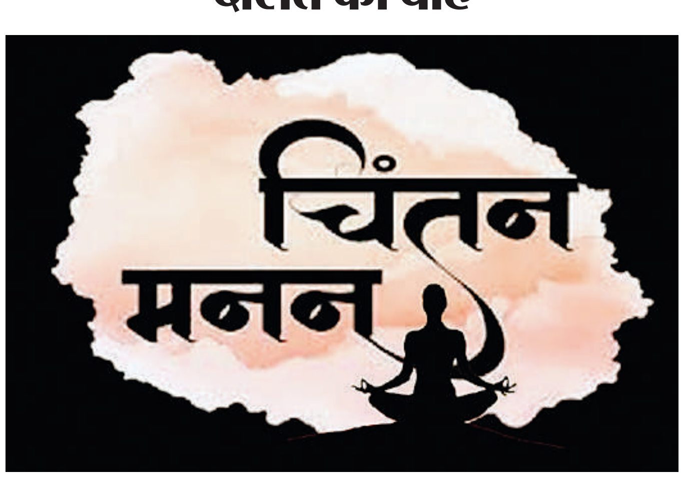

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे।

उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी।

जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए।

ढाई सौ साल बाद भागलपुर जिला ने मनाया अपना स्थापना दिवस समारोह

» शिव शंकर सिंह पारिजात

यह भी एक विशेष बात है कि बिहार का एक पुराना जिला भागलपुर 252 वर्षों के बाद राजकीय और विधिवत ढंग से अपनी स्थापना का दिवस मनाया। किसी भी जिले के लिये उसकी स्थापना की तिथि का एक खास महत्व होता है, क्योंकि उस दिन से उसकी एक अलग और स्वतंत्र पहचान बनती है। प्रत्येक वर्ष अपने स्थापना दिवस का समारोह मनाकर वो जिला अपने ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहरों व स्मारकों को याद कर सामाजिक-आर्थिक विकास के नये आयाम गढ़ने का संकल्प लेता है। यह भी एक विडम्बना रही है कि ब्रिटिश भारत में भागलपुर बिहार का सबसे पुराना जिला होने के बावजूद स्थापना की तिथि स्पष्ट नहीं होने के कारण पिछले ढाई सौ वर्षों तक अपना स्थापना समारोह नहीं मना सका। अंततः काफी शोध, अध्ययन और जिला प्रशासन के उपक्रमों के पश्चात्इस साल 4 मई को भागलपुर अपना पहला राजकीय स्थापना दिवस समारोह पूरे धूमधाम व भव्यता के साथ मनाया। इस अवसर पर पूरी भव्यता के साथ स्थानीय टाउन हॉल में समारोह का आयोजन किया गया तथा कलेक्ट्रियट भवन के नगर के चौक-चौराहों व स्मारकों को रंगीन लाईट से सज्जित किया गया। इसके अलावा प्रमुख संस्थान गांधी शांति प्रतिष्ठान, नगर विकास परिषद व अन्य संस्थाओं ने भी इस अवसर पर समारोह आयोजित किये।

भागलपुर वासियों को यह मलाल रहा कि ब्रिटिश काल में संताल परगना से लेकर बंगाल तक के क्षेत्रफल तक फैले भागलपुर, जो उस समय जंगल तराई कहलाता था, से निकले मुंगेर, मधेपुरा, सुपौल, बेगूसराय, जमुई सहित झारखंड के दुमका, देवघर, गोड्डा आदि जिले तो अपने स्थापना दिवस समारोह मना रहे थे पर भागलपुर इससे मरहूम रहा। इस दौरान जिले के विभिन्न राजनैतिक-सामाजिक संगठनों तथा प्रबुद्ध नागरिकों व बुद्धिजीवियों के द्वारा लंबे समय तक जिला स्थापना दिवस समारोह आयोजित करने की मांग की जाती रही जिसके मद्देनजर तत्कालीन जिलाधिकारी प्रणव कुमार ने जिला स्थापना तिथि निर्धारण हेतु अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में 6 दिसंबर, 2018 को एक चार-सदस्यीय समिति का गठन किया जिसमें तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्राध्यापक प्रो. (डॉ.) रमन सिन्हा भी शामिल किये गये थे। इतिहासकार डॉ. सिन्हा ने कोलकाता स्थित बंगाल राज्य अभिलेखागार के दस्तावेजों, कोलकाता के नेशनल लाइब्रेरी के ग्रंथों, कैलेंडर ऑफ पर्सियन करसपोंडेंट्स, ब्रिटिश सरकार के प्रशासनिक केंद्र फोर्ट विलियम, कोलकाता के इंडिया हाउस करसपोंडेंट्स आदि का अध्ययन करने के पश्चात अपने शोध निष्कर्षों के आधार पर यह दावा किया कि 4 मई, 1773 को मि. जेम्स बर्टन ने भागलपुर के पहले कलक्टर के रूप में योगदान किया था जिससे स्पष्ट होता है कि भागलपुर जिले की स्थापना 4 मई, 1773 को हुई थी। 1765 में मुगल बादशाह शाह आलम से ईस्ट इंडिया कंपनी को बिहार, बंगाल और उड़ीसा की दीवानी (जमींदारी) मिली, किंतु एक नीति के तहत अंग्रेजों ने मुगलकालीन व्यवस्था में तत्काल दखलंदाजी न करते हुए मुगलकालीन व्यवस्था कायम रखते हुए राजस्व मामलों के लिये 1769 में राजमहल-भागलपुर (पुराना भागलपुर) के लिये विलियम हारउड को सुपरवाइजर नियुक्त किया। इसके बाद कंपनी सरकार द्वारा गठित पांच-सदस्यीय कमिटी की सिफारिश पर 18 फरवरी, 1773 को राजमहल-भागलपुर अर्थात ग्रेटर भागलपुर जिले का निर्माण किया गया। पर इसका प्रभार कलक्टर की बजाय पूर्व से कार्यरत सुपरवाइजर मि.हारउड के हाथों में ही रहा। इसके उपरांत कंपनी सरकार ने राजस्व संग्रह अधिकार के साथ कलक्टर नियुक्त करने का निर्णय लिया जिसके फलस्वरूप मि. जेम्स बर्टन ने 4 मई, 1773 को राजमहल-भागलपुर अर्थात ग्रेटर भागलपुर के पहले कलक्टर के रूप में सुपरवाइजर मि. हारउड से प्रभार लेकर पदभार ग्रहण किया।

जिला स्थापना तिथि निर्धारण हेतु अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में गठित समिति ने पूर्ण विचार कर डॉ. सिन्हा के द्वारा प्रस्तुत तिथि पर सहमति प्रदान की जिसपर सहमत होकर जिलाधिकारी ने राज्य सरकार से मार्गदर्शन मांगा। तत्पश्चात राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव द्वारा 2023 में जिला स्थापना की इस तिथि अर्थात 4 मई को अनुमोदित किया गया। किंतु कोरोना तथा इसके बाद 2024 के आम चुनाव के कारण जिला स्थापना दिवस समारोह आयोजित नहीं किये जा सके।

अपने शोध के आधार पर जिला स्थापना तिथि की खोज करनेवाले डॉ. रमन सिन्हा बताते हैं कि सिर्फ जिला स्थापना तिथि ही नहीं, वरन इसके साथ जिला के पहले कलक्टर के बारे में भी सही जानकारी उपलब्ध नहीं थी, जिसका उक्त शोध के क्रम में पता चला। पहले यही मान्यता थी कि मि.आगस्टस क्लीवलैंड भागलपुर के पहले कलक्टर थे और जिलाधिकारी के कार्यालय वेश्म में लगे जिलाधिकारियों के सक्सेसन लिस्ट में भी पहले कलक्टर के रूप में क्लीवलैंड का ही नाम अंकित था।

किंतु बंगाल अभिलेखागार में संधारित प्रेस लिस्ट ऑफ एनशिएंट डाक्यूमेंट्स सरीखे दस्तावेज बताते हैं कि भागलपुर के सिविल कलक्टर बनने के बाद जेम्स बर्टन ने कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) स्थित कंपनी मुख्यालय फोर्ट विलियम से जोसेफ शेरवर्न के स्थान पर अगस्तस क्लीवलैंड को अपने कलेक्ट्रेरियट का सहायक बनाने की मांग की थी जिसपर कंपनी की सहमति मिल गई थी जिसके बाद क्लीवलैंड कलक्टर बर्टन के मातहत काम करने लगे। तत्पश्चात 13 नवंबर, 1779 को जेम्स बर्टन द्वारा निजी कारणों से कलेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया गया जिसके बाद के बाद कंपनी सरकार के आदेश से 20 नवंबर, 1779 को अगस्टस क्लीवलैंड भागलपुर के दूसरे कलक्टर के रूप में योगदान किया।

शोधकर्ता इतिहासकार डॉ रमन सिन्हा बताते हैं कि मार्च, 2011 में एक अनौपचारिक बातचीत में तत्कालीन जिलाधिकारी नर्मदेश्वर लाल उनके शोध से सहमत होते हुए जिलाधिकारियों के सक्सेसन लिस्ट में भागलपुर के पहले कलक्टर के रूप में अगस्टस क्लीवलैंड का नाम हटवाकर जेम्स बर्टन का नाम अंकित करवाया।

(लेखक पूर्व जनसंपर्क उपनिदेशक एवं इतिहासकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दो टूक- आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना 'ऑपरेशन सिंदूर'

आतंक के गढ़ में भारत का निर्णायक प्रहार

» योगेश कुमार गोयल

पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध।

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को ह्यसिंदूरह्न नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दशार्ता है। ह्यसिंदूरह्न एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं।

भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी।

बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे।

इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर ह्यजस्टिस इज सर्व्डह्न यानी ह्यन्याय हो गयाह्न लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ह्यभारत माता की जयह्न के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया। इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही। पाकिस्तान के मीडिया ने प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए यह दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट मार गिराए हैं, जिसमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और 1 सुखोई शामिल हैं, साथ ही भारतीय सेना की 12वीं इन्फेंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय को नष्ट करने का झूठा दावा भी किया गया। हालांकि भारत द्वारा इन बेबुनियाद झूठे दावों को सिरे से खारिज कर दिया गया है।

भारत का अगला कदम अब इस कार्रवाई को कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर वैश्विक समर्थन में बदलना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत आतंकवाद के खिलाफ अपने दृष्टिकोण को और मजबूत तरीके से प्रस्तुत करेगा। अमेरिका, फ्रांस, रूस और इजरायल जैसे देश पहले ही भारत के साथ खड़े नजर आ रहे हैं परंतु संयुक्त राष्ट्र और इस्लामी देशों के संगठन (आईओसी) में पाकिस्तान अपने झूठे प्रचार को हवा देने की कोशिश अवश्य करेगा, इसलिए भारत को अब इस कूटनीतिक लड़ाई में भी स्पष्टता और तथ्यों के साथ आगे बढ़ना होगा। बहरहाल, ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य और कूटनीतिक परिपक्वता का प्रतीक है। इसने साबित कर दिखाया है कि भारत अब संयम और जवाबदेही के साथ अपनी रक्षा नीति पर अमल कर रहा है। ह्यसिंदूरह्न का रंग भले ही सांस्कृतिक दृष्टि से सौभाग्य और शक्ति का प्रतीक हो परंतु इस सैन्य कार्रवाई में यह रंग आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बन गया है। भारत ने दुनिया को यह बता दिया है कि वह न तो युद्ध चाहता है, न टकराव लेकिन यदि उसकी सीमाओं, नागरिकों और संप्रभुता को कोई चुनौती देगा तो उसका जवाब भी उतना ही सटीक, तीव्र और निर्णायक होगा। भारत का यह बदलता हुआ रवैया उसकी सुरक्षा नीति को नई दिशा दे रहा है और यह संकेत है कि आने वाले समय में कोई भी आतंकी घटना भारत को मूकदर्शक नहीं बनाएगी बल्कि तत्काल और निर्णायक प्रतिघात से दुश्मन की कमर तोड़ी जाएगी।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मसलों पर समय सीमा तय करने पर विवाद क्यों ?

» चैतन्य भट्ट

उच्चतम न्यायालय ने राज्यपालों और राष्ट्रपति के स्तर पर विधेयक स्वीकृत करने संबंधी समय सीमा निर्धारित क्या की, समूचे राजनीतिक जगत में जैसे भूचाल आ गया। नेताओं द्वारा इसे विधायिका की कार्यवाही में सीधा हस्तक्षेप मानते हुए इस कार्यवाही को न्यायपालिका द्वारा अपनी सीमा लांघने जैसे बयान दिए जाने लगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बयान दे डाला कि संविधान की मूल भावना के ह्यअंतिम स्वामीह्न चुने हुए जनप्रतिनिधि होते हैं और संसद से ऊपर कोई भी नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे तो इतने आगे चले गए कि, यदि सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए, और भारत में गृह युद्ध के लिए सीजेआई खन्ना जिम्मेदार हैं

धनखड़ के बयान पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ कानूनविद कपिल सिब्बल मैदान में आए। उन्होंने कहा कि न तो संसद और कार्यपालिका नहीं संविधान सर्वोच्च है जिसके प्रावधानों की व्याख्या सुप्रीम कोर्ट द्वारा की जाती है। इस देश ने अब तक कानून को इसी तरह समझा है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति का नाम तो नहीं लिय मगर कहा कि शीर्ष अदालत के हालिया फैसले, जिनकी कुछ भाजपा नेताओं और उपराष्ट्रपति ने आलोचना की है, हमारे संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप और राष्ट्रीय हित से प्रेरित हैं। संसद को कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है मगर संविधान की व्याख्या करना और पूर्ण न्याय करना न्यायालय का दायित्व है। जहां तक निशिकांत दुबे का प्रश्न है भाजपा ने उनके बयानों से खुद को अलग कर लिया है

लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ न्यायपालिका और विधायिका के बीच ऐसी परिस्थितियां निस्संदेह दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मगर यह भी तय है कि किसी भी समृद्ध लोकतंत्र में जनहित से जुड़े कार्यों को लेकर समय-सीमा निर्धारित होनी चाहिए। तमिलनाडु के राज्यपाल के रवि के मामले को देखें तो तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा पारित अनेक विधेयक तो तीन साल से ज्यादा की अवधि के बाद भी उनके कार्यालय में लंबित थे। और यह अकेला मामला नहीं है। विरोधी पक्ष की सरकारें वाले देश के कितने ही राज्यों में स्थितियां कमोबेश यही हैं। संवैधानिक रूप से राज्यपाल पद बेहद मर्यादित है और उस पर बिना किसी राजनैतिक दल या विचारधारा के प्रति पूर्वाग्रह के विशुद्ध रूप से राज्य सरकार की प्रशासनिक मदद का दायित्व है। टकराव की यह परिस्थितियां और राज्यपाल पद का राजनीतिक दुरुपयोग पहले भी होता रहा है और पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने तो चुनी हुई राज्य सरकार गिराने तक में इसका प्रयोग किया है।

जहां तक विधायिका का प्रश्न है, संसद की कार्यवाही कमोबेश हर सत्र में हंगामे और बहिष्कार का शिकार होती दिखती है। स्वस्थ बहस के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह संस्था अब सरकार और विरोध पक्ष के संघर्ष के लिए ज्यादा पहचानी जाती है। जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक सालों से लंबित पड़े हैं। सदस्यों के लंबित प्राईवेट विधेयकों की संख्या तो सैकड़ों पार कर रही है। यही हाल विधानसभाओं का है। महत्वपूर्ण विधेयक लंबित रहते हैं और जो स्वीकृत हो जाते हैं वे राजनीतिक रस्साकसी का शिकार होकर वर्षों राज्यपाल के स्तर पर धूल फांकते रहते हैं।

पहलगाम तनाव के बीच मानसरोवर यात्रा, भारत चीन के बीच सांस्कृतिक व जनसंपर्क आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण हिस्सा है

» किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर अखंड भारत की सभ्यता सांस्कृतिक धरोहर को विभाजन के दंश ने इस प्रकार खंडित किया कि, भारत की कुछ अनमोल धरोहर भारत के उस तरफ याने पाकिस्तान, चीन, नेपाल इत्यादि देशों में चली गई है, जिसमें गुरु नानक देव का जन्म स्थान ननकाना साहिब जो पाकिस्तान का गुरुद्वारा है वहां पर हुआ था, उसी तरह कैलाश मानसरोवर तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र का हिस्सा है, जो चीन के प्रशासनिक नियंत्रण में है इसलिए इन दोनों स्थानों का दर्शन करने संगतो को संबंधित देश से अनुमति, वीजा इत्यादि लेना होता है या सरकारी स्तरपर समझौते होते हैं।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि, 30 जून से 25 अगस्त 2025 तक मानसरोवर यात्रा शुरू हो रही है जिसमें रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 13 मई 2025 है। बता दें यह यात्रा बिना अनुमति के नहीं की जा सकती तथा अभी वैसे भी पहलगाम कांड से सैलानी पर्यटकों में डर का माहौल छाया हुआ है, परंतु यह आध्यात्मिक स्थान है जिसमें भक्त गण बिना डर के रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं।चूंकि पहलगाम तनाव के बीच मानसरोवर यात्रा भारत चीन के बीच सांस्कृतिक जनसंपर्क आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण हिस्सा है, व भारत चीन राजनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर मानसरोवर यात्रा को द्वापक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने में मिल का पत्थर साबित होगी, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कैलाश मानसरोवर यात्रा का 5 वर्षों के बाद रजिस्ट्रेशन शुरू, 30 जून से 25 अगस्त 2025 तक होगी यात्रा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 13 मई 2025 हैं। साथियों बात अगर हम 30 जून 2025 से शुरू हो रही कैलाश मानसरोवर के रोडमैप को समझने की करें तो कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 13 मई निर्धारित है। यात्रा 30 जून से शुरू होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

संक्षिप्त समाचार

सड़क विवाद मे हत्या के मामले में दर्ज हुई प्राथमिकी

मदरलैण्ड संवाददाता, चकाई। प्रखंड के बीचकोडवा थाना क्षेत्र के ककनिया व पन्ना गांव की सीमा पर सड़क विवाद मामले में की गई हत्या को लेकर गुरुवार को बीचकोड़वा थाना में मृतक बिंदेश्वरी राय के पुत्र दिलीप कुमार राय द्वारा आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करवाई गई।बीचकोडबा थाना मे दिए गए आवेदन में मृतक के पुत्र दिलीप ने लिखा है कि मेरे पिता बिंदेश्वरी राय कुछ ग्रामीणों के साथ बुधवार संध्या को बिचकोड़वा बाजार जा रहे थे इसी बीच ककनिया के पवन चौधरी,रोहित चौधरी,सुधीर चौधरी एवं नरेंद्र चौधरी पन्ना की ओर जाने वाली सड़क के अलकतरा को उखाड़ रहे थे। इसे देखकर बिंदेश्वरी राय ने विरोध किया जिस पर पवन चौधरी एवं नरेंद्र चौधरी ने गले में गमछा लगाकर उनको पटक दिया और उनके साथ लात घुसे से मारपीट की इससे उनकी मौत हो गई। दिलीप के आवेदन के आधार पर विचकोडवा थाना में कांड संख्या 23/ 25 में प्राथमिक की दर्ज करते हुए पवन चौधरी, रोहित चौधरी,सुधीर चौधरी, एवं नरेंद्र चौधरी को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। बीचकोडवा थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने प्राथमिकी दर्ज किए जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक बिंदेश्वरी राय का पोस्टमार्टम जमुई सरदार अस्पताल में करवाया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत छानबीन कर रही है।

अज्ञात वाहन की आमने सामने की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल, रेफर

मदरलैण्ड संवाददाता, सोनो। सोनो, एनएच 333 सोनो- चकाई मार्ग के डुमरी में गुरुवार को बाइक और अज्ञात वाहन की टक्कर में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनो से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर किया गया है। घायल युवकों की पहचान डुमरी के रंजीत चंद्रवंशी के पुत्र दीनदयाल चंद्रवंशी (30) और बमबम चंद्रवंशी के पुत्र अभिराम चंद्रवंशी (35) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दीनदयाल चंद्रवंशी और अभिराम चंद्रवंशी एक ही बाइक से सोनो से अपने घर डुमरी जा रहा था। इसी दौरान डुमरी शिव मंदिर के समीप पीछे से जा रही एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में ठोकर मार दी और फरार हो गया। हादसे में बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। स्थानीय लोगों व डायल 112 की टीम के द्वारा दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनो लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया गया है।

ओवरब्रिज खराब, विधायक ने रेलवे से जल्द मरम्मत की मांग की

मदरलैण्ड संवाददाता, गिद्धौर। गिद्धौर रेलवे स्टेशन का ओवरब्रिज पिछले एक महीने से टूटा हुआ है। इससे यात्रियों को प्लेटफॉर्म पार करने में परेशानी हो रही है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। रोजाना सफर करने वाले लोग खतरा उठाकर पुल पार कर रहे हैं। स्थानीय लोगों की शिकायतों को देखते हुए झाझा विधायक दामोदर रावत ने रेलवे के दानापुर मंडल के अधिकारियों से बात की। उन्होंने मरम्मत का काम जल्द शुरू करने की मांग की। विधायक ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए काम में तेजी लाई जाए। रेलवे अधिकारियों ने भरोसा दिया कि ओवरब्रिज को जल्द ठीक किया जाएगा। लोगों को राहत मिलेगी। फिलहाल सभी की नजर रेलवे की कार्रवाई पर है कि काम कब तक पूरा होता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता बदलपुर निवासी सत्येंद्र सिंह सुधांशु का श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक, भारतीय जनता पार्टी के बट वृक्ष का बीजारोपण में सहयोगी, विद्यार्थी परिषद के पूर्व जिला प्रमुख, विद्यार्थी परिषद के पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य, भारतीय युवा मोर्चा के पूर्व जिला महामंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता अधिवक्ता सत्येंद्र सिंह सुधांशु का 28/04/2025(सोमवार को) आकस्मिक निधन के उपरांत उनके द्वादश कर्म 08/05/2025(गुरुवार को) श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस श्रद्धांजलि सभा में तेघड़ा विधानसभा सहित प्रखंड की वरिष्ठ एवं कनिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता एवं संघ से जुड़े स्वयंसेवक सहित माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री एवं बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह भी उपस्थित होकर शोकाकुल परिजन को ढाढस बढ़ाते हुए सुधांशु के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अश्रुपूर्ण नेत्रों से उन्हें भावविनी श्रद्धाशुमन अर्पत किया। इस अवसर पर सर्वेश कुमार, केशव शांडिल्य भी अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किए।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व उच्च ग्रह मंडल के महामंत्री सह वरिष्ठ संवाददाता महंत रामजीवन दास बरौनी मंडल अध्यक्ष कुंदन पोद्दार ध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्याम किशोर जी ने किया। एवं मंच संचालन महेश सिंह ने किया। इस अवसर पर सुनील कुंवर , पूर्व विधायक ललन कुंवर , किशोर मोर्चा के जिला महामंत्री सरोज राय, अरुण सिंह, संगीत सुशील , राजेश कुमार गुड्डू। चेयरमैन प्रतिनिधि विद्या कुमार सिंह, खेल मंत्री सुरेंद्र, मेहता , जिला अध्यक्ष राजिव वर्मा,कांग्रेस नेता राजीव रंजन जी पूर्व शिक्षक रामानंद सिंह,, पूर्व उपमुख्य पार्षद सुरेश रौशन उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंदिर प्रांगण में सुधांशु जी का प्रतिमा लगाने का घोषणा की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा की सुधांशु जी संगठन के लिए निस्वार्थ भाव से सदेव कार्य करते रहे। जिन्होंने संगठन के कई वृक्षों को सीचने का काम किया। जिन्हें कोई पद का लालसा नहीं रहा।

लखीसराय पुलिस ने टॉप-10 अपराधी अशोक कुमार को किया गिरफ्तार

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। राज्य पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर बिहार एस०टी०एफ० एवं लखीसराय जिले के पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में जिले के टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल हत्या एवं आर्म्स एक्ट के कांड में वांछित अशोक कुमार उर्फ अशोक साव को लखीसराय थाना क्षेत्र से छापामारी कर गिरफ्तार किया गया।उक्त अपराधी के द्वारा बीते वर्ष-2024 को लखीसराय थाना क्षेत्र की निवासी बसंती देवी एवं लाखो देवी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।उक्त अपराधी के विरुद्ध लखीसराय जिला के लखीसराय थाना में हत्या एवं आर्म्स एक्ट सहित कई कांड दर्ज है !पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि टॉप-10 अपराधी अशोक कुमार उर्फ अशोक साहब की गिरफ्तारी से लखीसराय पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है !उन्होंने कहा कि जिले की पुलिस निरंतर अपराधियों के धर-पकड़ के लिए विशेष अभियान चला रखी है ! लगातार अपराधीयों और वारंटीयों की गिरफ्तारी की जा रही है !एसपी अजय कुमार ने कहा कि जिले की पुलिस के द्वारा अपराध नियंत्रण को लेकर ठोस कार्रवाई की जा रही है !

सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज प्रखण्ड अंतर्गत सिमरिया पंचायत में नाला निर्माण में घोर अनियमितता बरती गई है, ग्रामीणों के विरोध के बावजूद भी मुखिया एवं सचिव द्वारा स्थानीय लोकल सफेद बालू से किया गया कार्य

» मदरलैण्ड संवाददाता

सुपौल। सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज प्रखण्ड अंतर्गत वार्ड नं0 - 03 सिमरिया पंचायत में नाला निर्माण में घोर अनियमितता का मामला सामने आया है।

योजना स्थल पर किसी प्रकार का शिलापट्ट नहीं लगा हुआ है।जिससे पता चले कि यह योजना किस मद से एवं किसके द्वारा कितनी लागत से कहाँ तक बनाई जा रही है ?

सूत्रों के मुताबिक योजना के तल में पीसीसी ढलाई मात्र दो इंच किया गया है। कहीं-कहीं सोलिंग पर पीसीसी ढलाई एवं आरसीसी ढलाई मिलाकर मात्र तीन इंच ही किया गया है।वह भी लोकल (स्थानीय सफेद बालू से) गिट्टी मिर्जा चौकी जिसमें अधिकांश मिट्टी की मात्रा है लगाया गया है।दोनों तरफ वाल को तीन इंच मोटाई में कहीं -कही चार इंच मोटाई में ढलाई किया गया।

हाँ, कुछ लोगों के विरोध पर दीवाल की ऊपरी भाग करीब चार- पांच इंच दीवाल की ढलाई किया गया है।

नीचे सम्पूर्ण तल की ढलाई पीसीसी तथा आरसीसी मिलाकर मात्र दो से तीन इंच ही किया गया है।

जबकि सोलिंग पर पीसीसी एवं आर सी सी ढलाई छह इंच होना चाहिए था।

ग्रामीणों के मुताबिक नाला निर्माण में केवल 8 एमएम सरिया तल ढलाई में लगाया गया है तथा सम्पूर्ण तल ढलाई में स्थानीय (लोकल) सफेद बालू ,मिट्टियुक्त गिट्टी का इस्तेमाल किया गया है।

हालांकि कहीं- कहीं लाल बालू भी दिखावे के लिए रखा गया है।

हालांकि ऊपर के ढक्कन में सफेद बालू एवं लाल बालू मिलाकर दिया गया।

ग्रामीणों के मुताबिक नाला निर्माण में जमीन का लेवल भी नहीं मिलाया गया है कि आखिर पानी किधर बहेगा उत्तर दिशा तरफ या दक्षिण दिशा की तरफ ?

नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बिहार अति मत्वपूर्ण सात निश्चय योजना नल जल की धज्जियां उड़ा दी गयी है जगह-व-जगह करीब पांच सौ फीट में लगे पाइप लाइन को काटकर

● सरकार की अति महत्वपूर्ण सात निश्चय योजना नल-जल का पाइप जगह -व-जगह काटकर हटा देने से इस भीषण गर्मी में पेयजल के लिये आम जन मानस में त्राहिमाम !

अलग -थलग कर दिया गया है। जिससे आम जन मानस खास कर गरीब तबके के लोगों को इस भीषण गर्मी में पेयजल उपलब्ध नहीं है। त्राहिमाम की स्थिति बनी हुई है !बताया जाता है कि मुखिया दबंग प्रवृति के हैं जिससे आम जन मानस डर से कुछ नहीं बोल पाते हैं।

क्या कहते हैं पंचायती राज पदाधिकारी ?

बताया गया कि इसको दिखवाते है - मनीष झा बीपीआरओ त्रिवेणीगंज

इस सम्बंध में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी त्रिवेणीगंज के मोबाइल नं0 - 9031072052 पर कई बार सम्पर्क करना चाहा किन्तु रिंग होते रहा लेकिन बीडीओ अभिनव भारती ने मोबाइल रिसीव करना मुनासिब नहीं समझा।

आवश्यकता है ऐसे योजनाओं को अधिकारी स्तर से जांच करने की जिससे गुणवक्ता में सुधार लाया जा सके। जिससे जनहित का कार्य गुणवकतापूर्ण हो सके अन्यथा ऐसी योजनाएं समय से पहले ध्वस्त हो जाया करती है और लूट खसोट का अड्डा बन कर रह जाता है।

इस भीषण गर्मी में गरीबों को पेयजल त्राहिमाम से बचाया जा सके।

अब मरीजों को कागज के पैकेट में मिल रहा है दवा, प्लास्टिक मुक्त पहल की हो रही सराहना

दवा वितरण की प्रक्रिया में हुआ बदलाव

» मदरलैण्ड संवाददाता

झाझा। झाझा रेफरल अस्पताल में मरीजों को दवा वितरण की प्रक्रिया में बदलाव करते हुए अब दवाएं कागज के बने पैकेट में दी जा रही हैं। पहले मरीजों को दवा काउंटर से सीधे हाथ में दवाएं दे दी जाती थीं, लेकिन अब स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए बड़े कागज के पैकेट में दवाओं को सुरक्षित पैक करके दिया जा रहा है।अस्पताल प्रबंधक नवनीत कुमार ने बताया की यह बदलाव राज्य स्वास्थ्य समिति पटना द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय डाटा एनालिटिक्स बैठक के निर्णय के अनुसार किया गया है। बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि मरीजों को दवा हाथ में देने की बजाय एक सुरक्षित पैकेट में दी जाए। इसके तहत जब विभाग द्वारा कागज के पैकेट अस्पताल को उपलब्ध कराए गए, तब बुधवार से यह नई व्यवस्था लागू कर दी गई।साथ ही अस्पताल में तकनीकी सुविधाएं भी जोड़ी जा रही हैं। मरीजों को आनलाइन पंजीकरण के बाद अपनी बारी की जानकारी डिजिटल टोकन डिस्प्ले मशीन के माध्यम से दी जा रही है। वहीं दवाओं की उपलब्धता की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैनर मशीन लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।नई व्यवस्था से मरीज काफी संतुष्ट नजर आ रहे हैं। मरीजों ने कहा कि पहले दवाएं अधिक होने पर उन्हें हाथ में ले जाना कठिन होता था और इसके लिए प्लास्टिक पैकेट का सहारा लेना पड़ता था। अब कागज के पैकेट में दवा मिलने से सुविधा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

दिनदहाड़े फायरिंग में युवक घायल, पुरानी रंजिश की आशंका?

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़ी सांख वार्ड नंबर 9 निवासी 30 वर्षीय राजेश यादव पर दिनदहाड़े बाइक सवार तीन अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की। घटना उस वक्त हुई जब राजेश अपने खेत में पपीता तोड़ने जा रहे थे। हमलावरों ने मुंह पर मास्क बांध रखा था और फायरिंग कर राजेश को घायल कर फरार हो गए। गोली की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल राजेश को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

सदर डीएसपी सुबोध कुमार, ने बताया प्रारंभिक जांच में यह घटना पुरानी रंजिश से जुड़ी हो सकती है। राजेश की पहली पत्नी रिंकू देवी की मृत्यु के बाद उन्होंने दूसरी शादी रूबी देवी से की थी। रूबी दो साल बाद राजेश को छोड़कर अपने पूर्व पति अमरजीत यादव के पास समस्तीपुर के रोसरा थाना क्षेत्र स्थित देन पुर चली गई। वहीं रूबी के मायके बेगूसराय के सोनबरसा में है। बताया जाता है कि रूबी ने जाते वक्त राजेश से कुछ रुपये-पैसे भी लिए थे।

डीएसपी ने बताया कि अमरजीत यादव हाल ही में जेल से रिहा हुआ है, जिसके चलते उस पर शक जताया जा रहा है। हालांकि, गोलीबारी के पीछे के सटीक कारण और हमलावरों की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और जल्द ही तथ्यों का खुलासा होने की उम्मीद है।

कांग्रेस समाज के निचले पायदान के लोगो से सम्पर्क अभियान का रही है

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। कांग्रेस इन दिनों नये तेवर और कलेवर में नजर आ रही हैं। राजनीति के पारंपरिक तौर तरीकों से बिलकुल अलग कांग्रेस नये प्रयोग कर रही है। इसके तहत कांग्रेस जिले के भिन्न भिन्न इलाकों में अलग अलग वर्गों के बीच जाकर चुनाव से पहले उनकी समस्याएं सुन रही हैं जिसमें बड़े नेता शामिल रहे हैं, उन समस्याओ का संकलन कर ऊपर भेजा जा रहा है और कांग्रेस वादा कर रही है कि इन समस्याओं को चुनावी घोषणापत्र में शामिल किया जाएगा। इस क्रम में आज सदर प्रखंड के रजौरा पंचायत में किसान संवाद आयोजित किया गया। इस संवाद में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सह बिहार प्रभारी शाहनवाज आलम, पर्यवेक्षक अमन सिद्दीकी, पूर्व सदर विधायक श्रीमती अमिता भूषण, जिलाध्यक्ष अभय कुमार सार्जन, तारापुर के पूर्व प्रत्याशी राजेश मिश्रा सहित दर्जनों नेता नें अपनी बात रखी।

मूल रूप से किसानों नें खाद बीज की किल्ल्त, उसकी कालाबाजारी, बैंको द्वारा ऋण देने में आनाकानी, बाढ़ सुखाड़ में सरकार द्वारा सहायता का ना मिलना बताया। किसानो की दयणीय अवस्था के लिये आमलोगों ने सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। इस संवाद की अध्यक्षता स्थानीय कांग्रेस नेता व किसान श्री कांत राय कर रहे थे। प्रभारी श्री शाहनवाज आलम ने गहराई से लोगों की बात सुनते हुए आश्वासत किया हम आपकी बातों को अपने शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचएंगे और निश्चित रूप से इसे कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। पूर्व विधायक श्रीमती भूषण ने बताया कि कैसे यह सरकार किसानो पर अत्याचार कर रही हैं, न्यूनतम समर्थन मूल्यांकन के नाम पर किसानों को बरगला रही हैं। उन्होंने कांग्रेस की इस पहल के लिये शीर्ष नेतृत्व का आभार भी प्रकट किया। मौके परकांग्रेस इन दिनों नये तेवर और कलेवर में नजर आ रही हैं।राजनीति के पारंपरिक तौर तरीकों से बिलकुल अलग कांग्रेस नये प्रयोग कर रही है। इसके तहत कांग्रेस जिले के भिन्न भिन्न इलाकों में अलग अलग वर्गों के बीच जाकर चुनाव से पहले उनकी समस्याएं सुन रही हैं जिसमें बड़े नेता शामिल रहे हैं, उन समस्याओ का संकलन कर ऊपर भेजा जा रहा है और कांग्रेस वादा कर रही है कि इन समस्याओं को चुनावी घोषणापत्र में शामिल किया जाएगा। इस क्रम में आज सदर प्रखंड के रजौरा पंचायत में किसान संवाद आयोजित किया गया। इस संवाद में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव साह बिहार प्रभारी शाहनवाज आलम, पर्यवेक्षक अमन सिद्दीकी, पूर्व सदर विधायक श्रीमती अमिता भूषण, जिलाध्यक्ष अभय कुमार सार्जन, तारापुर के पूर्व प्रत्याशी राजेश मिश्रा सहित दर्जनों नेता नें अपनी बात रखी मूल रूप से किसानों नें खाद बीज की किल्ल्त, उसकी कालाबाजारी, बैंको द्वारा ऋण देने में आनाकानी, बाढ़ सुखाड़ में सरकार द्वारा सहायता का ना मिलना बताया। किसानो की दयणीय अवस्था के लिये आमलोगों ने सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। इस संवाद की अध्यक्षता स्थानीय कांग्रेस नेता व किसान श्री कांत राय कर रहे थे। प्रभारी श्री शाहनवाज आलम ने गहराई से लोगों की बात सुनते हुए आश्वासत किया हम आपकी बातों को अपने शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचएंगे और निश्चित रूप से इसे कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। पूर्व विधायक श्रीमती भूषण ने बताया कि कैसे यह सरकार किसानो पर अत्याचार कर रही हैं, न्यूनतम समर्थन मूल्यांकन के नाम पर किसानों को बरगला रही हैं। उन्होंने कांग्रेस की इस पहल के लिये शीर्ष नेतृत्व का आभार भी प्रकट किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह, संचालक श्रीकांत राय, सोहित ताँती, कमर अंसारी, हरेराम सिंह, बलबंत सिंह, प्रो0 रामाश्रय राय, राजेन्द्र पासवान, कमल किशोर पोद्दार, रामानंदसिंह, मो0 इमरान, मो0 एजाज, बुलेट सिंह, पप्पु कुमार, बौकु सिंह, अभय कुमार, विजय शर्मा, मन्नु भारती, मुकेश सिंह, मो0 कुद्दुस, सूर्यकांत राय, अमरेश राय, आर्यन कुमार, मनोज राय, कृष्णानंदन सिंह, अरुण राय, जयप्रकाश गुप्ता, रामउदगार महतो, रामधनी ताँती, मुकेश प्रियदार्श सहित सैकड़ों किसान मौजूद हुए

सुरक्षा के मार्क ड्रिल का अभ्यास किया

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। जिला अंतर्गत नागरिक सुरक्षा के मॉक ड्रिल के अभ्यास के तहत जिला प्रशासन द्वारा ओमर बालिका उच्च विद्यालय बिशनपूर, एमआरजेडी कॉलेज , सदर अस्पताल बेगूसराय एवं इंजीनियरिंग कॉलेज बेगूसराय में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया।मौके पर सिविल सर्जन बेगूसराय, अनुमंडल पदाधिकारी बेगूसराय सदर, अनुमंडल पदाधिकारी बेगूसराय सदर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अग्निशमक के पदाधिकारी, एएनएम एवं नागरिक सुरक्षा समिति के कर्मी उपस्थित थे।इस अवसर पर सदर अस्पताल बेगूसराय नागरिक सुरक्षा के सदस्यों, डॉक्टर, नर्स एवं अग्निशमन के कर्मी द्वारा आपदा के समय में खुद को सुरक्षित करते हुए कैसे आम नागरिकों की जान बचानी है, इसकी मॉकड्रिल की गई।इस नागरिक सुरक्षा अभ्यास अंतर्गत किसी भी आपातकालीन स्थिति में अपने आप को एवं दूसरों को जान को बचाने के लिए विभिन्न तरीके का अभ्यास किया गया। जिस्म किसी बिल्डिंग के गिरने अथवा आग लगे के उपरांत घायल लोगों को फर्स्ट एड करना एंबुलेंस बुलाते हुए एंबुलेंस तक पहुंचाना आवश्यकता अनुसार सीपीआर देना एवं फायर अग्निशमन वाहन को बुलाकर आपको बुझाने का प्रयास करने आदि संबंधित सभी क्रियायों का प्रदर्शन किया गया इसके बाद नागरिक सुरक्षा के ब्लैकआउट मॉक ड्रिल के तहत संध्या में 6.58 मिनट में पूरे जिले में सायरन की बजायी गई, तथा बिजली विभाग द्वारा आपूर्ति बंद कर दी गई। शहर के मुख्य चौक-चौराहों पर पुलिस की वाहनों द्वारा सायरन बजाया गया। पूरा शहर अंधेरे में डूब गया। आम लोगों द्वारा ब्लैकआउट में जिला प्रशासन को भरपूर सहयोग किया गया। जिला पदाधिकारी, बेगूसराय श्री तुषार सिंगला ने ब्लैकआउट कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आम नागरिकों के साथ-साथ पत्रकारों को भी धन्यवाद दिया तथा इस प्रकार के कार्यक्रम आने वाले दिनों में भी कराये जाने की बात कहीं।बतातें चलें कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर बेगूसराय जिला अंतर्गत सिविल डिफेंस की मॉक ड्रिल के तहत कल 7 मई को शाम 7 बजे से 7 बजकर 10 मिनट तक तक नागरिक सुरक्षा एवं ब्लैकआउट को लेकर मॉकड्रिल करने का आदेश दिया गया था, जिसके आलोक में बेगूसराय एवं बरौनी में ब्लैकआउट का मौक ड्रिल का आयोजन किया गया।

गोली लगने से एक बच्ची की दर्दनाक मौत

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। भगवानपुर थानान्तर्गत ग्राम मानोपुर वार्ड नं0-09 में घटित घटना के संबंध में:गोली लगने से बच्ची की मौत- भगवानपुर थाना कोएक सूचना मिली कि ग्राम मानोपुर में एक बच्ची को गोली लगी है।प्राप्त सूचना पर अविलंब अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तेघड़ा एवं भगवानपुर थाने के पुलिस पदाधिकारी व सशस्त्र बल भगवानपुर थाना के द्वारा सूचनानुसार ग्राम मानोपुर स्थित स्थल के पास पहुँचकर मामलें की जॉच पड़ताल की गयी।आसपास उपस्थित स्थानीय लोगों से पुछताछ करने पर बताया गया की मृतक बच्ची का नाम निकिता कुमारी उम्र करीब-02 वर्ष, पे०- रंजन साव सा०-काजीरसलपुर थाना-भगवानपुर जिला-बेगूसराय है, जो मानोपुर अपने नाना अमरजीत साव पे०-जगदीश साव के घर पर शादी समारोह में अपनी माँ के साथ आयी थी, साथ ही उपस्थित परिजनों के द्वारा घटना के संबंध में बताया गया की पड़ोसी छोटू महतो से पूर्व के विवाद एवं पैसे की लेन देन को लेकर अचानक छोटू महतो पे०-रूदल महतो घर पर पहुँचकर बच्ची को गोली मार दिया तथा भाग गये। गम्भीर रूप से जख्मी बच्ची को ईलाज हेतू अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गयी। तत्पश्चात पुलिस टीम के द्वारा घटनास्थल की जाँच ऋ्रद्दर.छ टीम से करायी गयी तथा मृतक बच्ची के शव को विधिवत पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया की जा रही है।> पुलिस अधीक्षक बेगूसराय के द्वारा घटित घटना को गंभीरता से लेते हुए निदेर्शानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तेघड़ा के नेतृत्व में भगवानपुर थाने की पुलिस टीम के द्वारा घटना में संलिप्त अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी करते हुए विधि-सम्मत आवश्यक अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

दिव्यांग पहचान शिविर का आयोजन

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। छोराही प्रखंड कार्यालय परिसर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सभागार में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर कमलेश कुमार की अध्यक्षता में दिव्यांग पहचान शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। जानकारी देते बीआरपी कल्पना कुमारी ने बताया कि यु डी आई डी कार्ड हेतु शिविर का आयोजन जिला दिव्यांग जैन सशक्तिकरण निदेशालय बिहार पटना के पत्रांक 554 दिनांक 2 में 2025 के द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली द्वारा दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उनके दिव्यंका प्रमाणी करन करने उन्हें स्वास्थ्य सुविधा समेत अन्य सरकारी सुविधा प्रदान करने तथा सभी सरकारी योजना से अच्छादित करने हेतु निदेर्शानुसार 14 दिव्यांग की पहचान संवाद संकलन तक किया गया है। मौके पर स्वास्थ्य प्रबंधक डाटा ऑपरेटर अजीत कुमार समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

अवैध रूप से सरकारी पंचायत भवन निर्माण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। अल्पसंख्यक बहुल इलाका लारूआरा में अवैध सरकारी पंचायत भवन निर्माण लेकर पुलिस और ग्रामीणों के बीच अफरातफरी का माहौल बन गया। पंचायत भवन बनाने के लिए पुलिस,जिला प्रशासन एवं ग्रामीणों के बीच नोक झोक भी हुई।

सदर एसडीओ राजीव कुमार के नेतृत्व में दर्जनों पुलिस बल को लेकर लरूआरा गांव पहुंचकर सरकारी पंचायत भवन बनाने का काम शुरू कर दिया।इसके बाद जिला प्रशासन को ग्रामीणों के काफी विरोध का सामना करना पड़ा।जहां प्रशासन ने स्थानीय ग्रामीणों को बल का प्रयोग करते हुए खदेड़ा। लरूआरा पंचायत के ग्रामीण व जमीन मालिक के वंशज मो.फैयाज ने बताया कि जिस जमीन पर अवैध रूप से सरकारी पंचायत भवन का निर्माण कराया जा रहा है।वह जमीन मेरे दादा हाजी मोहम्मद इदरीश के नाम से 09 कट्ठा 7 दूर जमीन बंदोबस्त है।जो एक प्रकार का गड्ढा है।जिसमें पूरे लरुआरा पंचायत के वासियों का नाले का पानी बहता है।अगर इस स्थान पर सरकारी पंचायत भवन का निर्माण होने से लरुआरा पंचायत के लोगों के नाले की पानी बंद हो जाएगा।जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

ग्रामीणों का जिला प्रशासन से कहना है कि नाले का पानी बहाने का इंतजाम दिया जाए। उसके बाद आप सरकारी पंचायत भवन बना लीजिए। लेकिन प्रशासन का कहना है सरकारी भवन पास हो गया हम भवन बनाकर रहेंगे। डीएम का का आर्डर है। उसके बाद ही हम कुछ करेंगे इस पर पब्लिक, पुलिस और जिला प्रशासन के बीच तनाव हो गया। कई बार एसडीओ मौके पर जाकर लोगों को समझा बुझाया लेकिन कोई लोग मानने को तैयार नहीं हैं। सिर्फ उन लोगों का कहना है कि हमारा पानी कहां गिरेगा वह इंतजाम कर दीजिए।जिला प्रशासन भवन बना लीजिए।हम ग्रामीणों को कोई तकलीफ नहीं होगा। लेकिन इसी बीच गांव के खास परिवार के लोग दावा ठोक दिया कि ये जमीन हमारी है। जमीन हमारे पूर्वज का है जिस पर हमारे पास रसीद और केवाला है। वहीं एसडीएम का कहना है की जमीन सरकारी है गलत तरीके से लिखवा लिया है यह जमीन सरकारी है सरकार का भवन बनकर रहेगा। यह मामला पिछले कई महीनो से चला आरहा था। मंगलवार अचानक दर्जन में पुलिस बल महिला और जेंस को देख कर ग्रामीण सहन गए और पीछे हट गए वहीं जेसीबी के द्वारा एसडीओ सदर ने मौके पर खड़ा होकर नाली बंद करवाया और लोगों को हरकाया, खबर लिखे जाने तक कोई अप्रिय घटना की खबर नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

लोजपा एवं भाजपा की सदस्यता छोड़कर राजद कालिया सदस्यता, राजद नेताओं ने किया स्वागत

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। कटिहार जिले के प्राणपुर प्रखंड मुख्यालय में राजद के तत्वावधान में सामाजिक न्याय पर चर्चा कार्यक्रम में लोजपा के युवा जिला अध्यक्ष दीपक कुमार सहित अमर कुमार, जीवन कुमार शर्मा राजीव कुमार शर्मा, अनिल कुमार शर्मा, भाजपा के विजय कुमार,संतोष कुमार ने अपने-अपने पार्टी से नाता तोड़कर राजद की सदस्यता ग्रहण किया। राजद के जिला अध्यक्ष इशरत प्रवीण, पूर्व शिक्षा मंत्री अली अशरफ फातमी,राजद पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी राजद पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय यादव, पूर्व विधायक अनिल यादव ने माला पहनकर अभिनंदन किया। राजद जिला अध्यक्ष इशरत परवीन ने कहा कि लोजपा एवं भाजपा पार्टी के सर्वाधिक कार्यकताओं ने अपने पार्टी से पद एवं सदस्यता को त्याग देकर राजद में शामिल होने का हम स्वागत करते हैं। इनके राजद में शामिल हो जाने से राजद का संगठन और भी मजबूत होगा। लोजपा एवं भाजपा को छोड़कर रजत में शामिल करने वाले नेताओं को जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष जाकिर हुसैन,राजद के नेता लाखों यादव, विनय कुमार, मनोहर यादव, भोला यादव, राजेश कुमार यादव,सुदामा प्रसाद सिंह, वंदना यादव, मोहम्मद जाहिद, लक्ष्मीकांत विश्वास, इफ्तिखार आलम, अख्तर बबलू, मधु ने स्वागत करते हुए बधाई दिया है।

राष्ट्रीय जनता दल का सामाजिक न्याय परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्राणपुर प्रखंड मुख्यालय के प्रशाल भवन के प्रांगण में राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा सामाजिक न्याय परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता राजद के प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मीकांत विश्वास ने किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व जीप अध्यक्ष जाकिर हुसैन ने किया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में दरभंगा के पूर्व सांसद अली अशरफ फातमी उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में राजद के जिलाध्यक्ष इशरत प्रवीण सहित कई लोगो ने संबोधित किया। कार्यक्रम में राजद पार्टी के सैकड़ों कार्यकताओं ने भाग लिया। इस दौरान राजद के पूर्व सांसद श्री फातमी ने कहा कि हम लोगों को एकजुटता की जरूरत है। उंन्होने कहा कि डबल इंजन की सरकार में महगाई चरम सीमा पार कर गयी है। बेरोजगार रोजगार की तलाश में भटक रहा है। हजारों लोगों का बिहार से हर दिन पलायन हो रहा है। वही राजद के जिलाध्यक्ष सुश्री प्रवीण ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर हम सभी लोगो को चुनाव लड़ना है। उंन्होने प्रखंड अध्यक्ष को बूथ लेवल कमिटी तैयार करने की बात कही है। उंन्होने जदयू और बीजेपी पार्टी पर प्रहार करते हुए कहा कि इस सरकार में भ्ष्टार्चार चरम सीमा पर है। प्रखंड स्तर पर गरीबो को बिना पैसा दिए कोई काम नही होता है। इस सरकार में हत्या ,लूट ,बेरोजगारी बढ़ गयी है। वही जिलाध्यक्ष ने कहा कि स्वास्थ्य ,शिक्षा में कोई बेहतर काम नही हो रहा है। उंन्होने कहा कि नीतीश कुमार अब रिटायर हो चुके है। बिहार में तेजस्वी यादव को आगामी विधानसभा में मुख्यमंत्री बनाना है। इसके लिए अभी से ही सभी कार्यकताओं को इसमें एक जुट होकर काम करने की जरूरत है। इस अवसर पर विधायक अंजार नईमी ,पूर्व विधायक अनिल यादव ,लाखो यादव ,मो जाहिद ,मनोहर यादव ,भोला पासवान ,दीपक सिंह ,वंदना यादव ,मो मजिरुद्दीन ,हीरालाल भगत ,मो करीम ,मो जहांगीर ,राजेश कुमार यादव,मुन्ना यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

आल बिहार ब्राह्मण फेडरेशन के नए जिला अध्यक्ष बने विकास कुमार ठाकुर, लोगों ने दी बधाई

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। आल बिहार ब्राह्मण फेडरेशन की कटिहार जिला इकाई के नए जिलाध्यक्ष के रूप में हसनगंज प्रखंड अंतर्गत पारा निवासी श्री विकास कुमार ठाकुर को सर्वसम्मति से चुना गया है। उनकी नियुक्ति पर समाज के विभिन्न वर्गों, कार्यकताओं और संगठन के पदाधिकारियों ने उन्हें हृदयपूर्वक बधाई दी है। इस अवसर को समाज में एकजुटता और विकास की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष श्री संतोष कुमार झा ने विकास ठाकुर की सराहना करते हुए कहा कि वे लंबे समय से संगठन से जुड़े हुए एक समर्पित और अनुभवी कार्यकर्ता हैं। उनके नेतृत्व में जिले में शिक्षा, सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को नई दिशा मिलेगी। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विकास कुमार ठाकुर ने कहा, ₹मैं समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी कार्यकताओं के साथ मिलकर काम करूंगा और संगठन की मजबूती के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा।₹इस अवसर पर प्रमोद कुमार ठाकुर, जगतानंद ठाकुर, मुकेश झा, संजय कुमार पाठक, राजीव कुमार झा, रजनीत कुमार ठाकुर सहित कई लोगों ने हर्ष जताया और विकास कुमार ठाकुर के नेतृत्व में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने की उम्मीद जताई।

अलीगंज प्रखंड के महादलित टोलो में ऊ्रऊउ के द्वारा किया विशेष विकास शिविर का आयोजन

मदरलैण्ड संवाददाता, अलीगंज। डॉ अंबेडकर समग्र सेवा अभियान अंतर्गत विशेष विकाश शिविर के संदर्भ में जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र के कर्मियों द्वारा डॉ अम्बेडकर कल्याण छात्रावास (ङङटउङ्क"ीी, खें४) मे सीनियर छात्रों और प्रोफेसर से मिलकर जागरूकता कार्यक्रम सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया,जिसमें कैथा,मिजार्गंज,दरखा पंचायत के महादलित टोला में शिविर लगाया गया,जिसमें युवाओं को कुशल युवा कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना ,बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की विस्तृत जानकारी साझा की गई। सकुशल युवा कार्यक्रम में 10 आवेदन प्राप्त हुई, वहीं इसको लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिषेक भारती की अध्यक्षता में सभी विकास मित्रो को विकास मित्रो के साथ समीक्षात्मक बैठक किया गया जिसके निबंधन की प्रकिया ऊ्रऊउ के कर्मियों द्वारा हर पंचायत में शिविर लगाकर छात्र छात्राओं को जागरूक करना है, एवं ऊ्रऊउ के कमीयी को सहयोग करने एवं कैम्प उपस्थित रहने का निर्देश दिया,मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिषेक भारती,संतोष कुमार साह (सहायक प्रबंधक , बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम) ,श्री सचिन कुमार, सहायक प्रबन्धक (योजना), श्री इन्द्रसेन कुमार सिन्हा, सहायक प्रबंधक (योजना) और श्री अमित कुमार गुप्ता (IT Supervisor) कुशल युवा केन्द्र,अलीगंज के संचालक श्री मधुसूदन कुमार एवं नवीन कुमार भी बैठक में मौजूद रहे।

कटिहार जिले में रसोइयों को बिना प्रशिक्षण भुगतान की हो जांच,सीएम को रोशन लिखेंगे पत्र

» मदरलैण्ड संवाददाता

- जदयू प्रदेश महासचिव रोशन अग्रवाल ने मदरलैंड वॉइस से कहा सरकार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराती।इन बच्चों के भोजन बनाने के लिए विद्यालयों में रसोइयों को प्रतिनियुक्त किया गया है।सरकार उनको भी भुगतान करती है।इन रसोइयों को प्रशिक्षण देने के नाम पर अगर कटिहार जिले के प्रखंडों में सरकारी खजाने से कागजी घोड़ा दौड़ा कर अवैध तरीके से राशि की निकासी की गई है।तो मामले को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर जांच की मांग करेंगे।और जो दोषी हो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।हलांकि इस संदर्भ में बारसोई प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मुमताज अहमद ने कहा उनके बारसोई प्रखंड में इस तरह का काम नहीं हुआ है।बहरहाल मामले की भी कागजी पड़ताल अपने स्तर से करने की बात अग्रवाल ने कही है।
- कटिहार जिले के कदवा,बलरामपुर,समेली,मनिहारी, बरारी,सेमापुर,कुसेर्ला सहित अन्य प्रखंडों में रसोइयों को प्रशिक्षण दिए जाने के नाम पर राशि की निकासी अवैध तरीके से किए जाने का का दवा सूत्र कर रहे हैं।बहरहाल किए जा रहे दावों की पुष्टि मदरलैंड वॉइस नहीं करती है। लेकिन इतना जरूर कहेंगे।इस पूरे प्रकरण की कटिहार जिला पदाधिकारी मनेश कुमार मीणा अगर जांच कराते हैं।तो निश्चित तौर पर सरकारी टकसाल से फर्जी तरीके से जिस तरह राशि निकासी की गई है।कई चेहरे बेनकाब होंगे।

कटिहार। शिक्षा विभाग पटना से प्राप्त मध्यान भोजन योजना से संबंधित पत्रांक-690, दिनांक 7 मार्च 2024 एवं 9 मार्च 2024 के निर्देश के आलोक में कटिहार जिले के सभी प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों एवं रसोइया सहायकों का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया गया था।यह प्रशिक्षण प्रत्येक प्रखंड संसाधन केंद्र में मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से प्रतिदिन दो बैचों में, प्रोजेक्टर, लैपटॉप एवं स्पीकर की सहायता से कराया जाना था।

हलांकि खान की कटिहार जिले के कदवा प्रखंड सहित अन्य प्रखंडों में अन्य कुछ अन्य प्रखंडों में इस प्रशिक्षण को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, यहाँ पहले दिन नाममात्र प्रशिक्षण की शुरूआत तो कर दी गई लेकिन प्रशिक्षण पूरा नहीं किया गया जिससे प्रखंड के सभी रसोईया अप्रशिक्षित रह गई।वर्तमान में अप्रशिक्षित रसोईया ही सभी प्रारंभिक विद्यालयों में भोजन पका रही है।हद तो तब हो गई जब भ्रष्टाचार की सारी हदें लांघ कर संबंधित प्रखंड साधनसेवी द्वारा प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूर्ण बताकर बील विभाग को सौंपी गई और भुगतान भी करवा लिया गया। विभागीय पत्र के अनुसार 1अप्रैल2024 को मास्टर ट्रेनर के रूप में श्रीमती सीमा देवी एवं किशोर कुमार मंडल की नियुक्ति हुई थी, जबकि 2 अप्रैल को अल्पना देवी एवं गोरी देवी को जिम्मेदारी दी गई। इसी प्रकार 3 और 4 अप्रैल को फिर से इन्हीं मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई थी।

इस पूरे प्रकरण को लेकर रसोईया संघ में नाराजगी है और यह चर्चा का विषय बना हुआ है।अब सवाल यह उठता है कि जब रसोइयों को प्रशिक्षण मिला ही नहीं तो विद्यालयों में मध्यान भोजन की गुणवत्ता कितनी सुनिश्चित हो रही है? मानकों से पड़े पकाए गए भोजन को खिलाए जाने से बच्चों के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता होगा।अब यह देखना दिलचस्प होगा कि शिक्षा विभाग इस लापरवाही और भ्रष्टाचार पर क्या कदम उठाती है?क्या बिना प्रशिक्षण के भुगतान कराने वाले प्रखंड साधनसेवी पर कार्रवाई होगी, या

मामला यूँ ही दबा दिया जाएगा?

वहीं उप प्रमुख मो.रफीक ने बताया प्राणपुर प्रखंड क्षेत्र के सभी रसोइयों को गुणवत्तापूर्ण मध्यान भोजन बनाने को लेकर प्रशिक्षण दिया जाना था।लेकिन संबंधित विभाग के वरीय अधिकारियों की ईमानदार प्रयास में भारी लापरवाही के कारण रसोइयों को प्रशिक्षण नहीं दिया जा सका मामले की जांच होनी चाहिए।

दुस्साहस:-आजमनगरइएडके निर्गत स्पष्टीकरण पत्र के 11 दिन बाद भी ल्टने नहीं दिया जवाब

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कटिहार कटिहार जिले के आजमनगर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ने प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिकटिया के प्रधान इफ्त आरा के नाम स्पष्टीकरण निर्गत किया है।उक्त पत्र दिनांक25/4/25को निर्गत किया है।जिसका पत्रांक175है।बताते चलें उक्त विद्यालय प्रधान द्वारा विद्यालय की चहारदीवारी को तोड़ ईंटें बेच दिए जाने मामले में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधीर कुमार ने स्पष्टीकरण पत्र निर्गत किया है।

निर्गत पत्र में निर्देशित किया है।कि पत्र प्राप्ति के 24घंटे के अंदर जवाब देना है।लेकिन पत्र प्राप्ति के24घंटे को तो छोड़िए निर्गत स्पष्टीकरण पत्र के11दिन बाद भी मामले में अब-तक किसी तरह का कोई जवाब विद्यालय प्रधान इफ्त आरा द्वारा निर्गत स्पष्टीकरण के विरुद्ध में बीआरसी कार्यालय में जमा किया गया है।इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।कि विद्यालय प्रधान कितनी मनबढ़उ हैं।पत्र में यह भी कहा गया है।कि अगर24घंटे में जवाब नहीं आता है। तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी।तो अब सवाल उठता है।

निर्गत पत्र के11दिन गुजरने के बावजूद प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी कोई संतोष जनक कार्रवाई नहीं कर पाए।जो अपने आप में एक बड़ा सवाल बनकर रह गया है।

मालूम हो प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी आजमनगर द्वारा उक्त स्पष्टीकरण की कार्रवाई से जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी अवगत कराया गया है।

बोलेरो बाइक में हुई टक्कर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल सीएचसी में चल रहा इलाज

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। छोराही थाना क्षेत्र के दौलतपुर मालीपुर पथ के सोने शतन इंटर कॉलेज के निकट गुरुवार को बोलोरो बाइक की टक्कर में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को स्थानीय लोगों के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई देर नहीं करते पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छौराही मैं इलाज के लिए भर्ती कराया। घायल की पहचान समस्तीपुर जिला अंतर्गत रोसरा थाना के एरोत मुसहरी गांव निवासी मोहम्मद इदरीश का पुत्र मोहम्मद मुन्ना 42 वर्ष के रूप में किया गया है। घटना जब हुई बाइक सवार हसनपुर के तरफ से रोसरा की तरफ जा रहा था और बोलेरो रोसरा के तरफ से गढ़पुरा के तरफ जा रही थी। संतुलन खो जाने के कारण स्थानीय लोगों के अनुसार घटना घटी है। घटनास्थल से ड्राइवर समेत बोलोरो और छतिग्रस्त बाइक पुलिस अपने कब्जे में ले लिया है। ड्राइवर की पहचान जिला के बखरी थाना अंतर्गत रतन गांव निवासी सुरेश शाह के रूप में किया गया है। प्रभारी थाना अध्यक्ष कंचन कुमार दास ने बताया कि ड्राइवर और दोनों वहां पुलिस कब्जे में ले लिया है घायल का इलाज चल रहा है। बताते चलें जख्मी मुन्ना बाइक सवार का डॉक्टर के मुताबिक दाया पांव टूट चुका है सर में चोट है और बाया हाथ भी फ्रैक्चर बताया गया है। डॉक्टर ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद घायल को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय रेफर कर दिया जाएगा।

प्राणपुर में राजद ने किया सामाजिक न्याय परिचर्चा का आयोजन

कटिहार में तीन कम से कम तीन सीट पर चुनाव लड़ेगें:फातमी

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कटिहार जिले के प्राणपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रशाल भवन में राजद के तत्वावधान में सामाजिक न्याय परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में बड़ी संख्या में लोग भाग लिया।परिचर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मी कांत विश्वास ने किया। मंच संचालन जिला परिषद पूर्व अध्यक्ष जाकिर हुसैन ने किया। मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री सह पूर्व सांसद अली अशरफ फातमी, राजद पंचायती राजद के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी, पूर्व विधायक अनिल यादव रहे। सामाजिक न्याय परिचर्चा कार्यक्रम में मुख्य भूमिका राजद जिला अध्यक्ष इशरत प्रवीण ने निभायी।

मंच पर अतिथि के रुप में राजद पंचायती राज के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय यादव, मनिहारी नगर पंचायत के मुख्य पार्षद सह प्रदेश युवा सचिव लाखों यादव, प्रदेश सचिव सुदामा प्रसाद सिंह, प्रदेश महिला महासचिव वंदना यादव, मो0 जाहिद,अख्तर बबलू रहे।

।रिचर्चा को संबोधित करते हुए राजद जिला अध्यक्ष इशरत परवीन ने कहा कि राजद पार्टी ने संपूर्ण बिहार में सामाजिक न्याय के तहत कार्य कर रही है। सामाजिक न्याय के तहत आम लोगों के अधिकार के लिए कार्य करती है।राजद जिलाध्यक्ष अध्यक्ष इशरत परवीन ने कहा कि हमारे देश के पुरखों के जीवन आदर्श को लेकर जो समाज के प्रति कल्पना की गई थी। उसे साकार करने में राजद परिवार लगे हुए हैं। परिचर्चा को संबोधित करते हुए पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री सब पूर्व सांसद अली अशरफ फातमी ने कहा कि कटिहार में तीन कम से कम तीन सीट पर चुनाव लड़ेगें। कटिहार जिले के तीनों विधानसभा तीनों सीटों पर कामयाबी हो,इसके लिए हम सभी को एक जुट होकर कार्य करने की जरूरत है। श्री फातमी ने कहा कि राजद का टारगेट यह है कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बिहार का बनना है। उन्होंने कहा कि आज मुल्क संकट में के दौर से गुजर रहा है। दो मूल के के लोग तनाव में हैं।रजत भारत के सेवा के साथ और सरकार के साथ है इन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों से बिहार में ना तो पलायन रोकने का कार्य किया ना बेरोजगारी दूर करने का कार्य किया केवल अपना राज करने का कार्य किया है।इन्होंने कहा बिहार में राजद की सरकार बनती है, तो 200 यूनिट बिजली मुक्त देंगे।500 रुपयेप्रति गैस सिलेंडर का दाम निर्धारित करेंगे। प्रत्येक महिला को 2500 रुपये प्रतिमाह देंगे। शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करेंगे। इन्होंने कहा तेजस्वी ने मात्र 17 माह में 5 लाख बेरोजगारों को नौकरी देने का कार्य किया है। जो गिनीज बुक में नाम दर्ज है।

राजद पंचायती राज के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी ने कहा कि सामाजिक न्याय के तहत सभी लोगों को साथ लेकर चलना है। सभी पार्टी देश को खंडित करने का कार्य करता है।राजद सामाजिक न्याय को लेकर चलता है। लालू प्रसाद यादव एक योद्धा है। परिचर्चा को संबोधित करते हुए जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष जाकिर हुसैन ने कहा कि लालू प्रसाद यादव एवं तेजस्वी यादव के नेतृत्व में कटिहार जिले में राजद अध्यक्ष इशरत प्रवीण के द्वारा दिन रात पार्टी के हित में कार्य कर पार्टी को काफी मजबूत बनाने का कार्य किया है। समारोह को संबोधित करते हुए पंचायती राज के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय के तहत सभी लोगों को एक साथ लेकर चलने वाली पार्टी राजद है। जो लालू प्रसाद यादव एवं तेजस्वी यादव के कुशल नेतृत्व में कार्य कर रही है। आगामी विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक सीट पर राजद की जीत होगी। विजय यादव ने कहा कि कटिहार जिले में सात विधानसभा सीट में काम से कम चार सीट पर राजद की उम्मीदवारी होना चाहिये।

मुझे नहीं पता था कि वे तिरंगा में लिपटकर आएंगे

अमरपुर ग्राम का शहीद सिमरिया में हुए पंचतत्व में विलीन शहीद के परिवार ने मदद की गुहार की

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। कश्मीर के पठानकोट स्थित अपने कैंप से बेस कैंप जाने के दौरान रामबन जिले में सेना का वाहन गहरी खाई में गिर गया। इसमें शहीद हुए बेगूसराय के अमरपुर निवासी जेसीओ सुजीत कुमार के साथ दो और जवान। सुजीत का अंतिम संस्कार सिमरिया गंगा तट पर रात्रि में ही हो चुका है। उनके अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोगों की भीड़ जुट गई।बिहार सरकार के मंत्री, जिले के अधिकारी और जनप्रतिनिधि आए, सबने सांत्वना व्यक्त किया। अंतिम संस्कार के बाद अब पता नहीं कितने लोग उन्हें याद भी करेंगे या नहीं करेंगे? लेकिन बेगूसराय जिले के अमरपुर ग्राम निवासी शहीद सुजीत की विधवा सिंधु और उनके तीनों बच्चे संध्या, सोनम और किंशु के दिल पर ऐसा दर्द आ चुका है, जो शायद कभी समाप्त न हो।

पत्नी सिंधु को अपने पति की शहादत पर गर्व है, तो बच्चे भी देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले पापा पर गर्व कर रहे हैं। 3 मई की शाम से रात तक जब सुजीत की पत्नी, बच्चे और पिता से बात हुई थी, तो किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि अगले कुछ घंटे के बाद उनके मौत की मनहूस खबर मिलेगी। अब सुजीत आएंगे तो जीवित नहीं, बल्कि तिरंगे में लिपटकर उनका पार्थिक शरीर आएंगे।एनडीए में ऑफिसर बनकर पापा के सपनों को करेंगे पूरा।

शहादत के बाद पत्नी जहां उनके अधूरे सपने को पूरा करने की कसमें खा रही है। वही बच्चे भी कहते हैं कि पापा का सपना था कि एनडीए में जाऊं और मैं एनडीए में ऑफिसर बनकर पापा के सपनों को पूरा करूंगी।पत्नी सिंधु ने बताया कि घटना वाले दिन सुबह 7:33 बजे बात हुई थी। सभी का हाल-चाल पूछा था, हमने पूछा था आप ठीक तो हो, तो कहा था ठीक हूं। आतंकवादी घटना हो रही घटनाओं को लेकर आगे कुछ नहीं बताया कि कहां जा रहे हैं। लेकिन हमको लगा कि वह कहीं जा रहे हैं। हम बोले आप जहां भी रहो ,ठीक से रहो, जहां भी पहुंचिए हमको फोन कीजिएगा। बोले थे कि गंतव्य पर पहुंचते ही सबसे पहले आपको ही कॉल करूंगा। उसके बाद तो हम इंतजार में रह गए। फोन नहीं आया, खुद तिरंगे में लिपटकर आ गए।, लेकिन स शरीर चलकर नहीं, आये, आए भी तो तिरंगे में लिपट कर। मुझे बहुत-बहुत गर्व है, सुजीत बहुत ही अच्छे आदमी थे, पूरे दुनिया में वो सबसे अच्छे आदमी थे। इसलिए उनकी शहादत पर मुझे बहुत ही गर्व है, । वह मुझे शक्ति दें, मेरे साथ चलें, मेरे मन- मंदिर और दिल में हमेशा ही जिंदा रहेंगे।

शाहिद की पत्नी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांगी मदद।

प्रधानमंत्री से अनुरोध करती हूं की मेरे पति तो देश के लिए शहीद हो गए। अब उनके सिवा मेरा कौन सहारा है। इसीलिए, प्रधानमंत्री जी ही मेरी मदद करें। जब मेरे बेटे की पढ़ाई खत्म हो जाय तो उसे सिविल सर्विस चाहिए। प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, बिहार के मुख्यमंत्री सबसे मैं अपील करती हूं कि सुजीत के अलावा मेरा कोई नहीं, तीन बच्चे हैं। अपने पति से हिम्मत लेकर मैं कह रही हूं, कि शहीद की पत्नी का रिक्वेस्ट है, कि शहीद के बच्चों को सिविल सर्विस चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी आते हैं, सिर्फ आश्वासन देकर चले जाते हैं, अब तक कोई मदद नहीं मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी सबकी सुनते हैं, शहीद की पत्नी की तो सुन लीजिए, अब मेरा आपके सिवा कोई सहारा नहीं है।बेगूसराय से बारो अमरपुर तक कोई भी विकास का कार्य हो तो , जैसे सड़क का ही निर्माण हो तो, वह मेरे पति के नाम पर बने। जिससे वह मेरे दिल में और समाज के लोगों में तो जिंदा रहेंगे? , सब लोगों के दिल में जिंदा रहेंगे।

बेटी को पिता पर है गर्व।

बेटी संध्या ने बताया कि पापा से जब बात होती थी तो हमेशा आर्मी के बारे में ही बताते रहते थे। डिफेंटरी क्या होता है, कैसे ज्वाइन किया जाता है, कौन करता है, कैसे कोर डिवाइडेड है। हम दोनों के बीच हमेशा इसी की बात होती थी। मुझे एनडीए करना था और पापा इस संबंध में सारी बातें हमेशा बताते रहते थे, मुझे अपने पापा पे बहुत गर्व है। वेरी प्राउड पापा है।

अंतिम बार 3 मई को रात में करीब 10:30 बजे पापा से बाते हुई थी। उसमें भी उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ हाल-चाल पूछे थे। कहे थे कि कुछ जरूरत है तो बता दो, रात हो गई थी हमने कहा था सुबह बात करूंगी। फिर कभी बात नहीं हो सकी, मेरे पापा तिरंगे में लिपट कर घरआए। मुझे पापा का सपना पूरा करना है।

मेरे, पापा और मम्मी सबका सपना था कि मैं आर्मी अफसर बनू। मैं अभी एनडीए की तैयारी कर रही हूं और सेना में अधिकारी बनूंगी, अपने पापा के सपनों को पूरा करूंगी। लोगों में चर्चा हो रही है की जी वाहन पर अपने साथियों के साथ सवार थे

उस वाहन का नट बोल्ट ढीला होने के कारण हादसा हुआ होगा । लेकिन मेरे पापा ऐसा कभी नहीं कर सकते, मेरे पापा को गाड़ी खोलने से बनाने तक आता था। वह खुद की गाड़ी को चेक नहीं करेंगे, की गाड़ी का नट-बोल्ट ढीला है। अपना जान कौन जोखिम में डालता है।

लापरवाही से नहीं गई जान।

एक तो इतना बड़ा एक्सीडेंट हुआ,

जिसमें मेरे पापा सहित उनके दो और जवान शहीद हुए। रिश्तेदार प्रतिभा ने कहा कि मंत्री आए थे, 2 मिनट खड़ा होकर श्रद्धांजलि दी, एवं कहा कि जहां तक होगा मदद करेंगे। लेकिन हम लोग इन सब बातों से संतुष्ट नहीं हैं। जब शहीद के परिवार की बात सही तरीके से नहीं सुन सकते हैं तो तो फिर क्या कहा जाए ।क्यों आए। 5 मिनट रुकते, पूरी बात सुनते।पूरे देश को पता है कि सुजीत देश के लिए शहीद हुए हैं, तो ऐसे में सरकार की भी कुछ जिम्मेदारी बनती है। बिहार और केंद्र की सरकार से मांग करते हैं कि मदद किया जाए। तीनो बच्चे हैं ,उनके पढ़ाई की व्यवस्था हो, और जो भी मदद हो वो करें।

शहीद की पत्नी और माता-पिता की मदद करें। सुजीत ने शहादत दी, लेकिन अब विधवा सिंधु तीन बच्चों को लेकर कैसे जीएगी। सरकार की जिम्मेदारी बनती है की उसकी विधि समत मदद करें। लेकिन अभी तक किसी ने कोई मदद नहीं की है। हम किसी का विरोध नहीं कर रहे हैं, सिर्फ सरकार से मदद मांग रहे हैं। बहुत कठिन है, जिंदगी बहुत लंबी है, कैसे कटेगी जिंदगी, सरकार को इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

जबकि चर्चा है कि शाहिद की मिलने वाली सारी सुविधाएं केंद्र सरकार क में है लेकिन बताया जाता है कि बिहार सरकार भी शाहिद के परिजन को 21 लाख रुपया देने की बात कर रही है जो चर्चा में है।

संक्षिप्त समाचार

वसीम मंजर ने सर्जिकल स्ट्राइक पर भारतीय सेना को किया सलाम

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। लौरिया राजद नेता ने अपने देश की सैन्य कार्रवाई पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।कहा भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ सशक्त संदेश दिया है। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई निर्णायक कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर देशभर में सराहना हो रही है। इस कार्रवाई को आतंक के खिलाफ एक सशक्त संदेश माना जा रहा है। हमारे देश के सैनिक पूरी दुनिया के लिए मिसाल हैं। छब्बीस पर्यटकों की निर्मम हत्या पर भारत के पड़ोसी राष्ट्र पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक आवश्यक थी। मैं भारत सरकार के निर्णायक सैन्य कदम की सराहना करता हूं। वसीम मंजर ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म तथा मजहब नहीं होता है। आतंकवाद का जबाब मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए, जो हमारे देश के सेना ने दिया है। वसीम मंजर ने अपने देश के जवानों को सलाम करते हुए कहा कि इस समय पूरा देश अपनी सेना के साथ है। वसीम मंजर ने सेना कीपूरी टीम को सैल्यूट करते हुए ऑपरेशनसिंदूर को सही एवं आवश्यक बताया है। सेना के साहस को सलाम किया है।

प्लास्टिक के बोरा से लाश बरामद

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। बेगूसराय में अपराधियों ने एक युवक को निर्मम तरीके से पीट-पीटकर हत्या कर युवक को हाथ पैर बांधकर बोरे में बंदकर सड़क किनारे फेंक दिया। वही बोरे में बंद युवक का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पूरा मामला भगवानपुर थाना क्षेत्र के ताजपुर तीन बटिया स्थित सड़क किनारे की है।घटना के संबंध में लोगों ने बताया है कि किसी अपराधी ने पहले युवक को बेहरमी से पीट-पीटकर हत्या कर दिया। हत्या करने के बाद युवक को हाथ पैर बांध दिया और बोरे में बंदकर शव को सड़क किनारे फेंक दिया। लोगों ने बताया कि जब युवक का शव को बोरे में बंद देखा गया तो इसकी जानकारी भगवानपुर थाना पुलिस को दी गई। मौके पर भगवानपुर थाने की पुलिस पहुंची तो बोरे को काटकर देखा तो उसमें एक युवक का शव पड़ा हुआ है। और युवक का हाथ पैर बंधा हुआ है।और शरीर पर पूरी तरह से जख्म का निशान है। जिससे साफ जाहिर हो रहा है था कि युवक को पहले अपराधियों ने बेहरमी से पीट-पीटकर हत्या कर दिया, फिर बाद में युवक को हाथ पैर बांधकर बोरे में बंद कर सड़क किनारे फेंक दिया है। हालाँकि घटना की सूचना मिलते ही भगवानपुर थाने के पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेबेगूरायहै। और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। हालांकि युवक की पहचान समाचार प्रेसन्न तक नही हो सकी थी। । पुलिस पहचान करने में भी जुटी हुई हैं।

निजी स्कूलों की मनमानी चरम पर, किताब खरीदवाने के नाम पर अभिभावकों का आर्थिक शोषण

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। बखरी प्रखंड क्षेत्र में निजी स्कूलों की मनमानी एक बार फिर से सुर्खियों में है। नए सत्र की शुरूआत के साथ ही स्कूल प्रबंधन ने किताबें खरीदवाने के नाम पर अभिभावकों का आर्थिक शोषण शुरू कर दिया है। स्कूल प्रशासन द्वारा अभिभावकों को यह निर्देश दिया जा रहा है कि वे केवल उन्हीं दुकानों से किताबें खरीदें, जिन्हें स्कूल द्वारा मान्यता दी गई है। इन दुकानों पर किताबों के दाम प्रिंट रेट से वसूले जा रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल प्रशासन की ओर से एक सूची दी जाती है, जिसमें केवल एक या दो दुकानों का नाम होता है। इन दुकानों पर किताबें और कॉपियां एक ₹पैकेज₹ के रूप में बेची जाती हैं, जिसकी कीमत मनमानी होती है। सूत्रों के अनुसार, इन पैकेजों में स्कूल का भी कमीशन तय होता है। स्थानीय प्रशासन की चुप्पी इस पूरे मामले को और संदेहास्पद बना रही है। बार-बार शिकायतों के बावजूद न तो स्कूलों पर कोई कार्रवाई हुई है और न ही संबंधित दुकानों पर रोक लगाई गई है। शिक्षा विभाग की निष्क्रियता भी कहीं न कहीं मिलीभगत की ओर इशारा करती है।कई अभिभावकों ने बताया कि वे आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं, लेकिन स्कूलों के दबाव में उन्हें महंगी किताबें खरीदनी पड़ रही हैं। सरकार की ओर से यह स्पष्ट निर्देश हैं कि कोई भी स्कूल किताबें या यूनिफॉर्म किसी विशेष दुकान से खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। लेकिन जमीनी सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत है।अब आवश्यकता है कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन इस गंभीर समस्या पर तुरंत संज्ञान लें। निजी स्कूलों की मनमानी पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि अभिभावकों को राहत मिल सके और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता कायम रह सके।

पिछले साल अप्रैल माह में नदी पूरी तरह से सुख गई थी और लोगों के समक्ष जल संकट उत्पन्न हो गया था

मदरलैण्ड संवाददाता, गिद्धौर। कटहरा नदी मई के पहले हफ्ते में ही जगह-जगह से सूख गई है। दर्जनों गांवों से होकर गुजरने वाली यह नदी अब नाले का रूप लेती जा रही है। नदी का अस्तित्व खतरे में है। इसके किनारे बसे गांवों में जल संकट गहराने की आशंका है। कई प्रखंडों से निकलने वाली यह नदी जमुई जिले के कटहरा नदी पुल से होते हुए झाझा,लक्ष्मीपुर,गिद्धौर,बरहट, प्रखंड़ो से गुजरती है। जमुई जिले के मलयपुर के पास यह पतौना नदी में मिलती है। पिछले साल अप्रैल में भी यह नदी पूरी तरह सूख गई थी। तब लोगों को भारी जल संकट का सामना करना पड़ा था। इस साल भी हालात लगभग वैसे ही हैं। खेतों की सिंचाई और पशुओं के पानी की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। नदी के किनारे बसे गांवों के लोग पीने का पानी, नहाने, कपड़े धोने और मवेशियों को पानी पिलाने के लिए इसी नदी पर निर्भर थे। हजारों एकड़ जमीन की सिंचाई इसी नदी के जल से होती थी। महुआरे और मछली पकड़ने वाले परिवारों की रोजी-रोटी पर भी असर पड़ा है। पहले जब नदी में बाढ़ आती थी, तो सालभर पानी रहता था। अब केवल बरसात का पानी ही इसका सहारा है। नदी के सूखने से जीव-जंतु भी भटक रहे हैं। जीवनदायिनी कही जाने वाली कटहरा नदी का अस्तित्व अब मिटता जा रहा है।

कार ने बाईक सवार को मारी ठोकर, घटना स्थल पर हुई दर्दनाक मौत

- ठोकर लगने से बाया पैर का हिस्सा कटा
- कार मालिक गाड़ी लेकर घटनास्थल से फरार
- मृतक भांजी की शादी में आया था मृतक

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। लौरिया गुरुवार दोपहरदोपहर एनएच 727 के लौरिया-बगहा मुख्य मार्ग में स्थित चीनीमिल के गेट के सामने कार ने बाइक सवार को ठोकर मार दी। ठोकर लगने से बाइक सवार की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई।

प्राप्त सूचना के अनुसार मृतक अमीरीलाल सिसवनिया वृतिटोला अपनी बहन के घर आया हुआ था। उसके बहनोई का नाम गौतम महतो है। अमीरी की भगिनी की शादी थी। शादी में मेहमानों को खिलाने के लिए चावल खरीदने वह अपने फुफेरे भाई ओमप्रकाश और अन्य संबंधी के साथ एक बाइक पर बैठकर लौरिया जा रहा था। बाइक ओमप्रकाश चला रहा था और सबसे पीछे अमीरीलाल बैठा था। डिक्की होने के कारण अमीरीलाल का दायां पैर बाहर निकला हुआ था। इधर ओमप्रकाश ने बताया कि चीनीमिल के सामने लघुशंका के लिए बाइक रोकी और अमीरीलाल जब उतर रहा था तो लौरिया की ओर से आ रही कार ने ठोकर मारकर भाग गई। ठोकर इतना जबरदस्त था कि उसका दायां पैर शरीर से अलग होकर गड्ढे में जा गिरा और वह सड़क पर गिरकर उसकी मौत हो गई।

बता दें कि घटना के बाद चीनीमिल के गार्ड और राहगीरों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी,जहां 112 की पुलिस ने बाइक सवार तीनों को स्थानीय अस्पताल ले गई। चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया तो दो अन्य को हल्कीहल्का चोट होने पर दवा देकर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया।

राहगीरों के अनुसार कार के ठोकर से बाइक पर सवार एक युवक का कमर के नीचे सहित दायां पैर का पूरा हिस्सा उछलकर गड्ढे में जा गिरा। जबतक लोग समझते,तबतक कार चालक गाड़ी को लेकर फरार हो गया। वहीं बाइक पर सवार अन्य दो लोगों को कुछ भी नहीं हुआ है, जबकि जिसका दायां पैर का हिस्सा शरीर से अलग हुआ है, उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई है।

थानाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए बेतिया गवर्मेंट अस्पताल भेजा जा रहा है। कार के बारे में जानकारी प्राप्त की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज से उस कार का नंबर खंगाला जा रहाहै।

बात दे कि गुरुवार को मृतक की भगिनी की शादी थी, बहन के घर काफी चहल-पहल था। मौत से पहले अमीरी ने खुशी में बहनोई गौतम से कहा कि जीजा, हम बबी के बिआह के चावल खरीद के लाउत बानी। उसे क्या पता था कि उसकी बहन के घर जहां शहनाई बजने वाला था, वहां अब मातम पसररा हुआ है। मृतक तीन भाई और 6 बहन हैं। मृतक को छोड़कर सभी भाई-बहनों की शादी हो गई थी। इसकी भी शादी तय हो गई थी। इधर भगिनी की शादी में सारे भाई-बहन सिसवनिया में थे।

मौत की खबर सुनकर सभी चीखते-चिल्लाते हुए अस्पताल पहुंचे।इधर भगिनी की शादी में पहुंचे सभी परिजन अपने पैतृक आवास लौट गए तो कुछ पोस्टमार्टम कराने के लिए बेतिया चले गए। अब इनके परिवार में खुशी के बदले गम का माहौल बना हुआ है। मृतक की पहचान गोपालपुर थानाक्षेत्र के बकुलहर मठ के समीप बड़कागांव के स्व. राजबली महतो के पुत्र अमीरीलाल कुमार महतो (23) के रूप में हुई है। अन्य दो युवकों की पहचान में मोतिहारी जिला के रक्सौल के कौआटांड़ निवासी ओमप्रकाश महतो और सुगौली थानाक्षेत्र के लमऊनिया निवासी सिकंदर महतो के पुत्र आशीष कुमार के रूप में हुई है।

गौनाहा एमपीएल के मुख्य अतिथि रहे खेल संचालक सह मुखिया प्रतिनिधि राजा मिश्रा

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। गौनाहा प्रखण्ड अंतगर्त्त मंगलवार को एमपीएल माधोपुर प्रीमियर लीग का आज का शानदार मैच नन्हे 11 और जैकी स्टार के बीच खेला गया। जैकी स्टार ने टॉस जीतकर पहले बालेबाजी करने का फैसला किया। जैकी स्टार ने बैटिंग करते हुए 137 रन ही बना पाया ,और उसके जवाब में नन्हे 11 ने इस मैच को मात्र 8 ओवर में ही इस मैच को जीत लिया। आज के मैच के मुख्य अतिथि सह एमपीएल के संचालक ग्राम पंचायत राज माधोपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजा मिश्रा ओर उप सरपंच पूनम शर्मा जी द्वारा रीबन काटकर किया गया। वही

टॉस जितने के उपरांत माननीय मुखिया प्रतिनिधि राजा मिश्रा ने जैकी स्टार के कैप्टन को चांदी का का सिक्का भेट किया गया।

इस लीग के प्रत्येक मैच में टॉस जितने वाली टीम को कमेटी द्वारा चांदी का सिक्का दिया जाता रहा है। वही दर्शकों ने खेल का आनन्द जम कर लिया।

बिजली के शार्ट सर्किट से लगी आग में लाखों के सामान जलकर राख

» मदरलैण्ड संवाददाता

छपरा। पानापुर थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में गुरुवार की सुबह बिजली के शार्ट सर्किट से लगी आग से नकदी सहित लाखों रुपये मूल्य का सामान जलकर राख हो गया। बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह साढ़े सात बजे तारकेश्वर राय के कर्कटनुमा घर मे बिजली के शार्ट सर्किट से आग लग गयी और देखते ही देखते संजय राय एवं मोहन राय के घरों को भी अपनी आगोश में ले लिया। आग की विभीषिका इतनी न तेज थी कि नजदीक जाने की किसी की हिम्मत नही हो रही थी। घटना की खबर मिलते ही पानापुर एवं मशरक थाने से फायरब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुँची एवं घंटो मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अगलगी की इस घटना में नकदी सहित

एक बाइक, मोबाइल, साइकिल, गहने, कपड़े, अनाज, लकड़ी के फर्नीचर सहित लाखो रुपये मूल्य के सामान जलकर राख हो गए।

बिहार लघु उद्यमियों को मिला उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण, दिए गए प्रमाण पत्र

» मदरलैण्ड संवाददाता

छपरा। बिहार सरकार के उद्योग विभाग द्वारा संचालित बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत छपरा जिले से चयनित लाभार्थियों को जिला उद्योग केंद्र, छपरा में छह दिवसीय उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण 26 अप्रैल से 03 मई तक आयोजित किया गया। मौके पर उद्योग विभाग के महाप्रबंधक कुमारी ज्योति मुख्य रूप से मौजूद थी। प्रशिक्षक सुरेंद्र प्रसाद, रितेश शर्मा व अजित आनन्द ने कहा कि बिहार लघु उद्यमी योजना के अन्तर्गत छपरा जिले के चयनित 1523 लाभुकों को 50-50 के बैच में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद उद्यम स्थापित कर स्वरोजगार करने के लिए अधिकतम दो-दो लाख रुपये की राशि तीन किस्तों में लाभुकों के खाते में दी जाएगी। जिसमें प्रथम किस्त के रूप में 50 हजार, द्वितीय किस्त के रूप में एक लाख तथा

तृतीय किस्त के रूप में 50 हजार रुपये की राशि प्रदान की जायेगी। इस योजना अन्तर्गत उद्यम स्थापित करने की पूरी राशि राज्य सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दी जाती है। प्रशिक्षक सुरेंद्र प्रसाद ने कहा कि इस प्रशिक्षण को आप सभी गंभीरता से लें और इसका लाभ प्राप्त कर खुद के उद्योग अथवा रोजगार को विकसित करें। इस प्रशिक्षण के तहत तीन दिनों का रैंप योजना के अंतर्गत विशेष सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न एमएसएमई योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स, डिजिटल वित्तीय साक्षरता, जीएसटी अनुपालन, लेखाविधि, लीन मैन्युफैक्चरिंग, उद्यम पंजीकरण और जेड प्रमाणीकरण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों को सफल उद्यमी बनने के लिए व्यापार प्रबंधन की समुचित जानकारी देना था, ताकि वे अपने व्यवसाय को कुशलतापूर्वक स्थापित और संचालित कर सकें। रैंप योजना के बाद उद्यमिता विकास विषय के अंतर्गत मार्केटिंग मैनेजमेंट बाजार सर्वेक्षण एक सफल उद्यमी के गुण व्यापार व उद्योग के असफल होने के कारण बीमा वर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट उद्योग के आवश्यक तत्व बैंक जमा खाता एवं ऋण खाता के विभिन्न प्रकार आदि जानकारियां प्रशिक्षणार्थियों को दिया गया।

गौनाहा डब्लू टी आई के सामुदायिक प्रवन्धक विवेक बादल ने रचाई शादी

दर्जनों अभिभावक दिग्गज हुए शादी में शामिल वर वधु को दिए आशीर्वाद

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। गौनाहा प्रखण्ड अंतगर्त्त वाल्मीकि टाईगर रिजर्व केफॉरेस्ट तथा इण्डो नेपाल पर्यटन क्षेत्र को एक नई पहचान देने वाले ग्राम गौनाहा निवासी विवेक बादल ने 5 मई 2025 सोमवार को होटल क्रिस्टल पैलेस बेतिया में अपनी शादी रचाई।

विवेक बादल की शादी में जिले तथा राज्य के कई बड़े अधिकारी उपस्थित होकर वर बधु को आशीर्वाद एवं शुभकामना दिए। साथ हीं समाज के सेवक एवं मिडिया बन्धुओं के द्वारा भी वर एवं वधु को शादी की शुभकामना देने के लिए ताता लगा रहा। इस शादी में वाल्मीकि टाईगर रिजर्व से सी एफ डॉक्टर नेशामणि के, डीएफओ अमित कुमार, डीएफओ आतिश कुमार, रेंजर सुनील कुमार पाठक, रेंजर मनोज कुमार सहित लिपिक अब्दुल बारी खान वाल्मीकि टाइगर रिर्जव के सभी अधिकारी आशीर्वाद देने के लिए शादी समारोह में उपस्थित रहे।

बेतिया पुलिस से एस डी पी ओ जयप्रकाश सिंह, इंस्पेक्टर विनोद कुमार ,अवनीश कुमार राजीव कुमार सहित एस एच ओ विवेक बालेन्दु, सुदामा कुमार तथा बेतिया से पुलिस विभाग से आये अन्य अधिकारियों ने विवेक बादल को शुभकामना दिए।

बेतिया जिले के नगर पार्षद व मेयर गरिमा देवी शिकारिया के पति रोहित शिकारिया भी विवाह में उवस्थित होकर शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किये। वही शिक्षा विभाग से बीआरसी के अधिकारी सहित एकाउंटेंट सज्जन कुमार, समाज सेवी सह शिक्षक दीपेंद्र वाजपेयी, मीडिया से विवेक सिंह, गौनाहा प्रखण्ड के समाज सेवी सह शिक्षक वीरेंद्र कुमार, अनुराग कुमार जोशी, गोपाल प्रसाद, समाज सेवी शाहिद परवेज गौनाहा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह पूर्व बैंक मैनेजर सह समाज सेवी बिन्दा प्रसाद यादव, स्वच्छ्ता पर्वेक्षक अमित कुमार गुडडू, समाज सेवी असगर हुसैन, हरिनाथ जयसवाल, तथा कई जन प्रतिनिधि इस विवाह में शामिल होकर विवेक बादल और बधु संध्या को आशीर्वाद एवं शुभकामना दियें। वही शादी के समय शांति एवं खुशहाल रहा।

कटेयां में स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल का हुआ उद्घाटन

» मदरलैण्ड संवाददाता

छपरा। लहलादपुर प्रखंड क्षेत्र के कटेयां में गुरुवार को स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल का उद्घाटन हुआ। स्कूल का उद्घाटन हवन पुजन आदि के उपरांत हुआ। उद्घाटन के उपरांत स्कूल के निदेशक अमरनाथ मिश्रा ने

बताया की फिलहाल इस सेशन के लिए नामांकन के साथ साथ अन्य सभी तरह के शुल्क बच्चों के लिए निशुल्क है। उन्होंने कहा की उनकी संस्था बेहतर माहौल में बच्चों को बेहतर शिक्षा देती है। बच्चों के मानसिक विकास के साथ साथ बच्चों को खेल खेल में पढाने की कला में माहिर शिक्षक स्कूल में पदस्थापित हैं। बच्चों को प्रतियोगिता परिक्षाओं को ध्यान में रखकर यहां पढ़ाया जाता है।

लौरिया में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन, सैकड़ों महिलाओं ने लिया भाग

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। लौरिया प्रखंड के नगर पंचायत पकड़ी एवं गोनौली डुमरा पंचायत क्षेत्र में महिलाओं के उत्थान और उनकी भागीदारी को सशक्त करने के उद्देश्य से महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गंगा जीविका महिला ग्राम संगठन एवं सपना ग्राम संगठन के तत्वावधान में उनके कार्यक्षेत्र में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी ऑडियो-वीडियो के माध्यम से दी गई। महिलाओं ने इन योजनाओं के प्रति उत्सुकता दिखाते हुए अपनी आकांक्षाओं और सुझावों को भी दर्ज कराया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था।

मुख्य अतिथि के रूप में नोडल प्रखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी श्रीमती स्तुति कुमारी एवं आवास सहायक सरोज कुमार उपस्थित रहे। स्तुति कुमारी द्वारा बताया कि सरकार महिलाओं के लिए स्वरोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ प्रत्येक महिला को लेना चाहिए।

कार्यक्रम में प्रखंड परियोजना प्रबंधक ललन कुमार ने भी महिलाओं को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। इसके अलावा सामुदायिक समन्वयक आरिफ अली, निरंजन कुमार, प्रियंका केसरी, शिल्पी कुमारी, दीपक कुमार प्रसाद, जय प्रकाश कुमार, रामक्षत्री कुमार, ज्योति कुमारी, मधु, पुष्पा, सुनील साह समेत कई अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

अंत में कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सभी महिलाओं एवं उपस्थित अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने आशा व्यक्त की कि इस तरह के संवाद आगे भी आयोजित किए जाएं ताकि वे निरंतर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ सकें।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता बदलपुर निवासी सत्येंद्र सिंह सुधांशु का श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक, भारतीय जनता पार्टी के बट वृक्ष का बीजारोपण में सहयोगी, विद्यार्थी परिषद के पूर्व जिला प्रमुख, विद्यार्थी परिषद के पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य, भारतीय युवा मोर्चा के पूर्व जिला महामंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता अधिवक्ता सत्येंद्र सिंह सुधांशु का 28/04/2025(सोमवार को) आकस्मिक निधन के उपरांत उनके द्वादश कर्म 08/05/2025(गुरुवार को) श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस श्रद्धांजलि सभा में तेघड़ा विधानसभा सहित प्रखंड की वरिष्ठ एवं कनिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता एवं संघ से जुड़े स्वयंसेवक सहित माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री एवं बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह भी उपस्थित होकर शोकाकुल परिजन को ढाढस बढ़ाते हुए सुधांशु के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अश्रुपूर्ण नेत्रों से उन्हें

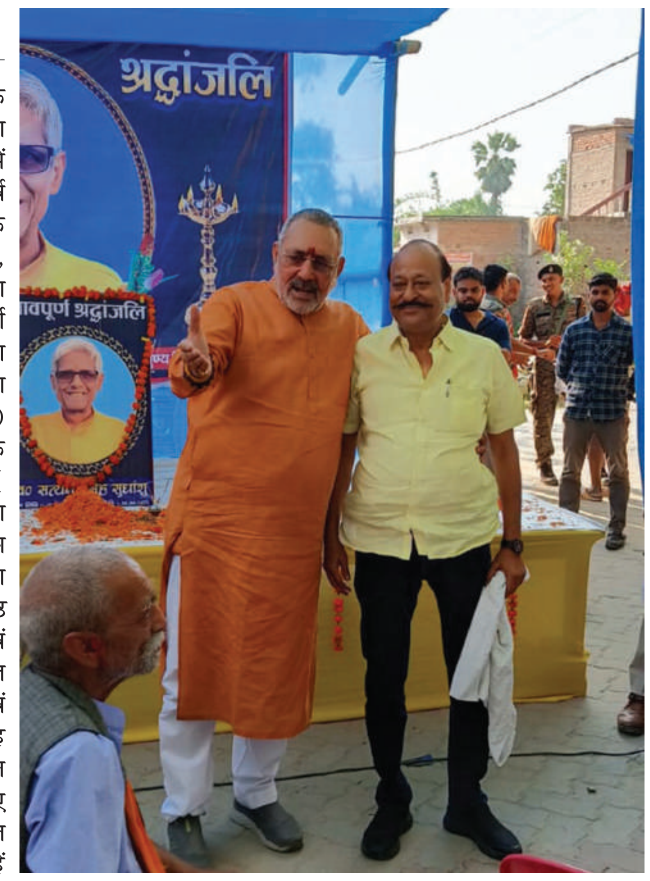

भावविनी श्रद्धाशुमन अर्पत किया। इस अवसर पर सर्वेश कुमार, केशव शांडिल्य भी अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किए इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व उच्च ग्रह मंडल के महामंत्री सह वरिष्ठ संवाददाता महंत रामजीवन दास बरौनी मंडल अध्यक्ष कुंदन पोद्दार ध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्याम किशोर जी ने किया। एवं मंच संचालन महेश सिंह ने किया। इस अवसर पर सुनील कुंवर , पूर्व विधायक ललन कुंवर , किशोर मोर्चा के जिला महामंत्री सरोज राय, अरुण सिंह, संगीत सुशील , राजेश कुमार गुड्डू। चेयरमैन प्रतिनिधि विद्या कुमार सिंह, खेल मंत्री सुरेंद्र, मेहता , जिला अध्यक्ष राजिव वर्मा,कांग्रेस नेता राजीव रंजन जी पूर्व शिक्षक रामानंद सिंह,, पूर्व उपमुख्य पार्षद सुरेश रौशन उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंदिर प्रांगण में सुधांशु जी का प्रतिमा लगाने का घोषणा की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा की सुधांशु जी संगठन के लिए निस्वार्थ भाव से सदेव कार्य करते रहे। जिन्होंने संगठन के कई वृक्षों को सीचने का काम किया। जिन्हें कोई पद का लालसा नहीं रहा।

एमजी सेलेक्ट ने चंडीगढ़ में एम9 और साइबरस्टर को एक्सक्लूसिव प्रीव्यू के लिए पेश किया

चंडीगढ़, 04 मई, 2025 - जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के लग्जरी चैनल एमजी सेलेक्ट ने चंडीगढ़ में एक एक्सक्लूसिव कस्टमर इवेंट में अपने अद्वितीय प्रोडक्ट - एमजी एम9 प्रेसिडेंशियल लिमोसिन और दुनिया की सबसे तेज एमजी रोडस्टर - साइबरस्टर का अनावरण किया। क्लाइंट्स को वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में डिलीवरी से पहले वाहनों का व्यापक पूर्वावलोकन प्रदान करने के इस कार्यक्रम को प्री-रिजर्व क्लाइंट तक सीमित रखा गया था।

एमजी एम9 स्पेस, आराम और स्थिरता में एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है। इस लिमोसिन में दूसरी पंक्ति का केबिन शानदार है, जिसमें प्रेसिडेंशियल सीटें हैं, जिसमें 14-तरफा एडजस्टमेंट, 8 मसाज मोड, वेंटिलेशन और हीटिंग है सिस्टम है - जो उपभोक्ता को बेजोड़ आराम और सोफिस्टिकेशन प्रदान करता है। एमजी एम९ ड्राइवर को गाड़ी ड्राइव करने के बेहतरीनअनुभव के लिए डिजाइन किया गया

और इसका शानदार इंटीरियर डिजाइन और महत्वाकांक्षी जीवनशैली का मिश्रण दशार्ता है।

क्लासिक MG B का उत्तराधिकारी साइबरस्टर में उपभोक्ता को मिलते है इलेक्ट्रिक कैंची दरवाजे और एक कन्वर्टबल छत, जो तकनीक के साथ ऐश -आराम को जोड़ता है। इलेक्ट्रिक कैंची दरवाजे पाँच सेकंड में खुलते हैं, रिमोट से ऑपरेट करने की सुविधा देते हैं, और सिंगल-टच बटन से संचालित होते हैं।

आकर्षक लुक के अलावा, साइबरस्टर अपने दोहरे मोटर कॉनफि गरेशन से 510 पीएस और 725 एनएम (ठे) का टॉर्क जनरेट करता है। परफॉरमेंस एक महत्वपूर्ण पहलू है, साइबरस्टर ने राजस्थान के सांभर साल्ट लेक में केवल 3.2 सेकंड में एशिया का सबसे तेज अक्सेलरेशन (0-100 किमी प्रति घंटा) किया है। इस रिकॉर्ड को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सत्यापित किया गया है।

एमजी सिलेक्ट, चंडीगढ़ के सुमित पासी ने कहा, 'चंडीगढ़ में लग्जरी ऑटोमोबाइल के अच्छे प्रशंसक हैं और हमें जो उमभोक्ताओं के ओर से मजबूत प्री-रिजर्व रुचि मिली है, वह दशार्ता है कि एम9 और साइबरस्टर परफॉरमेंस, टेक्नोलॉजी और रिफाइनमेंट का सही संतुलन बनाया है और समझदार खरीदार इसी प्रकार के प्रोडक्ट की तलाश कर रहे हैं।'

पूर्वावलोकन कार्यक्रम ने भारत के लक्जरी ऑटोमोटिव क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करने के लिए एमजी सिलेक्ट की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जो उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ प्रदर्शन को मिश्रित करने वाले विकल्प पेश करता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई , एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 411.97 अंक करीब 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ ही 80,334.81 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 140.60 अंक तकरीबन 0.58 फीसदी नीचे आकर 24,273.80 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 4 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं 26 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसी तरह निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 45 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एक्सिस बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 0.70 फीसदी ऊपर आये और एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 3.14 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी के शेयरों में बड़ी गिरावट आई है।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 2.85 फीसदी , मारुति सुजुकी 2.04 फीसदी , बजाज फाइनेंस 1.86 फीसदी , टाटा स्टील 1.81 फीसदी , भारती एयरटेल 1.58 फीसदी , एशियन पेंट्स 1.49 फीसदी , बजाज फिनसर्व 1.48 फीसदी , पावरग्रिड 1.09 फीसदी , भारतीय स्टेट बैंक 0.95 फीसदी , एचडीएफसी बैंक 0.94 फीसदी , इंडसइंड बैंक 0.94फीसदी , सनफार्मा 0.85 फीसदी , एनटीपीसी 0.72 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.62 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.62 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 0.60 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा लार्सन एंड टुब्रो, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, अल्ट्राटेक इमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए। वहीं टाइटन और एचसीएल के शेयरों के अलावा एचसीएल टेक 0.67 फीसदी और कोटक महिंद्रा बैंक 0.33 फीसदी व टाटा मोटर्स के शेयरों इससे पहले आज सुबह बाजार थोड़ी बहुत बढ़त के साथ खुला। टाटा मोटर्स और बैंकिंग शेयरों में बढ़त से बाजार को बल मिला।सेंसेक्स की तरह ही निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ शुरू हुआ। हालांकि, इंडेक्स में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।यह 31.05 अंक की कमजोरी के साथ 24,383.35 अंक पर कारोबार कर रहा था। पिछले सत्र में सेंसेक्स 105.71 अंक बढ़कर 80,746.78 पर और एनएसई निफ्टी 34.80 अंक बढ़कर 24,414.40 पर बंद हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

गूगल ने फिर दिखाया 200 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता

नई दिल्ली , एजेंसी। टेक दिग्गज गूगल में फिर से कर्मचारियों की छंटनी की खबरें मिल रही है। रिपोर्टों की मानें तो कंपनी ने अपने ग्लोबल बिजनेस यूनिट में से करीब 200 कर्मचारियों को कंपनी से निकाल निकाल दिया है। गूगल के लिए यह टीम दुनियाभर में सेल्स और पार्टनरशिप का काम देखती है। बताया जा रहा है कि बड़ी-बड़ी टेक कंपनियां आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंफ्रास्ट्रक्चर पर अधिक ध्यान दे रही हैं। एक बड़े पैमाने पर इंडस्ट्री में बदलाव हो रहा है और शायद कर्मचारियों की छंटनी की भी यही वजह हो सकती है। इस वजह से कंपनी कर रही स्मॉल एडजस्टमेंट गूगल के इस कदम की जानकारी द इन्फॉर्मेशन ने अपनी रिपोर्ट में दी है। बताया जा रहा है कि कंपनियां डेटा सेंटर और एआई डेवलपमेंट पर खर्च कर रही हैं। इसके चलते कई पुराने सेगमेंट्स खत्म हो रहे हैं या वहां कर्मचारियों की संख्या कम की जा रही है। रॉयटर्स को दिए एक बयान में गूगल ने इन बदलावों को स्मॉल एडजस्टमेंट बताया। इनका मकसद सहयोग को अधिक बढ़ावा देना और ग्राहकों को कितनी जल्दी सेवाएं दी जा रही हैं, इसमें सुधार करना है।

पीएनबी का मुनाफा 51.7 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई , एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने मार्च 2025 में समाप्त चौथी तिमाही में 4567 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3010 करोड़ रुपये की तुलना में 51.7 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने शेयर बाजार दी जानकारी में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 10757 करोड़ रुपये रही है जबकि मार्च 2024 में समाप्त तिमाही में यह आय 10363 करोड़ रुपये थी।

भारत में मार्च 2025 तक फोनधारकों की संख्या 120 करोड़ि थी

नई दिल्ली , एजेंसी। देश में मार्च 2025 तक कुल फोनधारकों की संख्या 120 करोड़ थी जिसमें से वायरलेस फोन धारकों की संख्या 116.37 करोड़ और वायरलाइन धारकों की संख्या 3.70 करोड़ थी। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा जारी किए गए मासिक आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 में वायरलेस ब्राडबैंड धारकों की संख्या 90.27 करोड़ और वायरलाइन ब्राडबैंड धारकों की संख्या 4.13 करोड़ थी। कुल ब्राडबैंड धारकों की संख्या 94.41 करोड़ थी।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों में कर्ज बढ़ने का खतराः एसएंडपी

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों के लिए कर्ज का जोखिम भी बढ़ेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने गुरुवार को यह बात कही। रेटिंग एजेंसी ने दोनों देशों को बीबीबी- और सीसीसी+ प्रदर्शकों के साथ रेटिंग दी है। वह आगाह करते हैं कि अगले दो से तीन सप्ताह तक तनाव के उच्च स्तर पर रह सकता है और महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई की संभावना है। भारतीय सुरक्षा बलों ने मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इसके परिणामस्वरूप, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री ने भारत के विरोध में फिर से कार्रवाई की तयारी करने का एलान किया है। एसएंडपी ने कहा है कि भारत अपनी आर्थिक वृद्धि मजबूत रखेगा जबकि पाकिस्तान सरकार अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए कदम उठाएगी। यह तनाव सबके लिए अमंगलकारी है और दोनों देशों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों में कर्ज बढ़ने का खतराः एसएंडपी

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों के लिए कर्ज का जोखिम भी बढ़ेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने गुरुवार को यह बात कही। रेटिंग एजेंसी ने दोनों देशों को बीबीबी- और सीसीसी+ प्रदर्शकों के साथ रेटिंग दी है। वह आगाह करते हैं कि अगले दो से तीन सप्ताह तक तनाव के उच्च स्तर पर रह सकता है और महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई की संभावना है। भारतीय सुरक्षा बलों ने मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इसके परिणामस्वरूप, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री ने भारत के विरोध में फिर से कार्रवाई की तयारी करने का एलान किया है। एसएंडपी ने कहा है कि भारत अपनी आर्थिक वृद्धि मजबूत रखेगा जबकि पाकिस्तान सरकार अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए कदम उठाएगी। यह तनाव सबके लिए अमंगलकारी है और दोनों देशों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

महंगाई से राहत! वेज और नॉन-वेज थाली सस्ती हुई

नई दिल्ली , एजेंसी। देश की जनता के लिए अच्छी खबर है। एक नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2025 में एक सामान्य शाकाहारी थाली की कीमत 4 फीसदी घटकर सिर्फ 26.3 रुपए रह गई है। इस गिरावट की वजह सब्जियों के दामों में तेज गिरावट है, जैसे कि टमाटर 34, आलू 11 और प्याज 6 फीसदी तक सस्ते हो गए हैं।

टीवीएस इलेक्ट्रिक बाइक सेगमेंट में कदम रखने की तैयारी में

नई दिल्ली , एजेंसी। दोपहिया वाहन निमार्ता कंपनी टीवीएस अब इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल सेगमेंट में कदम रखने की तैयारी में है। कंपनी की आगामी इलेक्ट्रिक बाइक को लेकर कई अहम जानकारियां मिली हैं। टीवीएस की यह नई परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड इलेक्ट्रिक बाइक ट्रैक पर 200 किमी प्रति घंटा की स्पीड तक पहुंचने की क्षमता रखती है। बीते साल टीवीएस रेसिंग ई-ओएमसी चैंपियनशिप में इसका सफल परीक्षण भी हो चुका है। इस बाइक में मिड-माउंटेड एयर-कूल्ड मोटर का उपयोग किया गया है, जो बेल्ट ड्राइव सिस्टम के जरिए रियर व्हील तक पावर पहुंचाती है। डिजाइन में कई गियर्स का उपयोग किया गया है, जिससे पावर और टॉर्क को बेहतर बनाया जा सकता है। बाइक में डुअल बैटरी पैक दिया गया है जो फ्रेम के दोनों तरफ फिट किया गया है, जिससे गुरुत्वाकर्षण केंद्र निचला बना रहता है और राइडिंग बैलेंस बेहतर होता है। हालांकि, बैटरी पैक फिक्स्ड हैं और इन्हें स्वैप नहीं किया जा सकता, जो कुछ ग्राहकों के लिए एक सीमित विकल्प हो सकता है।

बाइक के डिजाइन से यह स्पष्ट है कि यह एक पूरी तरह फेयर्ड प्रीमियम मोटरसाइकिल होगी। इसमें सिंगल-साइडेड स्विंगआर्म, ऑफसेट मोनोशॉक सस्पेंशन और फ्रंट में यूएसडी फोर्क्स जैसे हाई-एंड फीचर्स हो सकते हैं। टीवीएस अपने अपाचे और बीएमडब्ल्यू 310 सीसी मॉडल्स के अनुभव का लाभ उठाकर इस बाइक को परफॉर्मेंस बाइक के रूप में पेश कर सकती है। बता दें कि इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में पहले ही आईक्यूब स्कूटर के जरिए 25 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर चुकी है।

पीएनबी ने 2025 की चौथी तिमाही के लिए 4,567 करोड़ का शुद्ध लाभ किया दर्ज

नई दिल्ली,, एजेंसी। सरकारी स्वामित्व वाले पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने वित्त वर्ष 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही के लिए 4,567 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इस अवधि के 3,010 करोड़ रुपए के आंकड़े से 51.7 फीसदी ज्यादा है। पीएनबी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2.90 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का लाभांश घोषित किया है। जमा पर दिए गए ब्याज और ऋण पर अर्जित ब्याज के बीच का अंतर, बैंक की शुद्ध ब्याज आय चौथी तिमाही के लिए 4 फीसदी बढ़कर 10,757 करोड़ हो गई।

पीएनबी बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2 रुपए अंकित मूल्य के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 2.90 रुपए का लाभांश देने की सिफारिश की। लाभांश बैंक की आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता की परिसंपत्ति गुणवत्ता जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान बेहतर हुई, जिसमें ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स पिछली तिमाही के 4.09 फीसदी से घटकर 3.95 फीसदी हो गईं। चौथी तिमाही में नेट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स मामूली रूप से घटकर 0.41 फीसदी रह गईं, जो तीसरी तिमाही में 0.4 फीसदी थीं। पीएनबी बोर्ड ने बेसल-3 अनुपालन बॉन्ड जारी कर 8,000 करोड़ की नई फंडिंग जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसमें 4,000 करोड़ रुपए तक के अतिरिक्त टियर-1 बॉन्ड और 4,000 करोड़ रुपए तक के टियर-2 बॉन्ड शामिल हैं, जिन्हें वित्त वर्ष 2026 के दौरान एक या ज्यादा किस्तों में जुटाया जाएगा। पीएनबी का वैश्विक कारोबार वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 14.03 फीसदी से बढ़कर 26,83,260 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 23,53,038 करोड़ रुपए था। वैश्विक जमा राशियों में सालाना आधार पर 14.38 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो मार्च 2025 तक 15,66,623 करोड़ रुपए हो गई, जो मार्च 2024 तक 13,69,713 करोड़ रुपए थी। ग्लोबल एडवांस 9,83,325 करोड़ रुपए से 13.56 फीसदी बढ़कर 11,16,637 करोड़ रुपए हो गया।

महिंद्रा ने दी 40 दिनों में 6,300 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी

नई दिल्ली , एजेंसी। स्वदेशी वाहन निमार्ता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने महज 40 दिनों में 6,300 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी की है। हाल ही में इन वाहनों में लॉन्च की गई दो बॉर्न इलेक्ट्रिक एसयूवीएस बीई 6 और एक्सईवी 9ई शामिल हैं।

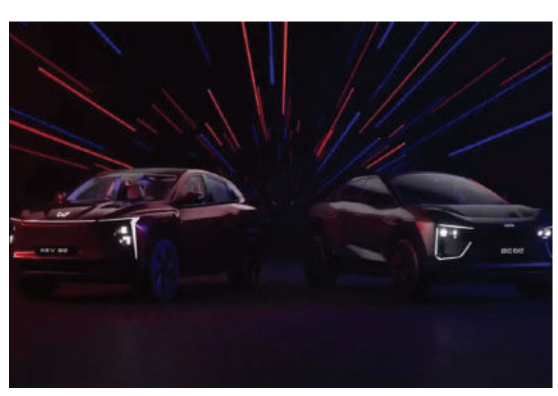

डिलीवरी की शुरूआत 20 मार्च 2025 से इनके टॉप वेरिएंट ह्यपैक थ्रीह्न के साथ की गई थी। खास बात यह रही कि इन दोनों मॉडलों ने लॉन्च के पहले ही दिन रिकॉर्ड 30,179 यूनिट्स की बुकिंग हासिल की थी, जिसकी बुकिंग वैल्यू 7,472 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। महिंद्रा के अनुसार, कुल डिमांड में से 59 प्रतिशत हिस्सा एक्सईवी 9ई जैसे फ्लैगशिप मॉडल के लिए रहा, जिससे साफ है कि ग्राहक प्रीमियम ट्रिम्स को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। कंपनी ने बताया कि इन इलेक्ट्रिक एसयूवीएस के अन्य वेरिएंट्स की डिलीवरी के लिए ग्राहकों को लगभग 4 से 5 महीने तक का इंतजार करना पड़ सकता है। बीई 6 और एक्सईवी 9ई दोनों ही महिंद्रा द्वारा इन-हाउस विकसित किए गए इंग्लो स्केटबोर्ड प्लेटफॉर्म पर आधारित हैं। इनमें 59 केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच के दो बैटरी विकल्प दिए गए हैं। बीई 6 में इन बैटरियों से क्रमशः 557 किमी और 682 किमी की रेंज मिलती है, जबकि एक्सईवी 9ई में यह आंकड़ा क्रमशः 542 किमी और 656 किमी का है। इन आंकड़ों से जाहिर है कि महिंद्रा का फोकस अब स्पष्ट रूप से हाई-एंड, लॉन्ग-रेंज ईवी सेगमेंट पर है। महिंद्रा के ऑटो डिवीजन के सीईओ राजेश जेजुरिकर ने कहा कि कंपनी भारत में राजस्व आधारित ईवी मार्केट में नंबर वन बनी हुई है, भले ही वह वॉल्यूम के हिसाब से प्रतिस्पर्धा नहीं कर रही हो।

नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर 10 मई से डिजिटल पेमेंट बंद

अब पेट्रोल-डीजल सिर्फ कैश में मिलेगा

नई दिल्ली , एजेंसी। देश भर में जहां डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं एक बड़ा फैसला महाराष्ट्र के नागपुर से सामने आया है, जिसने रोजाना पेट्रोल पंप पर जाने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मोबाइल स्कैन कर पेट्रोल भरवाने वाले वाहन चालकों के लिए अब मुश्किल खड़ी होने वाली है, क्योंकि नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर डिजिटल पेमेंट बैन कर दिया गया है। विदर्भ पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि 10 मई से नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर डिजिटल पेमेंट को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इसका सीधा मतलब है कि अब पेट्रोल या डीजल भरवाने के लिए आपको कैश लेकर जाना जरूरी होगा, वरना आपको ईंधन नहीं मिलेगा। फिलहाल लोग पेटीएम, गूगल पे, फोनपे, कार्ड आदि के जरिए भुगतान करते हैं, लेकिन यह सुविधा कुछ ही दिनों में बंद हो जाएगी। पेट्रोल पंप संचालकों ने पहले से ही ग्राहकों को सतर्क करना शुरू कर दिया है। यह निर्णय किसी तकनीकी खराबी या सरकारी आदेश के तहत नहीं लिया गया, बल्कि पेट्रोल पंप मालिकों की साइबर फ्रॉड से तंग आकर लिया गया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि पिछले कुछ समय में लगातार ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां लोग नकली या फर्जी डिजिटल ट्रांजेक्शन दिखाकर पेट्रोल भरवा लेते हैं। इसके बाद वे राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर झूठी शिकायत दर्ज करवा देते हैं कि उनका पैसा काट लिया गया, जिससे पेट्रोल पंप मालिकों के बैंक खाते सीज (फ्रीज) हो जाते हैं। इसके चलते पेट्रोल पंप के संचालन पर बड़ा असर पड़ा है।

एक्साइड लिथियम-आयन सेल विनिर्माण उद्यम को बढ़ावा देगी

- एक्साइड एनर्जी में भी करीब 1,000 करोड़ रुपये का निवेश किया

कोलकाता , एजेंसी। एक्साइड इंडस्ट्रीज की नई योजनाओं और निवेशों के बारे में जानकारी के अनुसार कंपनी अपने लिथियम-आयन सेल विनिर्माण उद्यम को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेगी। इस पहले चरण में एक्साइड ने नकदी प्रवाह और कार्यशील पूंजी में वृद्धि के कारण अच्छे परिणाम दर्ज किए हैं। एक्साइड ने अनुषंगी कंपनी एक्साइड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड में भी करीब 1,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है, और अतिरिक्त 300 करोड़ रुपये का निवेश भी किया गया है। इससे कुल इक्विटी निवेश 3,602.23 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। एक्साइड की लिथियम सेल विनिर्माण परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और उसने अप्रैल में ईईएसएल में अतिरिक्त निवेश करने का निर्णय लिया है। वित्त वर्ष 2025-26 में व्यावसायीकरण के लिए यह पूंजी लगाने का विचार किया जा रहा है। एक्साइड के प्रवक्ता के अनुसार, कंपनी वित्तपोषित करने के लिए अतिरिक्त 1,200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और यह निवेश किस्तों में किया जाएगा। इससे उन्होंने ईईएसएल की इक्विटी पूंजी में भी महत्वपूर्ण निवेश किया है।

टाटा ग्रुप की वोल्टास ने कमाया दोगुना मुनाफा

- अब हर शेयर पर देगी 7 रुपए डिविडेंड, 1850 रुपये का बड़ा टारगेट प्राइस

नई दिल्ली , एजेंसी। टाटा ग्रुप की एक अन्य कंपनी वोल्टास लिमिटेड, ने नए रिकॉर्ड नतीजों के साथ तीन महीनों में मामूली कमाई की गुणजति दिखाई है। कंपनी ने इस अवधि में 107 फीसदी का मुनाफा दर्ज किया है, जिसके परिणामस्वरूप मुनाफा दोगुना हो गया है। ब्रोकरेज हाउस ने वोल्टास के शेयरों पर टारगेट प्राइस को बढ़ाया है। सभी ब्रोकरेज फर्म ने वोल्टास के शेयरों पर महंगे टारगेट प्राइस दिए हैं, जिससे कारोबारी सत्र में इसमें उच्च गति की संभावना है। वोल्टास ने मार्च तिमाही में अपने नतीजों को घोषित किया, जिसमें उन्होंने अपनी आईन्द्रिय अवधि में 108 फीसदी की आमदनी प्राप्त की है। कंपनी का रेवेन्यू भी बढ़कर 4767.6 करोड़ रुपये हो गया है, जो 4203 करोड़ रुपये के पिछले साल के मुकाबले है। इसके साथ ही, वोल्टास ने शेयरधारकों को प्रति शेयर 7 रुपये के डिविडेंड की सिफारिश की है। रिजल्ट एक्सपर्ट्स का कहना है कि वोल्टास के

बेहतर नतीजों के बाद भी उनके पुराने अनुमानों से कम रहे हैं, जिसका प्रभाव शेयरों की कीमतों पर भी पड़ सकता है। कल वोल्टास के भावनात्मक शेयर बीएसई पर 1.19% उछाल कर 1244.25 पर बंद हुए थे। इस अवधि में उच्च स्तर पर टारगेट प्राइस देने पर ब्रोकरेज फर्मों की संकेतिक रेटिंग भी अत्यधिक मान्यवर है।

जिंदल स्टेनलेस ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय परिणाम जारी किए

हिसार - जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने 23,73,070 टन की बिक्री दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2024 की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। एकल आधार पर, शुद्ध राजस्व में सालाना आधार पर 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 40,182 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2025 में एबिट्ड 3,905 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 प्रतिशत कम है, जबकि कर पश्चात लाभ 2,711 करोड़ रुपये रहा, जिसमें साल दर साल 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

निरंतर और मजबूत घरेलू मांग की वजह से, चौथी तिमाही वित्त वर्ष25 में बिक्री मात्रा बढ़कर अब तक के सर्वोच्च स्तर 6,42,641 टन पर पहुँच गई, जो साल दर साल 13 प्रतिशत की वृद्धि है। इस दौरान एकल शुद्ध राजस्व 13 प्रतिशत बढ़कर 10,786 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एबिट्ड में भी पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, शुद्ध लाभ (पीएटी) ने पिछले वर्ष की तुलना में प्रभावशाली 94ः की बढ़त दर्ज की।

वित्त वर्ष 2025 में स्टेनलेस स्टील की घरेलू मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। भारत की 7,500 किलोमीटर लंबी तटीय सीमा पर स्टेनलेस स्टील के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों ने बाजार में जागरूकता बढ़ाई और पारंपरिक सामग्रियों के स्थान पर स्टेनलेस स्टील को अपनाने को प्रोत्साहित किया। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में स्टेनलेस स्टील की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है, विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों, ट्रेलरों और कंटेनरों जैसे क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों में

विस्तार हो रहा है, जिनमें से कई पहले से ही व्यावहारिक उपयोग में हैं, जबकि अन्य परियोजनाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं। ऑटोमोटिव, रेलवे कोच, मेट्रो, व्हाइट गुड्स और पाइप्स व ट्यूब्स जैसे क्षेत्रों में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, स्पेशलिटी ग्रेड सेगमेंट में भी तिमाही दर तिमाही स्थिर और सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली। इसके अतिरिक्त, प्रोसेस इंडस्ट्री, हाइड्रोजन और न्यूक्लियर जैसे रणनीतिक और उभरते हुए क्षेत्रों ने वित्त वर्ष 25 में मजबूत विकास संभावनाएं दशाईं, जिससे कंपनी के लिए व्यवसाय विस्तार के नए मार्ग खुले हैं।

जेएसएल के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अंतिम लाभांश के रूप में प्रति शेयर रुपए 2 का भुगतान प्रस्तावित किया है, जो शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है। इसके साथ कुल लाभांश भुगतान बढ़कर रुपए 3 हो गया है, अर्थात रुपए 2 अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 150 प्रतिशत लाभांश। 31 मार्च 2025 को समाप्त तिथि तक कंपनी का शुद्ध ऋण रुपए 3,899 करोड़ रहा।

जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक श्री अभ्युदय जिंदल ने कहा कि पिछला वित्तीय वर्ष हमारे लिए एक अहम साल रहा, जिसने हमारे घरेलू बाजार में मजबूत स्थिति बनाने और हमारी आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने के लक्ष्य को पूरा किया। इंडोनेशिया में हमारी एनपीआई सुविधा का जल्दी चालू होना, क्रोमेनी स्टील्स का पूरी तरह अधिग्रहण करना और एम1एक्सचेंज में हमारा निवेश, इन सभी ने हमारे व्यापार को मजबूत किया है। एम1एक्सचेंज में हिस्सेदारी ने कच्चे माल की सुरक्षा, उत्पादों में विविधता और डिजिटल नेतृत्व में एक बड़ा कदम उठाने में मदद की। जैसे-जैसे हम ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल बढ़ाते हैं, नए उत्पादों और ग्रेड का निर्माण करते हैं, अक्षय ऊर्जा की आपूर्ति बढ़ाते हैं और पारदर्शी ईएसजी रिपोर्टिंग करते हैं, हम सिर्फ स्टेनलेस स्टील बनाने पर नहीं, बल्कि भारत के लिए एक तकनीक-सक्षम और आत्मनिर्भर भविष्य बनाने की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

युवराज सहित कई क्रिकेटरों ने रोहित के योगदान को सराहा और उन्हें शांत योद्धा' बताया

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के साथ ही एक युग का समापन हो गया। रोहित ने अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को लगातार आगे बढ़ाया। वह एक सफल नेतृत्वकर्ता' के रूप में उभरे और ह्यड्रेसिंग रूम में उनकी कमी हमेशा खेलेगी। वह अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट में ही खेलेंगे। रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर प्रशंसकों के साथ ही क्रिकेटरों ने भी उनकी सराहना की है। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने उन्हें एक 'शांत योद्धा' बताया।

युवराज ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में आपसे बहुत कुछ अपेक्षित है - जज्बा, धैर्य और चरित्र। भाई, आपने इसमें अपना सब कुछ लगा दिया और इसे बेहद सहज बना दिया। एक शांत योद्धा से लेकर शीर्ष पर एक नेतृत्वकर्ता तक, आपकी यात्रा विशेष रही है। आप पर गर्व है, शुभकामनाएं।'

वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट टीम में रोहित की अनुपस्थिति के कारण पैदा हुए भावनात्मक शून्य को दोहराया।

पंत ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आपकी उपस्थिति और प्रभाव हमेशा ड्रेसिंग रूम में गूंजता रहेगा। हमेशा के लिए प्यार रोहित भाई।'

पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा, ह्यएक युग का अंत ! रोहित टेस्ट क्रिकेट में आपका धैर्य, अनुग्रह और नेतृत्व हमेशा भारत की क्रिकेट यात्रा का एक बड़ा हिस्सा रहेगा। यादों के लिए धन्यवाद, कप्तान !'

वहीं पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने महसूस किया कि रोहित ने ह्यसही समय पर सही निर्णय लिया।'

वहीं बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने पुरानी यादों को ताजा किया।

मयंक ने लिखा, 'पवेलियन से बाहर आना, 22 गज की पिच पर आपसी समझ, ड्रेसिंग रूम में हंसी-मजाक और मैदान पर हावी होने की मानसिकता। आपके साथ सफेद कपड़ों में ये यादें साझा करके खुशी हुई।'

पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह ने एक खिलाड़ी और एक नेता के रूप में भारतीय क्रिकेट में रोहित के 'अतुलनीय' योगदान को याद किया।

उन्होंने लिखा, 'रोहित को बहुत-बहुत सलाम ! भारतीय क्रिकेट में आपका योगदान अतुलनीय है। रोमांचक पारियों से लेकर जुनून और गर्व के साथ टीम का नेतृत्व करने तक, आपने अपना सब कुछ झौंक दिया है। आपको एक अच्छी छुट्टी और खुशियों से भरे भविष्य की शुभकामनाएं !'

युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल जायसवाल ने कहा, 'रोहित भाई, सफेद कपड़ों में आपके साथ क्रीज साझा करना किसी आशीर्वाद से कम नहीं था। हर चीज के लिए धन्यवाद।'

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने लिखा, 'रोहित का भारतीय क्रिकेट पर प्रभाव रिकॉर्ड और आंकड़ों से कहीं बढ़कर है। वह टीम में धैर्य और आश्वासन की भावना लाए- एक खिलाड़ी और एक कप्तान के रूप में। दबाव में शांत रहने और टीम की जरूरतों को लगातार अपनी जरूरतों से ऊपर रखने की उनकी क्षमता ने उन्हें वास्तव में एक विशेष खिलाड़ी और नेतृत्वकर्ता बनाया।'

उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट भाग्यशाली रहा है कि उसे रोहित जैसा खिलाड़ी मिला - जिसने पेशेवरपन और खेल भावना के उच्चतम मानकों को बरकरार रखा। वह ना केवल एक उल्लेखनीय खेल रिकॉर्ड, बल्कि अनुशासन और निस्वार्थता की संस्कृति को पीछे छोड़ गए हैं जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।'

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने इंग्लैंड में रोहित की उपलब्धियोंको याद करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पठान ने कहा, 'आपके टेस्ट करियर के लिए रोहित को बधाई। इंग्लैंड में 2021 की टेस्ट श्रृंखला को आपकी वीरता के लिए याद किया जाएगा। अपने अगले चरण के लिए शुभकामनाएं।'

स्पिनर वरुण पर जुर्माना

कोलकाता , एजेंसी। आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर जुमार्ना लगाया गया है। वरुण पर सीएसके के खिलाफ मैच के दौरान मैच फीस का 25 फीसदी जुमार्ना लगाया गया है और साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ है। वरुण को आईपीएल आचार संहिता की धारा 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। ये मैच में किसी अन्य खिलाड़ी के प्रति अपमानजनक भाषा, कार्य या हाव-भाव का प्रयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़काने को लेकर है। आईपीएल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, वरुण ने अपनी गलती को अपराध को स्वीकार कर लिया है और मैच रेफरी की सजा को मान लिया है। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का फैसला अंतिम माना जाता है।

इसके तहत जब कोई बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट रहा होता है तो उत्साह में कई बार गेंदबाज बल्लेबाज ऐसी प्रतिक्रिया देते हैं, जिससे बल्लेबाजी की ओर से जवाबी प्रतिक्रिया मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इससे कई अवसरों पर मैदानी अंपायरों को बीच-बचाव के लिए आना पड़ता है। गेंदबाज की ओर से बल्लेबाज के प्रति इस तरह की प्रतिक्रिया को अपमानजनक माना जाता है। जब कोई बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट रहा हो उस समय गेंदबाज की ओर से उसके बहुत करीब जाकर जश्न मनाना, आउट बल्लेबाज को मौखिक रूप से गाली देना, पवेलियन की ओर इशारा करना आदि ऐसे मामले हैं जिनमें गेंदबाज को दोषी ठहराया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अगले सत्र के लिए बल्लेबाजों और गेंदबाजों पर ध्यान दे रहे धोनी

कोलकाता , एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन आईपीएल के इस 18 सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसे केवल तीन मुकाबलों में ही जीत मिली है। टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में मिली जीत के बाद कहा है कि टीम ने अगले सत्र की तैयारियों पर ध्यान देंगे। धोनी ने कहा कि इस बार कई बातें हमारे खिलाफ रहीं जिससे भी टीम को नुकसान हुआ। धोनी ने जोर देकर कहा कि व्यावहारिक रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। हमारे पास 25 खिलाड़ी हैं और मैं इस पर ध्यान दे रहा हूं कि अगले साल के लिए कौन सा बल्लेबाज कहां उपयोगी साबित हो सकता है। इसके अलावा कौन सा गेंदबाज हालातों के अनुसार ढ़ल सकता है। धोनी ने बल्लेबाजों से कहा कि रन नहीं मिलने पर भी वह अपना मनोबल बनाये रखें और अपनी क्षमता से शॉट लगायें। धोनी ने आयुष म्हात्रे जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए कहा कि ये खिलाड़ी अब हमारे दल का हिस्सा हैं। आप उन्हें नेट्स या प्रैक्टिस मैचों में देख सकते हैं। उन्हें अवसर देना जरूरी है जिससे ये मानसिक मजबूती और खेल को लेकर जानाकरी हासिल कर सकें। साथ ही कहा कि तकनीक से ज्यादा जरूरी है कि वे गेंदबाज की रणनीति को समझें और उनकी खराब गेंद को पकड़कर शॉट खेलें। वहीं अपने भविष्य को लेकर सवाल पर धोनी ने कहा हर जगह मिलने वाला प्यार और सम्मान शानदार है। मैं केवल दो महीने खेलता हूं। इस आईपीएल के बाद मुझे अपने शरीर की स्थिति देखनी होगी कि क्या मैं इस दबाव को झेल सकता हूं। अभी कुछ तय नहीं किया जा सकता है।

पीएसएल से विदेश खिलाड़ियों को वापस लौटने नहीं कहा : पीसीबी

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय सेना की पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक का प्रभाव पाक सुपर लीग (पीएसएल) में भी पड़ता दिख रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पीएसएल में खेल रहे विदेशी क्रिकेटरों को देश छोड़ने को कहा है हालांकि पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस दावे को गलत बताया है। पीसीबी ने कहा है कि पीएसएल के मुकाबले पहले की तरह ही चलते रहेंगे। साथ ही कहा कि किसी भी विदेश खिलाड़ी ने अब तक लीग छोड़ने की बात नहीं कही है। लीग में शामिल छह फ्रेंचाइजी के कम से कम तीन मीडिया मैनेजरों ने कहा कि अभी तक उनकी टीमों के किसी भी विदेशी खिलाड़ी ने लीग छोड़ने का अनुरोध नहीं किया है। इस लीग में प्रत्येक फ्रेंचाइजी के दल में पांच-छह विदेशी खिलाड़ी हैं। पीसीबी ने कहा कि इस्लामाबाद यूनाइटेड और क्वेटा ग्लैडिएटर्स के बीच होने वाला मैच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में तय समय पर होगा। गौरतब है कि ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन के प्रशंसक उनसे स्वदेश लौटने को कह रहे हैं। भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए थे जिसके बाद से ही पाक में अफरातफरी का माहौल है।

सीएसके की ओर से खेल रहे उर्विल शीर्ष पांच खिलाड़ियों के क्लब में पहुंचे

कोलकाता , एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है पर उसके युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से जरुर प्रभावित किया है। इन्हीं में से एक हैं उर्विल पटेल भी हैं। उर्विल ने सीएसके की ओर से पहला ही मुकाबला खेलते हुए अपने आक्रामक शॉट से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसे के साथ ही वह उन पांच शीर्ष बल्लेबाजों में आ गए हैं जिन्होंने आईपीएल डेब्यू पर पहले 10 गेंदों में सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। उर्विल ने आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी पहली ही 10 गेंदों में 31 रन बना दिये। अपनी इस विस्फोटक पारी से वह सूची में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। उन्होंने चार छक्के और एक चौका लगाया। वहीं इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने साल 2018 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ दिल्ली में अपने आईपीएल डेब्यू मैच में ही पहली 10 गेंदों में 30 रन बनाए।

विराट के समर्थन में उतरे चहल , क्रुणाल ने वैद्य को अनफॉलो किया

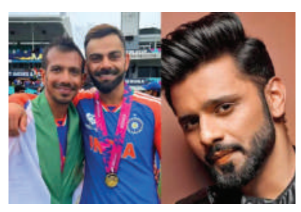

नई दिल्ली , एजेंसी। बॉलीवुड सिंगर राहुल वैद्य को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली पर व्यंग्य कसना भारी पड़ गया है। ये विवाद तब शुरू हुआ जब विराट ने कहा कि उन्होंने अभिनेत्री अवनीत कौर की तस्वीरों को लाइक नहीं किया था बल्कि ये तस्वीरें इंस्टाग्राम की गलती की वजह से लाइक हुई। इसके बाद वैद्य ने कोहली पर तंज कसा और कहा कि उन्होंने फोटो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर उन्हें ब्लॉक कर दिया है। इसके बाद कोहली के समर्थन में उतरे क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने कहा कि उन्होंनें और क्रुणाल पंड्या ने भी वैद्य को अनफॉलो कर दिया है। विराट के प्रशंसक काफी समय से वैद्य को अनफॉलो करने की अपील कर रहे थे जिसके बाद चहल ओर क्रुणाल सामने आये।

विराट का भारतीय क्रिकेट जगत में कई खिलाड़ियों के साथ करीबी संबंध है और उनके साथियों का यह कदम एकजुटता के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में विराट ने अवनीत की कुछ बोल्ड तस्वीरों पर 'लाइक' बटन दबाया, और इंटरनेट पर गॉसिप का दौर शुरू हो गया। ये तस्वीरें 30 अप्रैल को पोस्ट की गई थीं, जिसमें अवनीत एक स्टाइलिश ग्रीन टॉप और मिनी स्कर्ट में नजर आ रही थीं। इसके बाद प्रशंसकों ने कमेंट्स में दिल वाले इमोजी लगा दिये। सोशल मीडिया पर उठे विवाद के बाद विराट ने अपना जबाब दिया और कहा कि उन्होंने तस्वीर को लाइक नहीं किया केवल एल्गोरिदम की गलती से ऐसा हुआ।

रियाद में सउदी प्रो लीग में खेलते हुए अल नसार के ब्रोजोविक।

केकेआर को प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने जीतने होंगे दोनो मैच

मुम्बई , एजेंसी। आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली हार से नुकसान हुआ है और उनकी प्लेऑफ की संभावनाएं कम हुई हैं पर समाप्त नहीं हुई हैं। केकेआर के अबतक 12 मैचों में 11 अंक है और टीम आईपीएल 2025 अंक तालिका में छठे स्थान पर है। केकेआर को अभी लीग स्तर पर दो मैच और खेलने हैं और अगर टीम यह दोनों मैच जीतने में सफल रहती है तो वह अधिकतम 15 अंकों तक पहुंच सकती है।

वहीं केकेआर अब दो में से एक भी मैच हारती है तो वह प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। वहीं अगर टीम 15 अंक तक पहुंचने में सफल रहती है तो उसे मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के परिणामों पर नजर रखनी होगी। मुम्बई अपने सभी मैच जीते तो 18, दिल्ली कैपिटल्स 19 जबकि सुपर जाएंट्स 16 अंक तक पहुंच सकती है।

केकेआर ऐसे में चाहेगी कि मुंबई और दिल्ली 2-2 जबकि सुपर जाएंट्स एक मैच हार जाये। इस स्थिति में केवल दिल्ली के ही कोलकाता के बराबर 15 अंक होंगे। फिर प्लेऑफ का टिकट नेट रन रेट के आधार पर हासिल किया जा सकेगा। अभी नेट रन रेट के मामले में दिल्ली कैपिटल्स (+0.362) कोलकाता नाइट राइडर्स (+0.193) से आगे हैं। केकेआर को आगामी मैचों में अपना नेट रन रेट सुधारना होगा। प्लेऑफ की दौड़ में अभ गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स की टीमें 16-16 जबकि पंजाब किंग्स 15 अंक लेकर सबसे आगे है।

राणा आईपीएल से बाहर हुए, प्रीटोरियस शामिल

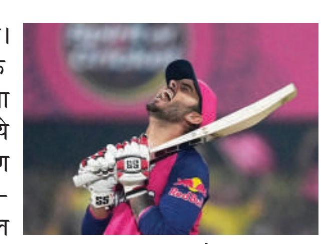

नई दिल्ली , एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज नितीश राणा आईपीएल से बाहर हो गये हैं। राणा की जगह पर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को शामिल किया गया है। प्रीटोरियस को 30 लाख रुपए के आधार मूल्य पर टीम के साथ जोड़ा गया है। रॉयल्स की टीम हालांकि प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ।हालांकि उन्हें लीग स्तर के बचे दो और मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में टीम इस विदेशी खिलाड़ियों को वह अगले सत्र के लिए जांच रही हैं। राणा की जगह पर शामिल प्रीटोरियस ने 33 टी20 मैच खेले हैं और 97 के उच्चतम स्कोर के साथ 911 रन बनाए हैं। वह रॉयल्स में अपने आधार मूल्य 30 लाख में शामिल किय गये हैं। राणा ने इस सीजन 11 मैच में दो अर्धशतक सहित 217 रन बनाये हैं।

प्रीटोरियस दक्षिण अफ्रीका के विकेट कीपर बल्लेबाज हैं, जिन्होंने हाल ही में लीग के दौरान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। प्रीटोरियस ने 33 टी20 मैच खेले हैं और 911 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 97 रहा है, जो इस साल की शुरूआत में एसए 20 टीम पार्ल रॉयल्स के लिए उनके डेब्यू पर आया था। वह एसए 20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिन्होंने 12 पारियों में 166.8 की स्ट्राइक रेट से 397 रन बनाए हैं।

धोनी के नरेन की स्टंपिंग पर इसलिए उठे सवाल

कोलकाता, एजेंसी। चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने जिस प्रकार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में सुनील नरेन को स्टंप आउट किया उसपर सवाल उठे हैं। गेंद नरेन के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर पैड से टकराई और जमीन पर लुढ़क गई। वहीं धोनी ने तेजी से गेंद को उठाया और नरेन के क्रीज पर लौटने से पहले ही विकेट गिरा दिये। 43 की उम्र में धोनी की इस प्रकार की स्टंपिग देखकर सभी हैरान रह गये।

धोनी के इस प्रकार नरेन को स्टंप आउट करने पर विवाद भी उठा हैं क्योंकि आईसीसी नियमों के अनुसार अगर ग्लव्स स्टंप से आगे हों तो स्टंपिंग अमान्य होती है और इसे नो-बॉल माना जाता है पर यह नियम तब लागू होता है जब गेंदबाज रन-अप शुरू करता है और गेंद स्टंप को पार कर जाती है या बल्लेबा के बल्ले पर लग जाये। इस मामले में गेंद नरेन के बल्ले और पैड पर लगी थी। इसलिए धोनी के ग्लव्स स्टंप से आगे होने के बाद भी नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ। इसी करण नरेन को आउट करार दिया गया। नरेन के आउट होने के साथ ही मैच बदल गया। नूर ने उसी ओवर में अंगकृष रघुवंशी का विकेट लेकर केकेआर की मुश्किलें और बढ़ा दीं। इस मैच में आंखिरकार सीएसके ने जीत दर्ज कर सत्र में अपना तीसरा मुकाबला जीता। वह पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी थी पर उसने इस जीत के साथ ही केकेआर की बची हुई उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया।

ओलंपिक के लिए लवलीना को बदलना होगा वजन वर्ग

नई दिल्ली , एजेंसी। अब अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए 75 किग्रा भार वर्ग को समाप्त कर दिया है। ऐसे में भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को अब 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए अपना वजना वर्ग बदलना होगा। लवलीना अब तक 75 किग्रा भार वर्ग में उतरती रही हैं पर उन्हें अब या तो 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा या 80 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में उतरना होगा। आईओसी की घोषणा को देखते हुए लवलीना ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल नई जानकारी है। यह काफी चौंकाने वाली है। मुझे लगता है कि मुझे 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा क्योंकि मेरे लिए 80 किग्रा से अधिक तक जाना मुश्किल होगा।'

उनकी निजी कोच प्रणामिका बोरा भी इस बदलाव हैरान थी लेकिन उन्होंने कहा कि फिटनेस और चिकित्सा मूल्यांकन के बाद ही नए वजन वर्ग को लेकर कोई अंतिम फैसला किया जाएगा। बोरा ने कहा, 'इस खबर से मैं वास्तव में हैरान हूं। अभी किसी फैसले पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। वह 70 और 80 दोनों वजन वर्गों में उतर सकती है लेकिन हमें इस पर फैसला करने से पहले कुछ परीक्षण करने होंगे।' अभी बोरगोहेन का वजन 74 किलोग्राम है और बोरा ने कहा कि बहुत अधिक वजन कम करने से ताकत में कमी आ सकती है। इसलिए हम देखेंगे कि उसे किस चीज से अधिक फायदा मिलता है।' इस महिला मुक्केबाजी को पिछले महीने ही 2028 ओलंपिक में शामिल करने की पुष्टि की गई थी।

रहाणे आईपीएल में 5000 रन बनाने वाले शीर्ष दस खिलाड़ियों में शामिल

कोलकाता , एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में अपनी 48 रनों की पारी के साथ ही आईपीएली में अपने 5000 रन पूरे किये। रहाणे ने ये रन केवल 182 पारियों में ही बनाये हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह 9वें बल्लेबाज हैं। रहाणे ने साली 2008 में मुंबई इंडियंस की ओर से पहली बार खेला था। इसके बाद से ही उन्होंने राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी 6 फ्रेंचाइजियों के लिए जबरदस्त प्रदर्शन किया है। सबसे ज्यादा आईपीएल रन विराट कोहली के नाम हैं जबकि रहाणे इस सूची में शीर्ष दस खिलाड़ियों में शामिल हैं। रहाणे को खास तौर पर राजस्थान रॉयल्स की ओर से की गयी कप्तानी के लिए जाना जाता है। शांत स्वभाव वाले मशहूर रहाणे ने 2023 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में चेन्नई के साथ अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती। वह इस सत्र में अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

सबसे ज्यादा आईपीएल रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची :

8,509 - विराट कोहली (255 पारी)
6,928 - रोहित शर्मा (263 पारी)
6,769 - शिखर धवन (221 पारी)
6,565 - डेविड वार्नर (184 पारी)
5,528 - सुरेश रैना (200 पारी)
5,406 - एमएस धोनी (240 पारी)
5,162 - एबी डिविलियर्स (170 पारी)
5,064 - केएल राहुल (133 पारी)
5,000* - अजिंक्य रहाणे (182 पारी)
4,965 - क्रिस गेल (141 पारी)

वरुण सबसे तेजी से 100 विकेट लेने वाले गेंदबाजों के क्लब में शामिल

मुंबई , एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में केकेआर की ओर से खेल रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अब सबसे तेजी से 100 विकेट लेने वाले स्पिनरों में शामिल हो गये हैं। सीएसके के खिलाफ मैच में वरुण ने अपने 100 विकेट पूरे किये। ये विकेट उन्होंने केवल 83 मैचों में लिए हैं।

इससे पहले ये उपलब्धि अमित मिश्रा के अलावा अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान के नाम थी। वहीं वरुण ने भी केवल 83 मैचों में 100 आईपीएल विकेट पूरे कर इस सूची में शामिल हो गये हैं। वहीं 100 विकेट लेने वाले अन्य स्पिनर हैं युजवेंद्र चहल व सुनील नरेन। चहल ने 84 मैचों और नरेन ने 86 मैचों में ये विकेट लिए।

चहल (84 मैच)

लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 84 मैचों में 100 आईपीएल विकेट लिए। चहल ने अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी से यह उपलब्धि हासिल की है। वह सबसे तेजी से 100 विकेअ लेने वालो में दूसरे गेंदबाज हैं। ने उन्हें इस सूची में दूसरा स्थान दिलाया।

नरेन (86 मैच)

वेस्टइंडीज के रहस्यमयी स्पिनर सुनील नरेन ने 86 मैचों में 100 आईपीएल विकेट लिए हैं। नरेन ने अपनी कसी हुई गेंदबाजी और रहस्यमयी गेंदबाजी से बल्लेबाजों की परेशानी बढ़ायी है।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

कुछ चटपटा खाने का है मन तो बनाएं मखाना भेल

हर किसी का मन शाम के समय अक्सर कुछ चटपटा खाने का करता है। लेकिन शाम के समय खाई जाने वाले अधिकतर स्नैक्स में काफी तेल और मसाला होता है जो इसे सेहत के लिए नुकसानदायक बनता है। इसलिए आज हम आपके लिए एक टेस्टी व चटपटी रेसिपी ले कर आये हैं जो सेहत के लिए भी काफी फ़ायदेमन्द हैं। हम्बात कर रहे हैं पोषक तत्वों और एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर मखाना से बनने वाली मखाना भेल की। मखाना भेल खाने से शरीर की इम्यूनिटी बढ़ने के साथ वजन कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है। ये खास तोर से डायबिटीज व ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद होता है। तो आईये जानते हैं मखाना भेल बनाने की रेसिपी...

सामग्री : मखाना- 3 कप, देसी घी- 2 बड़े चम्मच, रोस्टेड मूंगफली- 3 बड़ा चम्मच, टमाटर-1 बड़ा (बारीक कटा), अमचूर पाउडर-1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर-1 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, खीरा- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा), हरी चटनी-2 बड़े चम्मच, इमली की चटनी-1 बड़ा चम्मच, सेब- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा), सेंधा नमक- स्वाद अनुसार

विधि : सबसे पहले पैन में धीमी आंच पर घी गर्म। अब इसमें मखाने, हल्दी व अमचूर पाउडर डालकर फ्राई करें। फिर इन मखानो को बाउल में निकाल लें। अब इसमें बाकी की सामग्री मिलाएं।

आप इसमें अपनी मनपसंद सब्जियां या फल भी मिला सकती है।

बस आपकी मखाना भेल बनकर तैयार है। अब इसे सर्विंग डिश में निकालकर सर्व करें।

बैंगनी रंग की सब्जी सेहतमंद

बैंगनी रंग के फ़ूड्स ना सिर्फ़ देखने में सुंदर और आकर्षक होते हैं, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी पावर पैक्ड होते हैं। यह रंग एन्थोसियानिन नामक ऐंटी-ऑक्सिटेंड्स की वजह से आता है, जो एक तरह का फ़ाइटोन्यूट्रिएंट्स है। इस रंग के खाद्य पदार्थ सेलुलर डैमेज को रोकते हैं, बीमारियों को शरीर तक पहुंचने नहीं देते और ऐंटी-एजिंग एजेंट के रूप में काम करते हैं।

ब्लैकबेरी

ब्लैकबेरी कैलोरी में बेहद कम और विटामिन सी से भरपूर होती है, जिसे रोज़ाना आप एक बाउल खा सकते हैं। विटामिन के और मैग्नीशियम से भरी हुई ब्लैकबेरी कॉग्नेटिव हेल्थ और शरीर के बाहरी अंगों की रक्षा करती है।

बैंगन : इसे ब्रिंजल के अलावा एगप्लांट और एबर्जीन नाम से भी जाना जाता है। बैंगन में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, प्रोटीन, आयरन और विटामिन्स की अच्छी मात्रा पाई जाती है। 100 ग्राम बैंगन में लगभग 24 कैलोरी होती है।

आलू बुखारा (प्लम)

आलू बुखारा में कैलोरी बेहद कम होती है, लेकिन इसमें विटामिन ए, सी, के और पोटैशियम व फ़ाइबर की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। क़रीब प्रति 15 ग्राम आलू बुखारे में 100 ग्राम फ़ाइबर पाया जाता है। यह हड्डियों को मज़बूती देने के साथ ही ब्लड में शुगर लेवल और टाइप-2 डायबिटीज़ को कंट्रोल रखने में सहायक होता है।

पर्पल कैबेज

इस सब्ज़ी को रेड क्रॉट या ब्लू क्रॉट के नाम से भी जाना जाता है। विटामिन्स और फ़्लेवोनॉइड्स से भरपूर यह सब्ज़ी शरीर में इन्फ्लेमेशन को रोकने के साथ ही गट हेल्थ और ऑर्थराइटिस जैसी समस्याओं से बचाने का काम करती है। इसे सलाद और सूप में इस्तेमाल किया जाता है।

चेहरे पर पिंक ग्लो के लिए चुकंदर का फेसपैक

आज कल हर कोई अपनी स्किन और हेल्थ को लेकर काफी परेशान रहता है। हर कोई अच्छा दिखना चाहता है, इसके लिए स्किन का खास धायण रखना काफी जरूरी होता है। लेकिन आज की दौड़भाग की लाइफ में लोगों के पास खुद के लिए समय ही नहीं होता है। स्किन के लिए चुकंदर को काफी फ़ायदेमन्द माना गया है। खून को शुद्ध करने और रैड ब्लड सेल्स बढ़ाने के लिए चुकंदर एक बेहतरीन ऑप्शन है। चुकंदर का फेस पैक विटामिन्स, एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है, ये लगाने से मुंहासों से लेकर दाग-धब्बों और झुर्रियों तक की सभी समस्याएं दूर हो जाती है। तो आईये जानते है इसकी बारे में और...

इसके लिए आपको चाहिए

चुकंदर पाउडर/जूस - 1 चम्मच
एलोवेरा जेल - 1 चम्मच
गुलाबजल - जरूरतअनुसार
स्किन ऑयल - 5-6 बूंदें
चंदन पाउडर - 1/4 चम्मच
शुगर पाउडर

ऐसे करें इस्तेमाल

पहला तरीका

सबसे पहले एलोवेरा जेल व शुगर पाउडर को बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इससे हल्के हाथों से चेहरे पर 2-3 मिनट तक स्क्रब करें। इसके बाद ताजे पानी से चेहरा धो लें। इससे त्वचा में मौजूद धूल-मिट्टी व गंदगी निकल जाएगी।

दूसरा तरीका

चुकंदर पाउडर को आप मार्केट से खरीद सकते हैं, या आप इसे धूप में अच्छी तरह सुखा कर इसका पाउडर बना लें
इसमें एलोवेरा जेल, जरूरतअनुसार गुलाबजल और अपनी स्किन के हिसाब से कोई भी तेल मिलाएं। इसके बाद इसमें चंदन पाउडर मिला लें। अब पेस्ट गाढ़ा लगे तो इसमें गुलाबजल मिलाएं। इसे 2-3 मिनट के लिए रख दें। अब चेहरे पर पैक की मोटी लेयर लगाकर 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर मसाज करते हुए ताजे पानी से धो लें।

चुकंदर के फायदे

- चुकंदर में विटामिन सी होता है जो पिग्मेंटेशन की समस्या को दूर करता है।
- आयरन, फॉस्फोरस और प्रोटीन से भरपूर चुकंदर आपको स्वस्थ और शाइनी त्वचा देता है।
- नियमित यह पैक लगाने से न काले घेरे दूर होंगे बल्कि इससे आंखों का तनाव भी दूर होगा।
- आयरन और कैरोटेनॉयड्स से भरपूर होने के कारण चुकंदर स्किन के छिद्रों और परतों में नमी को सोख लेता है, इससे त्वचा रूखी और बेजान नहीं होती।
- एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर चुकंदर उम्र बढ़ने के शुरुआती लक्षणों और फाइन लाइन्स को दूर करने में बहुत मददगार है।
- इसमें मौजूद लाइकोपीन और स्क्वैलिन त्वचा को ठीक करता हैं, जिससे स्किन लटकती नहीं।

प्रेशर कुकर में बनाते हैं चावल तो जानें ये बातें

भारतीय घरों में चावल एक जरूरी भोजन है जिसे लोग दिन में एक या दो बार खाना पसंद करते हैं। यह सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है और हमारे पेट को भी यह लंबे समय तक भरा रखता है। आमतौर पर लोग इसे खिला खिला खाना पसंद करते हैं। कई घरों में इसे उबालकर पानी छानकर खाया जाता है तो कई लोग ऐसे हैं जो इसे बनाने के लिए प्रेशर कुकर का उपयोग करते हैं। इन दोनों का स्वाद और सेहत पर प्रभाव अलग अलग पड़ता है। सेहत के लिहाज से अगर देखा जाए तो प्रेशर कुकर में बना चावल अधिक फायदेमंद होता है। तो आइए जानते हैं कि आखिर प्रेशर कुकर में पका चावल क्यों फायदेमंद माना जाता है।

लंबे समय तक पेट रहता है भरा भरा

अगर आप प्रेशर कुकर में चावल को पकाते हैं तो इससे राइस का स्टार्च बरकरार रहता है। स्टार्च की वजह से ये यह पेट को काफी लंबे समय तक भरा भरा रखता है जिससे लंबे समय तक भूख कम लगती है। भूख कम लगने से वजन भी नियंत्रित रहता है।

पाचन को बनाए बेहतर

जब चावल प्रेशर कुकर में पकता है तो यह बेहतर तरीके से पकता है। जिससे पाचन क्रिया सुचारु रूप से चलती है और इसे पचाने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आती।

पौष्टिकता रहती है बरकरार

अगर आप चावल पकाने के लिए प्रेशर कुकर या राइस कुकर का उपयोग करते हैं तो इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व चावल में ही रह जाते हैं। बता दें कि जब चावल को उबालकर इसका पानी फेंका जाता है तो इससे इसकी कई पौष्टिक तत्व बाहर निकल जाते हैं।

बैक्टीरिया रहित

जब प्रेशर कुकर में हाई हीट और हाई प्रेशर में चावल को पकाया जाता है तो इसमें किसी भी तरह के बैक्टीरिया के रहने की संभावना दूर हो जाती है।

एनर्जी और समय की बचत

जब हम प्रेशर कुकर में चावल बनाते हैं तो यह कई गुना जल्दी पक जाता है और गैस की बर्बादी नहीं होती। ऐसे में आपका समय और एनर्जी दोनों की बचत होती है।

मजबूत दिल के लिए कैनोला तेल

कैनोला तेल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में फायदेमंद साबित हो सकता है। यह शोध कनाडा में किया गया है। इस शोध में टाइप 2 डायबिटीज के 141 मरीजों को शामिल किया गया था। इस शोध में यह पाया गया है कि कैनोला तेल युक्त रोटी खाने से ख़राब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा 20mg कम हो जाती है। साथ ही हृदय संबंधी रोग अथवा स्ट्रोक से पीड़ित मरीजों को खतरा 7% कम हो जाता है।

डायबिटीज के लिए गुणकारी : इस शोध में यह खुलासा हुआ है कि कैनोला तेल के सेवन से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। साथ ही उच्च रक्तचाप में भी फायदेमंद है।

आंखों के लिए फायदेमंद : कैनोला तेल में एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन-इ के गुण पाए जाते हैं जो आंखों और त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसके लिए डाइट में कैनोला तेल को ज़रूर शामिल करें।

दिल के लिए दवा : इसमें ओमेगा-3, 6 और 9 फैटी एसिड समेत सैचुरेटेड फैट पाए जाते हैं जो दिल के लिए दवा समान होते हैं। इसके लिए अपनी डाइट में कैनोला तेल का सेवन जरूर करें।

घर के रोजाना के काम को कैसे बनाएं ईको फ्रेंडली?

कोविड-19 के संक्रमण ने हमें प्रकृति से दोबारा जोड़ दिया है. अब हम ईकोफ्रेंडली लिविंग की बात करने लगे हैं. हम अपनी जीवनशैली को पर्यावरण के अनुकूल बनाने की कोशिश करने लगे हैं, जो कि इस वक्त की नज़ाकत को समझते हुए बेहद ज़रूरी भी है. उम्मीद करते हैं कि इस महामारी की समाप्ति के बाद भी लोग अपनी इस बदली हुई जीवनशैली पर क़ायम रहेंगे. यदि आपने भी अपने आप को पर्यावरण के अनुकूल बनाने का फ़ैसला कर ही लिया है तो अपने घर के इन रोज़ाना किए जानेवाले कामों को करने का ढंग बदल दें, इससे वह बदलाव जल्दी आ जाएगा, जिसकी आप उम्मीद लगाए बैठे हैं. तो पढ़िए घर के रोज़ाना के कामों को करते हुए आप कैसे ईको फ्रेंडली रह सकते हैं.

कपड़े के पोंछे का इस्तेमाल करें

फ़र्श, किचन या फ़र्नीचर आदि पोंछने के लिए पेपर नैपकिन्स का इस्तेमाल बंद कर दें. इसका सबसे बड़ा कारण तो यह है कि पेपर नैपकिन्स सिंगल यूज़ वाली होती हैं. वहीं स्पंज में बैक्टीरिया के जमा होने की संभावना होती है. फेंकने के बाद इनका विघटन भी नहीं होता. बजाय इसके कपड़े के पोंछे को प्राथमिकता दें. पहली बात तो वे साफ़-सफ़ाई को आसान बनाते हैं और दूसरी बात उनमें जर्म्स के जमा होने की संभावना न के बराबर होती है. गंदा होने पर आप उन्हें धोकर दोबारा यूज़ कर सकती हैं.

और दूसरी छोटी-छोटी सावधानियां, जो आएंगी काम

- इस्त्री करने के लिए: कपड़ों को धोकर सुखाने के बाद उन्हें गोल-मोल गट्ठर बनाकर न रखें, बजाय इसके हैंगर में रखें. इस तरह कपड़े सुखाने या सूखने के बाद उन्हें रखने से, उनपर ज़्यादा क्रीज़ नहीं पड़ते. इस्त्री करते समय मेहनत भी कम लगती है और बिजली की भी बचत होती है.
- डिशवॉशर और वॉशिंग मशीन के लिए: आप इन उपकरणों का इस्तेमाल तभी करें, जब आपके पास ख़ूब सारे बर्तन हो जाएं या ढेर सारे कपड़े जमा हो जाएं. इससे आप बिजली और पानी दोनों की ही बचत कर सकती हैं. जहां तक संभव हो इन कामों के लिए ठंडे पानी का ही इस्तेमाल करें.
- खाना बनाने के लिए: सब्ज़ियों को पानी के नल के नीचे धोने के बजाय एक बड़े से बर्तन में पानी भरकर उसमें धोएं. इससे पानी कम ख़र्च होगा. खाना बनाते समय बर्तनों का ग़ैरज़रूरी इस्तेमाल न करें. इससे बर्तन बढ़ेंगे, उन्हें धोने की मेहनत बढ़ेगी. ज़्यादा पानी लगेगा. डिटर्जेंट अधिक ख़र्च होगा. खाने की जो चीज़ें बच जाएं, उन्हें फेंकने के बजाय फ्रिज में स्टोर करके रखें. हां, स्टोर करने से पहले यह ध्यान रखें कि वो चीज़ें कमरे के तापमान पर आएं.

प्राकृतिक क्लीनर्स का इस्तेमाल करें

जब आप घर के लिए क्लीनर्स यानी लॉन्ड्री डिटर्जेंट, साबुन आदि ख़रीद रहे हों तो पैक के लेबल को पढ़ना न भूलें. साफ़-सफ़ाई के लिए ऐसी चीज़ें ख़रीदें, जिनमें केमिकल्स कम से कम हों. बेहतर होगा कि आप प्राकृतिक इन्ग्रीडिएंट्स वाले प्रॉडक्ट्स ही ख़रीदें. साफ़-सफ़ाई के लिए आप किचन में उपलब्ध आम चीज़ों का भी इस्तेमाल कर सकती हैं, जैसे-विनेगर (सिरका), बेकिंग सोडा, नींबू का रस आदि. ये चीज़ें बेहद प्रभावशाली क्लीनिंग एजेंट्स हैं. सबसे बड़ी बात ये प्राकृतिक हैं.

हल्दी से हो सकता है कैंसर का प्रभावी इलाज

हल्दी में क्या होता है ख़ास?

भारतीय खानपान का अभिन्न अंग हल्दी को अपने ऐंटी-बायोटिक, ऐंटी-सेप्टिक पाचक गुणों के लिए जाना जाता रहा है। घादिल्ली के बीएल कपूर मेमोरियल हॉस्पिटल द्वारा की गई एक स्टडी में पाया गया है कि हल्दी में क़रीब 20 मॉलिक्यूल्स होते हैं, जो ऐंटी-बायोटिक्स की तरह काम करते हैं। वहीं हल्दी के 14 मॉलिक्यूल्स में कैंसररोधी गुण होता है। इसके 12 मॉलिक्यूल्स ऐंटी-ट्यूमर गुणधर्म वाले होते हैं। हल्दी का सबसे प्रमुख कैंसररोधी मॉलिक्यूल है कर्क्यूमिनॉइड।

हल्दी कैंसर कोशिकाओं यानी कैंसर सेल्स की बढ़ोतरी को रोकती है। ऐसा हल्दी की ऐंटी-एंजियोजेनिक प्रॉपर्टी के चलते होता है। हल्दी कैंसर सेल्स को नए ब्लड वेसल्स बनाने से रोकती है। इतना ही नहीं कैंसर सेल्स के माइटोकॉन्ड्रिया पर हमला करके, उन सेल्स की रिप्रोडक्शन साइकिल को बाधित कर देती है। इससे नए कैंसर सेल्स नहीं बन पाते। कर्क्यूमिन कैंसर के तीनों स्टेजेस में प्रभावी होता है। कर्क्यूमिन टोपोआइसोमेरैसेस नामक एन्ज़ाइम, जो कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि के लिए ज़िम्मेदार होता है, को प्रभावशाली ढंग से कम करता है, जिसके चलते कैंसर सेल्स का ग्रोथ काफ़ी हद तक कम हो जाता है। कैंसर सेल्स कुछ समय बाद कीमोथेरैपी और रेडियोथेरैपी के आदी हो जाते हैं, उनपर इन ट्रीटमेंट्स का उतना असर नहीं होता।

पूरा फ़ायदा पाने के लिए ऐसे करें हल्दी का सेवन

हल्दी को आप चाहे तो गुनगुने पानी में डालकर ले सकते हैं या दूध के साथ। हमारी सब्ज़ियों और दाल में तो इसका इस्तेमाल किया ही जाता है। आप रोज़ाना एक चौथाई चम्मच हल्दी का सेवन करके इस जानलेवा बीमारी से लंबे समय तक बचे रह सकते हैं।

आज की रेसिपी

ब्रोकली सूप

सामग्री :

- ब्रोकली के सूप का सेवन, ब्रोकली 500 ग्राम अजवाइन 1 डंठल, सफेद मिर्च पाउडर 1/2 छोटा चम्मच, पानी 4 कप, बादाम 1 बड़ा चम्मच, आवश्यकता अनुसार नमक, प्याज 1, लहसुन की कली 4, लो फैट दूध 1 कप

विधि :

- सबसे पहले ब्रोकली के फूलों को काट कर एक बाउल में रख लें। इन्हें पानी में अच्छे से धो लें, बचा हुआ पानी निकाल दें और ब्रोकली को नमक वाले पानी में 10 मिनट के लिए भिगो दें। एक बार हो जाने के बाद नमक का पानी निकाल दें और फ्लोरेट्स को एक तरफ रख दें।
- अजवाइन के डंठल, लहसुन और प्याज को एक तेज चाकू से मोटा-मोटा काट लें और एक तरफ रख दें।
- एक फ्राइंग पैन में, बादाम को धीमी आंच पर सावधानी से ड्राई फ्राई कर लें। इन्हें आंच से उतार लें और भूनने के बाद इन्हें स्लाइस में काट लें।
- एक गहरे तले के पैन में पानी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें कटी हुई सब्जियां डालें और उबाल आने दें। इसमें ब्रोकली के फूल सावधानी से डालें और पकने दें। ब्रोकली के नरम हो जाने के बाद, पैन को आंच से हटा लें। एक ब्लेंडर में पैन की सामग्री को डालें और इससे एक प्यूरी बना लें।
- इसके बाद ब्रोकली प्यूरी में दूध मिलाएं और मिश्रण को फिर से उबाल लें। इसके बाद सूप में नमक और सफेद मिर्च डालें और परोसें।

बालों के लिए बेहद फायदेमंद नींबू का रस

नींबू कई स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। ये विटामिन सी से समृद्ध होता है। नींबू पानी वजन घटाने, बेहतर पाचन और टॉक्सिन को निकालने में मदद करता है। नींबू पानी पीने से हमारी त्वचा में निखार आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नींबू का रस हमारे बालों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। बालों के लिए नींबू का रस बहुत लाभकारी होता है।

नींबू और एलोवेरा जेल : 2 चम्मच नींबू के रस में एक चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं। एलोवेरा एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजिंग एजेंट है, जो स्कैल्प पर फंगल को बढ़ने से रोकता है। मिश्रण को अपने स्कैल्प पर लगाएं और 30 मिनट तक लगा रहने दें, इसके बाद बालों को माइल्ड शैम्पू से धोएं। नींबू की तरह, एलोवेरा भी हमारी त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद है। ये फैटी एसिड, विटामिन, आवश्यक अमीनो एसिड और जिंक और कॉपर जैसे मिनरल में समृद्ध है जो बालों को बढ़ाने में मदद करते हैं।

नींबू, मेंहदी और अंडा : 4 बड़े चम्मच मेंहदी पाउडर, एक अंडा, एक नींबू का रस और एक कप गर्म पानी लें। इन सामग्रियों से एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस मिश्रण को अपने स्कैल्प और बालों पर लगाएं और कुछ घंटों के लिए लगा रहने दें। अगर आप ऑयल को नियंत्रित करना चाहते हैं तो मेहंदी और नींबू के रस का मिश्रण एक अच्छा विकल्प हो सकता है। मेंहदी तेल उत्पादन को नियंत्रित करने में मदद करता है। मेंहदी स्कैल्प के पीएच स्तर को बनाए रखता है।

नींबू, मेंहदी और ग्रीन टी : ऑर्गेनिक मेंहदी लें और इसे छानी हुई ग्रीन टी में रात भर भिगो दें। अपने बालों पर मास्क लगाने से पहले दो बड़े चम्मच नींबू का रस मिलाएं। कंडीशनिंग के लिए, आप एक चम्मच दही भी मिला सकते हैं। इस मेंहदी के मिश्रण को अपने बालों पर लगाएं और लगभग 40 मिनट के लिए छोड़ दें।

नींबू, जैतून और अरंडी का तेल : एक नींबू का रस, 1 चम्मच जैतून का तेल और 1 चम्मच अरंडी का तेल लें। इन्हें एक बाउल में मिला लें और मिश्रण को थोड़ा गर्म कर लें। इस मिश्रण से अपने स्कैल्प पर कुछ मिनट तक मसाज करें। एक या दो घंटे के बाद, धो लें। सप्ताह में दो बार इस मिश्रण का इस्तेमाल कर सकते हैं। अरंडी का तेल प्रोटीन, मिनरल और विटामिन ई से भरपूर होता है और इसलिए ये आपके बालों के लिए एक औषधि के रूप में काम करता है। इसके अलावा, अरंडी के तेल में रिसिनोलेइक एसिड और ओमेगा 6 एसेंशियल फैटी एसिड होते हैं, जो स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देते हैं, इससे बालों को बढ़ने में मदद मिलती है।